THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 107 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **श्रावण कृ. 2 2080 बुधवार, 5 जुलाई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 : 8 रुपये**

चार राज्यों में भाजपा के नए अध्यक्ष

चुनावी राज्य तेलंगाना में जी किशन रेड्डी, कांग्रेस से आए सुनील जाखड़ पंजाब संभालेंगे

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। देश में 5 राज्यों में होने वाले विधानसभा और अगले साल लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने 4 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए हैं। पंजाब, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और झारखंड में बदलाव हुआ है। कांग्रेस से आए सुनील जाखड़ को पंजाब, आंध्र प्रदेश में डी पुरंदेश्वरी, तेलंगाना जी किशन रेड्डी और झारखंड में बाबू लाल मरांडी को पार्टी की कमान सौंपी गई है।

इसके अलावा पार्टी हाईकमान ने एटाला राजेंद्र को तेलंगाना में भाजपा के चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। तेलंगाना में इसी साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी को राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य मनोनित

किया गया है। किरण इसी साल अप्रैल में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। विधायक इटेला राजेंद्र को तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनावों की प्रबंधन समिति के चेयरमैन बनाया है।

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील जाखड़ :

सुनील जाखड़ 2017 से 2021 तक कांग्रेस के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। पिछले साल मई में उन्होंने भाजपा जॉइन की थी। वे पंजाब में अश्विनी शर्मा की जगह अध्यक्ष बनाए गए हैं। 2002-2017 तक जाखड़ अबोहर विधानसभा सीट से लगातार तीन बार विधायक भी रह चुके हैं।

>14

सुप्रीम कोर्ट में जाति व्यवस्था के री-क्लासिफिकेशन की याचिका खारिज

सीजेआई ने जुर्माना लगाते हुए कहा- ऐसी याचिकाएं कानून का दुरूपयोग

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जाति व्यवस्था के पुन: वर्गीकरण के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने वकील द्वारा दायर याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

अदालत वकील सचिन गुप्ता की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत केंद्र को जाति व्यवस्था के पुन: वर्गीकरण के लिए एक नीति तैयार करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

बेंच ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा, यह कानून का दुरूपयोग है।

>14

मानहानि मामले में राहुल गांधी को राहत

झारखंड हाईकोर्ट ने दंडात्मक कार्रवाई पर लगाई रोक

रांची, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मानहानि मामले में मुश्किलों में फंसे राहुल गांधी को झारखंड हाईकोर्ट से राहत मिली है। दरअसल हाईकोर्ट ने मंगलवार चार जुलाई को सुनवाई करते हुए राहुल गांधी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर फिलहाल रोक लगा दी है। हाईकोर्ट अब 16 अगस्त को इस मामले पर सुनवाई करेगा। बता दें कि राहुल गांधी ने साल 2019 में कर्नाटक में जनसभा के दौरान अपने एक बयान में कहा था कि सभी चोरों का सरनेम मोदी ही क्यों है? राहुल गांधी के बयान के बाद उनके खिलाफ देश में अलग-अलग जगह मानहानि के मुकदमे दर्ज हुए थे।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले पर झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने याचिका दायर करने वाले प्रदीप मोदी को जवाब पेश करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने राहुल गांधी को राहत देते हुए अगली सुनवाई तक किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा : मोदी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई को-ऑपरेशन समिट (एससीओ) की वर्चुअल समिट को होस्ट कर रहे हैं। इसमें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन शामिल हुए हैं। पीएम मोदी ने कहा, कुछ देश आतंकवादियों को पनाह देते हैं। ये क्षेत्रीय शांति के लिए बड़ा खतरा है। आतंकवाद पर दोहरे मापदंड के लिए कोई जगह नहीं है।

पीएम मोदी ने ईरान के एससीओ में शामिल होने की घोषणा भी की। उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और देश की जनता को इसके लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत का सिद्धांत पूरा विश्व एक परिवार है। हम एससीओ को भी अपना परिवार मानते हैं।

एससीओ समिट को संबोधित करते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को धन्यवाद कहा। पुतिन बोले, हम अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर भारत की अप्रोच का समर्थन करते हैं। हम एससीओ में शामिल देशों के साथ लगातार अपने संबंधों को बेहतर करने के लिए काम करते रहेंगे।

पुतिन ने कहा, हम पश्चिमी देशों की तरफ से लगाए जा रहे प्रतिबंधों का सामने करते रहेंगे।

>14

पटना हाईकोर्ट से राहुल गांधी को राहत

12 जनवरी 2024 तक के लिए सुनवाई टली

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पटना हाइकोर्ट में मोदी सरनेम मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई 12 जनवरी 2024 तक के लिए टल गई है। जस्टिस संदीप कुमार ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि निचली कोर्ट के आदेश पर रोक अगले आदेश तक जारी रहेगी। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश पर 15 मई 2023 तक के लिए रोक लगाते हुए राहुल गांधी को राहत दी थी।

राहुल गांधी मामले में अगले साल तक रोक

गौरतलब है कि पटना की निचली अदालत ने उन्हें 12 अप्रैल, 2023 को मोदी सरनेम मामले में की गई टिप्पणी पर कोर्ट में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने को कहा था। निचली अदालत के उस आदेश के विरुद्ध राहुल गांधी ने आदेश को रद्द करने के लिए पटना हाइकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। कोर्ट ने उनकी याचिका स्वीकार करते हुए उन्हें राहत दी थी। इसके अनुसार उन्हें पटना की निचली अदालत में फिलहाल उपस्थित नहीं होना पड़ेगा।

गुजरात कोर्ट से मिल चुकी है सजा

गौरतलब है कि 2019 उन्होंने कर्नाटक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मोदी सरनेम को ले कर टिप्पणी की थी। इसी मामले में बिहार के वरिष्ठ बीजेपी नेता और राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी ने पटना के सिविल कोर्ट में परिवाद पत्र दायर किया था। इस मामलें में सूरत की कोर्ट ने उन्हें दो वर्षों की सजा सुनाई थी, जिस कारण उन्हें अपनी संसद सदस्यता खोनी पड़ी थी। इस मामले पर अगली सुनवाई 12 जनवरी, 2024 की जाएगी।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि साल 2019 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटकर के कोलार में एक चुनावी रैली के दौरान मोदी सरनेम को लेकर बयान दिया था। कांग्रेस नेता के इस बयान पर पहले गुजरात में मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में गुजरात कोर्ट से राहुल गांधी को दोषी ठहराया गया था और दो साल की सजा सुनाई गई थी। जिसके बाद राहुल गांधी की सदस्यता चली गई थी। वहीं, बिहार में बीजेपी नेता सुशील मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ याचिका दायर किया था। उसी मामले में सुनवाई हो रही है।

तकनीकी खराबी के कारण डिब्रूगढ़ जाने वाली इंडिगो की उड़ान रद्द

गुवाहाटी, 4 जुलाई (एजेंसियां)। डिब्रूगढ़ जाने वाली इंडिगो की एक उड़ान तकनीकी खराबी के कारण मंगलवार को गुवाहाटी हवाई अड्डे से उड़ान भरने से रोक दी गई। भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (एएआई) के सूत्रों के मुताबिक, विमान जब रनवे पर उड़ान भर रहा था, तो पायलट को गड़बड़ी का पता चला। राज्य के मंत्री रणजीत दास, बिमल बोरा और कांग्रेस नेता रोमेन बारठाकुर विमान में सवार थे। वे डिब्रूगढ़ की ओर जा रहे थे। गड़बड़ी को ठीक करने का प्रयास चल रहा है।

अनिल अंबानी की पत्नी टीना अंबानी से ईडी ने की पूछताछ

फ़ेमा मामले में जारी हुआ था समन

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रिलायंस एडीए ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी के बाद अब उनकी पत्नी टीना अंबानी ईडी के सामने पेश हुईं और अपना बयान दर्ज कराया। विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन से जुड़ी जांच के को लेकर टीना अंबानी से पूछताछ हुई। इसके लिए वो ईडी दफ्तर पहुंचीं, जहां अधिकारियों ने उनका बयान दर्ज किया। बताया जा रहा है कि एजेंसी की तरफ से अनिल अंबानी को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

ईडी के सामने फिर पेश हो सकते हैं अंबानी

आधिकारिक सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। इससे पहले अनिल अंबानी ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) की धाराओं के तहत सोमवार 3 जुलाई को मामले में अपना बयान दर्ज कराया और उनके इस सप्ताह के अंत में केंद्रीय एजेंसी के सामने पेश होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि दंपति के खिलाफ जांच विदेश में कथित अघोषित संपत्तियों के कब्जे और पैसे के लेनदेन से जुड़ी है।

टैक्स चोरी को लेकर जारी हुआ था नोटिस

अनिल अंबानी येस बैंक के प्रवर्तक राणा कपूर और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 2020 में ईडी के सामने पेश हुए थे। पिछले साल अगस्त में, आयकर विभाग ने स्विस बैंक के दो खातों में जमा 814 करोड़ रुपये से अधिक अघोषित धन पर 420 करोड़ रुपये की कर चोरी करने को लेकर काला धन रोधी कानून के तहत अंबानी को एक नोटिस जारी किया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मार्च में, आयकर विभाग के इस कारण बताओ नोटिस पर अंतरिम रोक लगाने का आदेश दिया था। एक दौर में देश के सबसे अमीर लोगों में शुमार अनिल अंबानी की नेटवर्थ में पिछले कुछ सालों से लगातार कमी आई है और उन पर भारी कर्ज है। कुछ ही महीने पहले विदेश में हुई एक सुनवाई के दौरान अनिल अंबानी ने अपनी नेटवर्थ जीरो बताई थी। जिसे लेकर खूब विवाद हुआ था।

पूर्व मंत्री के घर चोरी करने वाले पारदी गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

उज्जैन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उज्जैन पुलिस ने पारदी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पूछताछ में पूर्व मंत्री शिवनारायण जागीरदार के यहां वारदात करना कबूल किया है। पुलिस ने इनके पास से लाखों रुपये नकद और चांदी के आभूषण जब्त किए हैं। पुलिस इनसे अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ कर रही है। नरवर पुलिस ने गुना एवं उज्जैन में रहने वाले पारदी गिरोह के चार सदस्यों को रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ में पूर्व मंत्री शिवनारायण जागीरदार के हरनावदा स्थित घर में वारदात करना कबूल किया है।

पुलिस कंट्रोल रूम में एडिशनल एसपी आकाश भूरिया ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ वारदात को अंजाम दिया था, जो अभी फरार हैं। बदमाशों से की गई पूछताछ के बाद पुलिस ने इनकी निशानदेही से पौने छह लाख रुपये नगदी के अलावा चांदी के आभूषण और वारदात में प्रयुक्त औजार जब्त किए गए हैं। एडिशनल एसपी भूरिया ने बताया कि पकड़े गए बदमाश मध्यप्रदेश के अलावा गुजरात में भी इसी प्रकार की वारदातों को अंजाम देते हैं।

तस्वीरें वायरल होने से आहत किशोरी ने की आत्महत्या

गुवाहाटी, 4 जुलाई (एजेंसियां)। निजी तस्वीरें और वीडियो प्रेमी द्वारा सार्वजनिक किए जाने से आहत एक किशोरी ने आत्महत्या कर ली। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी के अनुसार लड़की ने सोमवार शाम गांधी मंडप इलाके में अपने आवास पर फांसी लगा ली। पुलिस को घर से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने पीड़िता के प्रेमी अमित मेधी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने जातियों के दोबारा वर्गीकरण की मांग की खारिज

याचिकाकर्ता पर लगाया 25 हजार रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारत में जातियों के दोबारा वर्गीकरण की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। साथ ही याचिकाकर्ता को फटकार लगाते हुए उसपर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाया जुर्माना

सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की पीठ ने एक वकील द्वारा दायर याचिका खारिज कर दी और याचिकाकर्ता पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया। पीठ ने कहा कि यह कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। इस तरह की जनहित याचिकाएं बंद होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 का आह्वान करते हुए केंद्र को जाति व्यवस्था के पुनः वर्गीकरण के लिए एक नीति तैयार करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी

बता दें कि शीर्ष अदालत, वकील सचिन गुप्ता द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें जाति व्यवस्था के पुनः वर्गीकरण के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी।

महाराष्ट्र के पालघर की औद्योगिक इकाई में आग तीन कर्मचारी झुलसे

पालघर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले की एक औद्योगिक इकाई में भीषण आग लग गई जिसमें तीन कर्मचारी झुलस गए। अग्निशमन अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी वैभव तंडेल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उपनगर बोइसर में तारापुर महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) इलाके में स्थित एक इकाई में सोमवार को रात नौ बजकर 30 मिनट पर आग लग गई। उन्होंने कहा कि आग के कारण कुछ टैंकों में धमाका हो गया जिनमें तेल भरा हुआ था।

चश्मदीदों के मुताबिक, धमाके से इलाके में दहशत फैल गई। अधिकारी ने बताया कि हादसे में तीन कर्मचारी झुलस गए। दो की हालत बेहद गंभीर है। वे 50 प्रतिशत तक जल गए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों का इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की आठ गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और रात करीब एक बजकर 30 मिनट तक स्थिति नियंत्रण में आ गई। उन्होंने कहा कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है। वहीं, घटना के समय इकाई में कोई उत्पादन गतिविधि तो नहीं हो रही थी इसके लिए भी जांच की जा रही है।

गुजरात: 14 और 17 साल के दो बच्चों का हार्ट अटैक से मौत

अहमदाबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के दो अलग-अलग जिलों में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां दो नाबालिगों की हार्ट अटैक के चलते मौत हो गई। एक मृतक की उम्र 14 वर्ष थी। वहीं दूसरे मृतक की उम्र केवल 17 साल थी। दोनों किशोरों की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ जिले के चोरवाड के पास नारियल के खेत में काम कर रहे 17 वर्षीय किशोर का कार्डियक अरेस्ट के चलते मौत हो गई। इससे पहले राजकोट के गोंडल हाइवे रोड पर रीबडा के पास एसजीवीपी गुरूकुल में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर स्कूल में आयोजित कार्यक्रम की तैयारी कर रहा 14 वर्षीय देवांश भायणी अचान बेहोश होकर गिर गया। इसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक जूनागढ़ के चोवाड गांव के नारियल के खेत में जिग्नेश वाजा नाम का 17 वर्षीय किशोर कुछ काम कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक बेहोश होकर गिर गया। स्थानीय लोगों ने उसे सीपीआर देने की कोशिश की और फिर उसे अस्पताल ले गए।

राकांपा के कुछ मंत्री एक साल बाद फिर लौटे मंत्रालय

मुंबई, 4 जुलाई (एजेंसियां)। नरीमन प्वॉइंट स्थित मंत्रालय से कई लोगों को बाहर निकाले जाने के एक साल बाद, प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उपमुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगी मंगलवार सुबह यहां पहली कैबिनेट बैठक के लिए राज्य सरकार के मुख्यालय लौटे। महिला मंत्री अदिति तटकरे सहित अजित पवार के नेतृत्व वाला नौ सदस्यीय गुट मंगलवार दोपहर शिवसेना के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भारतीय जनता पार्टी के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में भाग लिया। नए मंत्रियों ने सबसे पहले मुख्य प्रवेश द्वार के पास छत्रपति शिवाजी महाराज और अन्य महापुरुषों के चित्रों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। अब तक, अजीत पवार एंड कंपनी को मंत्री पद की जिम्मेदारियां आवंटित नहीं की गई हैं, ऐसी अटकलें हैं कि वह वित्त, कृषि, राजस्व या कुछ अन्य सहित कई महत्वपूर्ण विभागों को अपने कब्जे में ले सकते हैं, इससे अन्य दो सत्तारूढ़ सहयोगियों के बीच नाराज़गी पैदा हो सकती है। एक अधिकारी के मुताबिक, मौजूदा संकेतों के मुताबिक, नए मंत्रियों को बहुत जल्द, उनकी जिम्मेदारियां सौंपी जाने की संभावना है। कथित तौर पर शिवसेना के विधायक अजित पवार को महत्वपूर्ण वित्त विभाग देने को लेकर आशंकित हैं, क्योंकि वह दबाव की रणनीति में अपना सकते हैं। इससे पहले, अजीत पवार और लगभग 5 अन्य लोगों ने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के दौरान मंत्रालय में केबिनों पर कब्जा कर लिया था। शिवसेना के आंतरिक विद्रोह के बाद, एमवीए सरकार गिर गई और बाद में 30 जून, 2022 को शिंदे और फड़नवीस ने सीएम और डिप्टी सीएम के रूप में शपथ ली, और एक साल बाद, अजीत पवार का एनसीपी गुट तीसरे भागीदार के रूप में सरकार में शामिल हो गया।

शिंदे को हटाकर अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाने की हुई है डील

कांग्रेस नेता ने किया दावा

मुंबई, 4 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिवसेना के बाद एनसीपी में दो फाड़ हो चुके हैं और अजित पवार डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। अब इस फूट को लेकर तमाम नेता अपने-अपने दावे कर रहे हैं। कांग्रेस के सीनियर नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने दावा किया है कि उन्हें मिली सूचना के मुताबिक, बीजेपी ने अजित पवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया है। अजित पवार के सत्तारूढ़ एकनाथ शिंदे-बीजेपी गठबंधन में शामिल हो जाने से महाराष्ट्र में राजनीतिक स्थिति बदल गई है, चव्हाण से पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने भी दावा किया था कि शिंदे मुख्यमंत्री की कुर्सी खो देंगे।

अजित पवार के साथ 8 नेता बने मंत्री

2 जुलाई को अजित पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में विभाजन का नेतृत्व करते हुए उप मुख्यमंत्री बन गए। इससे उनके चाचा शरद पवार को बड़ा झटका लगा जिन्होंने 24 साल पहले एनसीपी की स्थापना की थी। अजित पवार के साथ एनसीपी के आठ नेताओं ने भी एकनाथ शिंदे-भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की शपथ ली।

चव्हाण ने सौदेबाजी को लेकर किया दावा

इसे लेकर कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने एक सवाल पर कहा, "मैंने पहले ही सार्वजनिक तौर पर कहा था कि (अजित पवार भाजपा के साथ जा सकते हैं) लेकिन मुझे आलोचना का सामना करना पड़ा था।" कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्हें पहले ही पता था कि यह होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, "इसमें सिर्फ सौदेबाजी चल रही थी कि अजित पवार को क्या मिलेगा। हमारी जानकारी के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष के फैसले, (यानी एकनाथ शिंदे समेत 16 शिवसेना के विधायकों को अयोग्य घोषित करने) की मदद से (शिंदे को) मुख्यमंत्री पद से हटाकर पवार को यह पद देने का वादा किया गया है।

"चव्हाण महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री यशवंतराव चव्हाण के स्मारक 'प्रीतिसंगम' में थे। एनसीपी प्रमुख शरद पवार कराड में स्मारक पर पहुंचे और दिवंगत नेता को पुष्पांजलि अर्पित की। पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, "वह (शरद पवार) महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के घटकों में से एक हैं और मैं उन्हें समर्थन देने के लिए यहां हूं।"उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय स्तर पर पवार साहब विपक्ष की एकता के साथ मजबूती से खड़े हैं और वह बेंगलुरु में होने वाली विपक्ष की बैठक में हिस्सा लेंगे।

सीबीआई कोर्ट में पेश हुए तीन नेताओं के अधिवक्ता

15 जुलाई को होगी मामले की सुनवाई

देहरादून, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बहुचर्चित स्टिंग प्रकरण में सीबीआई स्पेशल जज धर्मेंद्र सिंह अधिकारी की कोर्ट में आज पूर्व सीएम हरीश रावत समेत तीन नेताओं के अधिवक्ता पेश हुए। इस दौरान विधायक उमेश कुमार के अधिवक्ता कोर्ट में पेश नहीं हुए। जिसके बाद कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 15 जुलाई की अगली तारीख तय की है। सभी को 15 जुलाई को अपना जवाब दाखिल करना होगा। बता दें कि वर्ष 2016 में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के हरीश रावत सरकार को बचाने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त की डीलिंग की जा रही थी। इसमें रुपयों के लेन-देन होने की बात का दावा भी स्टिंग प्रसारण के दौरान किया गया था। बाद में इस पूरे मामले की जांच सीबीआई को दे दी गई थी। स्टिंग में जो आवाजें हैं उनके मिलान के लिए इन चारों ही नेताओं के वॉयस सैंपल लेने की अनुमति सीबीआई ने अदालत से मांगी थी।

यह है मामला

वर्ष 2016 में हरीश रावत के मुख्यमंत्री रहते हुए उनका एक स्टिंग करने का दावा उमेश कुमार ने किया था। इसके बाद राज्य की राजनीति में भूचाल आ गया था। इसी दौरान एक और स्टिंग सामने आया था, इसमें विधायक मदन सिंह बिष्ट के होने का दावा किया गया। इसमें डॉ। हरक सिंह रावत के भी शामिल होने का दावा किया गया था। दोनों ही स्टिंग के बारे में उमेश कुमार ने दावा किया था कि स्टिंग मामले में वायस सैंपल लेने के लिए सीबीआई ने चार नेताओं को नोटिस जारी किए थे। इनमें हरीश रावत, हरक सिंह रावत, कांग्रेस विधायक मदन सिंह बिष्ट और स्टिंग करने वाले और खानपुर विधायक उमेश कुमार शामिल हैं।

मुंबई-आगरा हाईवे पर भीषण हादसा, होटल में घुसा कंटेनर; 12 की मौत; 10 से ज्यादा लोग जख्मी

पलासनेर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई-आगरा हाईवे पर पलासनेर के पास एक भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है और 10 से ज्यादा लोग जख्मी बताए जा रहे हैं। ब्रेक फेल हो जाने की वजह से एक कंटेनर तेज रफ्तार में होटल में घुस गया, जिससे यह बड़ा हादसा हुआ। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर पुलिस टीम पहुंच चुकी है। हादसे वाली जगह पर पास के गांव से आए लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई है। फायर ब्रिगेड को सूचना दे दी गई है। तब तक स्थानीय लोगों की मदद से लोगों

को बाहर निकालने का काम जारी है। मुंबई-आगरा हाईवे पर पलासनेर गांव महाराष्ट्र के शिरपुर तहसील के धुले जिले में मौजूद है। यह इलाका मध्य प्रदेश से सटा हुआ है। आज (मंगलवार, 4 जुलाई) दोपहर 12 बजे पलासनेर के पास यह सड़क हादसा हुआ है।

मरने वालों की संख्या 12 से बढ़ने की आशंका

दोपहर 12 बजे के आसपास एक कंटेनर मुंबई आगरा हाईवे से होकर पलासनेर गांव के पास से गुजर रहा था। इतने में गाड़ी का ब्रेक फेल हो गया और यह पास ही एक होटल के अंदर जा घुसा। इस हादसे में 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है और करीब 10 से ज्यादा लोग जख्मी हुए हैं। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया, इलाज शुरू

स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उनका इलाज शुरू है। लोगों को घटनास्थल से सुरक्षित बाहर निकाले जाने का काम शुरू है। कंटेनर हाईवे पर काफी तेज रफ्तार से जा रहा था। ब्रेक फेल होने के बाद जब यह सड़क किनारे के होटल में घुसा तब होटल के बाहर कई और वाहन खड़े थे। यह कंटेनर उन्हें रौंदता हुआ होटल में घुस गया। इससे होटल के बाहर खड़े वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। 12 बजे करीब हुए इस हादसे के बाद मरने वालों की तादाद बढ़ती हुई जा रही है। पहले पांच लोगों की मौत की जानकारियां सामने आ रही थीं, अब यह संख्या एक दर्जन तक पहुंच चुकी है। घायलों का इलाज शुरू है। पुलिस टीम बचाव कार्य में लगी हुई है।

जम्मू कश्मीर: शाह फैसल का बड़ा बयान

बोले- 370 बीते कल की बात, अब पीछे नहीं मुड़ा जा सकता

जम्मू, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर सुप्रीम कोर्ट की पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ 11 जुलाई को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने जा रही है। इससे पहले आईएएस अधिकारी शाह फैसल ने मंगलवार को कहा कि अनुच्छेद 370 अतीत की बात है और अब पीछे नहीं मुड़ा जा सकता है। अब सिर्फ आगे ही बढ़ा जा सकता है। फैसल ने ट्विटर पर लिखा, '(अनुच्छेद) 370, मेरे जैसे कई कश्मीरियों के लिए अतीत की बात है। झेलम और गंगा हमेशा के लिए महान हिंद महासागर में शामिल हो गई हैं। अब पीछे नहीं जाया जा सकता है। अब केवल आगे ही बढ़ना है।' 2010 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी फैसल को अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त किए जाने और अगस्त 2019 में तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य को केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद एक साल से अधिक समय तक हिरासत में रखा गया था। उन्होंने सेवा से इस्तीफा दे दिया था और जनवरी 2019 में एक राजनीतिक पार्टी जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट की शुरुआत की थी। इसके बाद 2019 में ही फैसल ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने के केंद्र के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। लंबी हिरासत के बाद अप्रैल 2022 में फैसल ने सरकार से इस्तीफा वापस लेने के आवेदन किया, जिसे स्वीकार कर लिया और उन्हें बहाल कर दिया गया। इसके बाद उन्हें केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय में तैनात कर दिया गया। उसी महीने फैसल ने अदालत में एक आवेदन दायर कर उन सात याचिकाकर्ताओं की सूची से अपना नाम हटाने की मांग की, जिन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म करने को चुनौती दी थी। सरकार द्वारा तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के लगभग चार साल बाद, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 जुलाई को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर प्रकाशित एक नोटिस के अनुसार, पीठ निर्देश पारित करने के लिए याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

विवाहिता का कमरे में लटका मिला शव

करनाल, 4 जुलाई (एजेंसियां)। (हरियाणा) राज्य पुलिस सेवा के 14 अधिकारी बने आईपीएस, गृह मंत्रालय ने जारी किया नोटिफिकेशन करनाल के आरके पुरम में देर रात विवाहिता ने अपने ही मकान में पंखे से फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। ससुराल वालों ने शव को लटका हुआ देखा और पुलिस को सूचना दी। मोके पर पहुंच पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कर लिए भेजा।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस के प्रचार की कमान प्रियंका गांधी के हाथ?

भोपाल, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से बड़ी भूमिका राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की रहने वाली है। इसके संकेत अभी से मिलने लगे हैं। वे महाकौशल का दौरा कर चुकी हैं और इसी माह उनके ग्वालियर चंबल प्रभास की तैयारी है। राज्य में वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के मुख्य प्रचारक के तौर पर राहुल गांधी सक्रिय थे और उन्होंने चुनाव लड़ने से लेकर जीतने के बाद सरकार के रोड में को अंतिम रूप दिया था। अब इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में शुरुआती तौर पर राहुल गांधी के स्थान पर प्रियंका गांधी की सक्रियता ज्यादा नजर आ रही है। बीते माह प्रियंका गांधी महाकौशल के जबलपुर से कांग्रेस के चुनाव प्रचार का शंखनाद कर चुकी हैं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस की ओर से प्रदेश वासियों के लिए पांच गारंटी का भी भरोसा दिलाया था। एक तरफ जहां राज्य कांग्रेस चुनाव की तैयारी में लगी है, वही राष्ट्रीय नेतृत्व भी राज्य में अपना दखल बढ़ा रहा है। बीते रोज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल का भोपाल आना हुआ और उन्होंने चुनावी तैयारी को लेकर पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक में चुनाव प्रचार की रणनीति पर भी मंथन किया गया। कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि पार्टी राज्य में चुनाव पूरी ताकत और रणनीति के मुताबिक लड़ने की तैयारी में है और प्रचार अभियान को धारदार बनाया जा रहा है, इसीलिए प्रियंका गांधी की राज्य में सक्रियता बढ़ रही है। संभवत 22 जुलाई को उनका ग्वालियर में प्रवास हो सकता है,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 5 जुलाई, 2023

सुविचार

अनुशासन में चलने से आपकी जिंदगी पर शासन होने लगता है।

दुनिया के लिए जल्द चिकित्सा उपकरणों का भी केंद्र बनेगा हैदराबाद : केटीआर

आईटी मंत्री ने लॉन्च किए मेड इन तेलंगाना इनोवेटिव उत्पाद

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यहां एक प्रगतिशील चिकित्सा उपकरण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए राज्य सरकार के रणनीतिक प्रयास में एक बड़ा कदम उठाते हुए, आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने मंगलवार को सेमी, यहां मेड-टेक क्षेत्र के लिए उत्पाद परीक्षण को मजबूत करने के लिए कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के अलावा ह्यूवेल लाइफ साइंसेज, ईएमपीई डायग्नोस्टिक्स और ब्लू ट्वारा 'मेड इन तेलंगाना' अभिनव उत्पादों को लॉन्च किया। मंत्री ने कहा कि मैं उत्पाद परीक्षण के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करने और हमारी घरेलू कंपनियों - हुवेल लाइफसाइंसेज, ईएमपीई डायग्नोस्टिक्स और द्वारा विश्व स्तरीय 'मेड इन तेलंगाना' उपकरणों के लॉन्च के साथ तेलंगाना में मेड-टेक क्षेत्र में एक और मील का पत्थर देखकर खुश हूं। इनविट्रो डायग्नोस्टिक्स और रिएजेंट्स में अग्रणी ह्यूवेल लाइफसाइंसेज, जिसके पास सुल्तानपुर के मेडिकल डिवाइसेस पार्क में अत्याधुनिक सुविधा है, ने प्वाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग (पीओसीटी) डिवाइस विकसित की है, जिसमें अपनी तरह का पहला पाम भी शामिल है।

ह्यूवेल के पास विभिन्न डायग्नोस्टिक किट और उपकरणों के लिए लगभग 20 विनिर्माण लाइसेंस हैं और यह भारत में स्वदेशी रूप से निर्मित कोविड आरटीपीसीआर किट का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। हुवेल के प्रबंध निदेशक और संस्थापक डॉ. शेशीर कुमार ने कहा कि वे क्षेत्र में संक्रमण की पुष्टि के परीक्षण के लिए पीओसीटी उपकरणों और बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन के लिए हीमोग्लोबिन परीक्षण उपकरण का निर्माण कर रहे हैं। हम तेलंगाना से दुनिया के लिए उत्पाद बना रहे हैं। हमें विश्वास है कि निकट भविष्य में, हैदराबाद दुनिया के लिए टीकों की तरह चिकित्सा उपकरणों का भी केंद्र बन सकता है।

ईएमपीई डायग्नोस्टिक्स, जिसके पास 25 करोड़ रुपये के निवेश के साथ जीनोम वैली में वैश्विक उत्पादन और अनुसंधान एवं विकास सुविधा है, ने प्रति माह दो मिलियन तपेदिक डायग्नोस्टिक किट का उत्पादन करने के लक्ष्य के साथ एक सटीक, सरल, तीव्र और सस्ती डायग्नोस्टिक परीक्षण किट विकसित की है। टीबी और इसके एंटीबायोटिक प्रतिरोध का पता लगाने के लिए। एमडीआर-टीबी रिफैम्पिसिन और आइसोनियाज़िड के लिए दुनिया में अपनी तरह की पहली परीक्षण किट को नियंत्रण के साथ सीडीएससीओ से लाइसेंस प्राप्त हुआ है और यह टीबी क्लीनिकों को आपूर्ति के लिए तैयार है। ईएमपीई डायग्नोस्टिक्स के सीईओ राघवेंद्र गौड़ ने कहा कि उनकी वर्तमान क्षमता 25 मिलियन किट है और जल्द ही इसे 100 मिलियन किट तक विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा मिशन तेलंगाना में किट का उत्पादन करना और उन्हें दुनिया को आपूर्ति करना है।"

इनके अलावा, राज्य सरकार ने तेलंगाना लाइफ साइंसेज फाउंडेशन (टीएलएसएफ) के माध्यम से मेडिकल डिवाइसेज पार्क, सुल्तानपुर में किरायेदार कंपनियों को चिकित्सा उपकरण परीक्षण और प्रोटोटाइप सेवाओं की सुविधा के लिए आईएसओ प्रमाणित सुविधाओं वाले छह संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

रोनल्ड रोज़ जीएचएमसी के नए आयुक्त बने

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने मंगलवार को तेलंगाना में चार आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डी रोनाल्ड रोज़ को डीएस लोकेश कुमार के स्थान पर ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है, जिन्हें सीईओ तेलंगाना के कार्यालय में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। निर्मल कलेक्टर रहे मुर्शरफ अली फारुकी को निदेशक निषेध और उत्पाद शुल्क के रूप में तैनात किया गया है। सरफराज अहमद निदेशक निषेध एवं उत्पाद शुल्क को संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है।

राज्यपाल व सीएम ने किया राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल डॉ. तामिलसाई सुंदरराजन एवं मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने मंगलवार सुबह यहां हकीमपेट वायु सेना स्टेशन पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति यहां अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती के समापन समारोह में हिस्सा लेने पहुंची है। इस अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, सी. मल्ला रेड्डी, पी सबिता इंद्रा रेड्डी, सत्यवती राठौड़, मोहम्मद महमूद अली, सांसद जे संतोष कुमार, विधायक जीवन रेड्डी, कालेरू वेंकटेश, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी, मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी, मुख्य सचिव ए शांति कुमारी, डीजीपी अंजनी कुमार एवं अन्य उपस्थित थे।

30 सितंबर से पहले प्रवेश रद्द करने वाले छात्रों को पूरी फीस वापस करें एचईआई : यूजीसी

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवेश रद्द होने के बाद शुल्क वापसी के लिए संघर्ष करने वाले छात्रों और अभिभावकों को राहत देते हुए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों (एचईआई) को निर्देश दिया है कि वे 30 सितंबर तक प्रवेश रद्द करने वाले या स्थानांतरित होने वाले छात्रों को पूरी फीस वापस करें। आयोग शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए शुल्क वापसी नीति लेकर आया है। 27 जून को आयोजित यूजीसी की 570वीं बैठक के दौरान तय की गई नीति के अनुसार, यदि कोई छात्र 31 अक्टूबर तक प्रवेश रद्द कर देता है या किसी दूसरे संस्थान में स्थानांतरित हो जाता है, तो एचईआई प्रोसेसिंग शुल्क के रूप में अधिकतम 1,000 रुपये काट सकता है।

नई नीति छात्रों के लिए एक बड़ी राहत है क्योंकि कई कॉलेज, विशेष रूप से इंजीनियरिंग, प्रवेश रद्द होने या माइग्रेशन के कारण छात्रों के प्रमाणपत्र रोक देते हैं। उन संस्थानों के लिए, जिनका प्रवेश कार्यक्रम 31 अक्टूबर से आगे बढ़ गया है, यदि छात्र प्रवेश की अंतिम तिथि से 15 दिन या उससे अधिक पहले नाम वापस लेते हैं तो पूरी फीस वापस की जानी चाहिए।

अंतिम तिथि से 15 दिन से कम समय में प्रवेश रद्द करने पर छात्रों को 90 प्रतिशत फीस रिफंड मिलेगी। इसी तरह, यदि छात्र प्रवेश की अंतिम तिथि के 30 दिन या उससे कम समय के बाद प्रवेश रद्द करते हैं, तो संस्थानों को 50 प्रतिशत शुल्क वापस करना चाहिए। यदि अधिसूचित समय सीमा से 30 दिन से अधिक समय बाद प्रवेश रद्द किया जाता है तो कोई रिफंड लागू नहीं होगा। एचईआई को किसी भी शिकायत के निवारण के अलावा शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए शुल्क वापसी नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था।

उन्हें यूजीसी शुल्क वापसी नीति 2023-24 के प्रावधानों का उल्लंघन करने और छात्रों के मूल प्रमाणपत्रों को रोकने पर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी।

सीएम ने एमएलसी के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने बीआरएस एमएलसी एल रमना के पिता एल गंगाराम (92) के निधन पर शोक व्यक्त किया।मुख्यमंत्री ने प्रमुख व्यवसायी के रूप में विख्यात गंगाराम की सेवाओं को याद किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

डोड्डी कोमरैया याद किए गए

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश ने मंगलवार को यहां विधानसभा में डोड्डी कोमरैया की 77 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बंडा प्रकाश ने तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष के स्वतंत्रता सेनानी डोड्डी कोमरैया के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और लोगों के अधिकारों के लिए उनके संघर्ष को याद किया। उन्होंने कहा कि डोड्डी कोमरैया को तेलंगाना में सामंती शासकों के खिलाफ खड़ा होने वाला पहला योद्धा कहा जाता है और भूमि संघर्ष डोड्डी कोमरैया को सच्ची श्रद्धांजलि थी जिन्होंने जमींदारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। एमएलसी येग्गे मल्लेश, बीआरएसएलपी सचिव रमेश रेड्डी और अन्य उपस्थित थे।

हैदराबाद में तीन महिलाओं को कार ने टक्कर मारी

दो की मौत, एक गंभीर, मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं

हैदराबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में मंगलवार सुबह एक कार ने मॉर्निंग वॉक कर रही तीन महिलाओं को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीसरी महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हात गंभीर बनी हुई है।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि तीन महिलाएं सड़क के किनारे वॉक कर रही हैं। तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार उन्हें टक्कर मार देती है। टक्कर के बाद कार तीनों महिलाओं के साथ सड़क किनारे मौजूद झाड़ियों में घुस जाती है।

पुलिस बोली, किसी पर भी केस दर्ज नहीं किया :

हैदराबाद पुलिस ने बताया कि मामला शहर के हैदरशकोटे मेन रोड का है। महिलाएं मॉर्निंग वॉक के लिए निकली थीं। सुबह करीब 6:10 बजे एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। दो महिलाओं की मौत हो गई है, एक का पास के अस्पताल में इलाज चल रहा है। तीनों महिलाओं के बीच में क्या संबंध है, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिली है। अभी तक किसी पर भी केस दर्ज नहीं किया गया है। मामले की जांच जारी है।

अरविंद ने किशन रेड्डी की नियुक्ति का स्वागत किया

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद से भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने आज केंद्रीय पर्यटन मंत्री और जी किशन रेड्डी को राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने का स्वागत किया। उन्होंने रेड्डी के नेतृत्व को पार्टी की राज्य इकाई के लिए भाग्यशाली बताया। उन्होंने किशन रेड्डी को एक परिपक्व राजनेता करार देते हुए रेड्डी की नियुक्ति पर पार्टी आलाकमान को धन्यवाद दिया।

शहर में राज्य पार्टी मुख्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने पार्टी विधायक इटेला राजेंदर को राज्य चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए राष्ट्रीय पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को धन्यवाद दिया। यह कहते हुए कि इटेला पूरे तेलंगाना राज्य में आक्रामक चुनाव अभियान चलाएगा, उन्होंने उम्मीद जताई कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों के बाद तेलंगाना में सत्ता में आएगी। यह कहते हुए कि निवर्तमान राज्य पार्टी अध्यक्ष बंदी संजय ने अपना कार्यकाल आक्रामक तरीके से पूरा किया, उन्होंने कहा कि वे सभी तेलंगाना में पार्टी की जीत के लिए मिलकर काम करेंगे।

37वें हैदराबाद सेलिंग वीक और लेजर नेशनल चैंपियनशिप का उद्घाटन

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिष्ठित 37 वें हैदराबाद सेलिंग वीक-2023 और लेजर नेशनल चैंपियनशिप का उद्घाटन समारोह 4 जुलाई 2023 को ईएमई सेलिंग एसोसिएशन (ईएमईएसए) और लेजर क्लास एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में सिकंदराबाद सेलिंग क्लब के साथ हैदराबाद के हुसैन सागर झील में आयोजित किया गया था। इस चैम्पियनशिप में देश भर से बड़ी संख्या में संभावित और पेशेवर नाविक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन एमसीईएमई के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिडाना, ईएमई के कर्नल कमांडेंट कोर, कमोडोर ईएमई सेलिंग एसोसिएशन और लेजर क्लास एसोसिएशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में, जनरल ऑफिसर ने इस तरह के भव्य आयोजन की योजना बनाने के लिए ईएमई सेलिंग एसोसिएशन की सराहना की और इस प्रतिस्पर्धी खेल को अपनाने के लिए राज्य के युवाओं को प्रेरित करने के लिए तेलंगाना स्पोर्ट्स एसोसिएशन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे नाविकों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने और भविष्य में देश के लिए गौरव हासिल करने का मार्ग प्रशस्त होगा। हैदराबाद सेलिंग वीक हर साल हुसैन सागर झील पर आयोजित किया जाता है। हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों के लिए, यह एक ऐसा आयोजन है जिसका सभी निवासी भी उत्सुकता से इंतजार करते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल जेएस सिदाना, कमांडेंट एमसीईएमई, ईएमई के कर्नल कमांडेंट कोर द्वारा हरी झंडी दिखाने के समारोह में सौ से अधिक सेल नावें शामिल थीं। यह राष्ट्रीय लेजर चैंपियनशिप एशियाई खेलों के लिए एक ट्रायल इवेंट भी है। नौकायन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाईएआई) ने इस आयोजन को मान्यता प्रदान की। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम का समापन 9 जुलाई को होगा, जिसमें सभी कार्यक्रम आयोजकों और पुरस्कार विजेताओं को सिकंदराबाद सेलिंग क्लब में सुविधा प्रदान की जाएगी।

बंडी ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, बने पार्टी कार्यकर्ता

तीन साल के कार्यकाल में कई बार मिली शाबासी और लगे कई आरोप

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के सांसद बंडी संजय कुमार ने आज तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। आज नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ बैठक के बाद उन्होंने इस फैसले की घोषणा की। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर अपने इस्तीफे की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा को राज्य पार्टी प्रमुख के रूप में सेवा करने का मौका देने के लिए धन्यवाद दिया। अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर अपनी मौजूदा स्थिति भी बदल दी। वह अब बीजेपी के तेलंगाना अध्यक्ष की जगह बीजेपी कार्यकर्ता हैं। तेलंगाना बीजेपी में बंडी संजय का अध्याय कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। वह ऐसे नेता थे, जिन्होंने कमजोर पड़ रही पार्टी को मजबूती दी। चाहे वह पदयात्रा हो या हैदराबाद के पुराने शहर का दौरा, उन्होंने अपने कर्तव्यों का बखूबी निर्वहन किया। एक समय, संजय करीमनगर से विधायक के रूप में चुनाव हार गए, लेकिन सीट से लोकसभा चुनाव जीते और सांसद बन गए। उन्होंने शुरुआत में अपने पतले लुक और वजन से पार्टी कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा भरने की पूरी कोशिश की। एक समय सीएम केसीआर को टक्कर देने वाले नेताओं में बंडी संजय का नाम मजबूत हो गया था। चर्चा है कि बंडी संजय की मुख्य आलोचना उनकी मौखिक अशिष्टता है। उन्होंने कई विवादास्पद टिप्पणियाँ कीं, जिसके कारण उन्हें पार्टी नेताओं और विपक्षी दल के नेताओं की आलोचना का शिकार होना पड़ा। उन पर एक और आरोप नेतृत्व कौशल की कमी का है। कैडर की अच्छी देखभाल करने के लिए उनकी अच्छी प्रतिष्ठा है। हालाँकि, वह अपने आसपास के वरिष्ठ नेताओं के साथ तालमेल बिठाने में विफल रहे। बताया जाता है कि बंडी संजय के पार्टी के कई बड़े नेताओं से अच्छे संबंध नहीं हैं। कुछ नेताओं ने तो यहां तक कसम खा ली थी कि जब तक बंडी संजय प्रदेश अध्यक्ष रहेंगे तब तक वे कभी भी प्रदेश पार्टी मुख्यालय नहीं जायेंगे। संजय के पार्टी के एक अन्य सांसद धर्मपुरी अरविंद से भी अच्छे संबंध नहीं हैं। दूसरों का आरोप है कि बंडी संजय के प्रदेश पार्टी अध्यक्ष पद पर रहने से दूसरे दलों से नेताओं को लाना मुश्किल हो जाएगा। बंडी संजय के पिता एक सरकारी शिक्षक थे और उन्होंने संजय को कक्षा 1 में सरस्वती शिशु मंदिर में दाखिला दिलाया, जहाँ वह आरएसएस की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे। आरएसएस में उन्होंने प्राथमिक शिक्षा स्तर पर मुख्य प्रशिक्षक के रूप में काम किया। जब पार्टी नेता लालकृष्ण आडवाणी की रथ यात्रा रोक दी गई थी तब उन्हें दिल्ली केंद्रीय कार्यालय में सहायक के रूप में नियुक्त किया गया था। वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में करीमनगर शहर के संयोजक, शहर उपाध्यक्ष और राज्य कार्यकारिणी सदस्य के रूप में कार्यरत थे। 1994-2003 के बीच, उन्होंने करीमनगर सहकारी शहरी बैंक में दो कार्यकाल के लिए निदेशक के रूप में काम किया। उन्होंने करीमनगर शहर के भारतीय जनता युवा मोर्चा के महासचिव, नगर अध्यक्ष, राज्य कार्यकारिणी सदस्य, राज्य उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और राष्ट्रीय सचिव के रूप में कार्य किया। वह भारतीय जनता पार्टी के केरल और तमिलनाडु के प्रभारी भी थे। 2005 में, उन्होंने करीमनगर नगर निगम के 48वें डिवीजन से भाजपा पार्षद के रूप में जीत हासिल की। उन्होंने दो कार्यकाल तक करीमनगर भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 2014 के आम चुनावों में, उन्होंने करीमनगर विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और हार गए। वर्ष 2018 में उन्होंने फिर से उसी करीमनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और गंगुला कमलाकर से हार गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में, उन्होंने उसी करीमनगर निर्वाचन क्षेत्र से तत्कालीन टीआरएस पार्टी के उम्मीदवार बी विनोद कुमार के खिलाफ 89,508 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। 11 मार्च, 2020 को वह तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष बने। 4 जुलाई 2023 को उन्होंने आलाकमान के आदेश पर तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, 6940333W HAV ASHOK SINGH Unit: ADM BN., AOC CENTRE, R/o. Ransigoun Village & Post, Bilara Tehsil, Jodhpur Dist, Rajasthan State, Pin-342601, 1) my Wife Incorrect name Om Kumar & Incorrect DOB: 12-07-1980, Correct Name OM KANWAR & Correct DOB is 01-01-1978 (affidavit no. 32AA 490630 Dt.01-07-2023), 2) my elder son name changed from Lokender Singh to LOKENDER RATHORE (affidavit no. 32AA 490631 Dt.01-07-2023) my younger Son name changed from Navdeep Singh to NAVDEEP SINGH RATHORE (affidavit no. 32AA 490632 Dt.01-07-2023)

सावधान

पाठकों को सूचेत किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवाद करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

रक्षा सम्पदा कार्यालय
तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश अंचल
सिटी सिविल कोर्ट परिसर
सरदार पटेल मार्ग
सिकंदराबाद - 500 003

Defence Estates Office
Telangana & AP Circle
City Civil Court Compound
Sardar Patel Road
Secunderabad - 500 003

(दूरभाष नं: 040-27801250 / 27800503 फैक्स: 040-27800601 ई-मेल: deosecu-stats@nic.in)

नं. 21/66/LVI दिनांक : 03 जुलाई, 2023

ई-नीलामी सूचना- सिकंदराबाद कंटोनमेंट में रक्षा भूमि के जीएलआर सर्वे नं.717 में विज्ञापन या एडवर्टाइजमेंट होर्डिंग्स की स्थापना एवं प्रदर्शन

सार्वजनिक नीलामी सूचना

एतद्वदारा आम जनता की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि, सिकंदराबाद कंटोनमेंट के जीएलआर सर्वे नं.717 में, ई-नीलामी व्दारा विज्ञापन होर्डिंग्स की स्थापना एवं प्रदर्शन से संबंधित साइट नंबर 01(एक) का निपटान दि. 25.07.2023 के सुबह 11.00 बजे किया जायेगा।

ठेकेदारों को **दि. 12.07.2023 तथा दि. 17.07.2023** के **सुबह 11.00** से **दोपहर 1.00 बजे** तक तत्संबंधित साइट दिखाई जायेगी। तत्संबंधित साइट के सुपुर्द किये जाने की तिथि से लेकर 2 वर्ष की अवधि के लिए लाइसेंस दिया जायेगा। इच्छुक बोलीदाताओं को, संबध्द कार्यालय प्रतिनिधि की उपस्थिति में, उपरोक्त स्थान का दौरा करने व देखने एवं निरीक्षण करने की अनुमति दी जायेगी।

ई-नीलामी दस्तावेजों को, सरकारी ई-नीलामी प्रणाली **वेबसाइट:** https://eauction.gov.in/eAuction/app के आनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा।

क्रम सं.	जीएलआर सर्वे नं.	साइट नं.
1	717	26

हस्ता.
(कपिल गोयल, (आयडीइएस)
रक्षा संपदा अधिकारी
टी एंड एपी सर्किल, सिकंदराबाद

सात जुलाई को संपूर्णानंद विश्वविद्यालय में पीएम मोदी

क्या है इसकी खासियत

वाराणसी , 4 जुलाई (एजेंसियां)। मोदी 7 जुलाई को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। वह वाराणसी स्थित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय का भी दौरा कर सकते हैं। 200 साल पुराने विश्वविद्यालय लाइब्रेरी को हस्तलिखित पांडुलिपियों का भंडार कहा जाता है। वहीं पीएम के दौरे को लेकर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ 5 जुलाई को संस्कृत विश्वविद्यालय जा सकते हैं। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी को शुरू में प्रिंस ऑफ वेल्स सरस्वती भवन कहा जाता था। यहां मौजूदा समय में करीब 95,000 पांडुलिपियां हैं, जो देवनागरी, खरोष्ठी, मैथिली, उड़िया, गुरुमुखी, तेलुगु, कन्नड़ और संस्कृत सहित विभिन्न लिपियों में लिखी गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पीएम मोदी विश्वविद्यालय लाइब्रेरी जा सकते हैं। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आनंद कुमार त्यागी के अनुसार विवि का पुस्तकालय (सरस्वती भवन पुस्तकालय) दुनिया के सबसे पुराने पुस्तकालयों में से एक है। संरक्षित की गई पांडुलिपियों में से कुछ सोने की पत्ती, कागज, ताड़ और लकड़ी पर लिखे गए हैं।

गवर्नर जनरल लॉर्ड कार्नवालिस ने दी थी मंजूरी

यूनिवर्सिटी के पीआरओ शशींद्र मिश्र ने कहा कि वर्तमान संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय को शुरू में सरकारी संस्कृत कॉलेज के रूप में जाना जाता था और इसकी स्थापना ईस्ट इंडिया कंपनी के तत्कालीन निवासी जोनाथन डंकन के एक प्रस्ताव और गवर्नर जनरल लॉर्ड कार्नवालिस की मंजूरी के तहत की गई थी। इस कॉलेज की स्थापना 1791 में संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।

पंडित काशीनाथ थे पहले आचार्य

पीआरओ ने बताया कि पंडित काशीनाथ इसके पहले गुरु एवं आचार्य थे। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 22 मार्च 1958 को तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ संपूर्णानंद और शिक्षा मंत्री पंडित कमलापति त्रिपाठी ने वाराणसी में वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में की थी। बाद में इसका नाम बदलकर यूपी राज्य के तहत संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय कर दिया गया।

कौन था विवि का पहला कुलपति

डी। एएनझा पहले कुलपति और 1844 में जे। मुइर, आईसीएस, को इसका पहला प्रिंसिपल बनाया गया था। संस्कृत पांडुलिपियों को एकत्र करने, संरक्षित करने और प्रकाशित करने के प्रयास किए गए जिसके परिणामस्वरूप 'सरस्वती भवन' पुस्तकालय की स्थापना हुई, जो पूरी दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध है।

मलिक बोले- 'एजेंसियों का डर दिखाकर तोड़ फोड़ रही भाजपा

जयंत नहीं जाएंगे बीजेपी के साथ, मेरी बात हुई'

लखनऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सियासी उठापटक के बाद यूपी में भी हलचल तेज हो गई है। सूत्रों का दावा है कि आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी की बीजेपी से बात बन गई है। अब राज्य में रालोद बीजेपी गठबंधन में शामिल हो सकती है। हालांकि इसपर जयंत चौधरी ने जवाब दिया है। जबकि अब जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने इसपर प्रतिक्रिया दी है। बातचीत में सत्यपाल मलिक ने कहा, बीजेपी ईडी और सीबीआई का डर दिखाकर क्षेत्रीय दलों को तोड़ रही है। जयंत चौधरी से मेरी बात हुई है, वो बीजेपी के साथ नहीं जाएंगे। पूर्व राज्यपाल ने दावा किया, पहले बिहार में मांझी को तोड़ लिया, अब एनसीपी में तोड़ फोड़ कर दी। विपक्षी नेताओं की ओर से जिस तरह से एकजुटता दिखाई जा रही है। उससे बीजेपी घबराई हुई है, इसलिए यह तोड़ फोड़ की जा रही है।

पूर्व राज्यपाल दावा करते हुए कहा, जयंत चौधरी से मेरी बात हुई है, वो नहीं जाएंगे। वह संयुक्त विपक्ष का हिस्सा बने रहेंगे। हालांकि इससे पहले ही जयंत चौधरी ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया था। तब उन्होंने कहा था, उनका रुख बिल्कुल स्पष्ट है और वह विपक्षी दलों की अगली बैठक में जरूर शामिल होंगे। मेरा रुख बिल्कुल स्पष्ट है। अठावले और राजभर कहने से क्या होता है। पटना में 23 जून को (विपक्षी दलों की) बैठक हुई और अगले दौर की जो बातचीत होगी मैं उसमें शामिल होऊंगा।

उत्तर प्रदेश में बहुत बड़ा प्रशासनिक बदलाव, 250 एसडीएम का तबादला

लखनऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में पीसीएस अधिकारियों का तबादला हुआ है। आदेश धीरे-धीरे जारी किए जा रहे हैं। 250 अधिकारी इधर से उधर किए गए हैं। इनमें से अधिकतर एसडीएम हैं। नियुक्ति विभाग ने सभी को व्यक्तिगत आदेश भेजकर नई जॉइनिंग करने का आदेश दिया है। नई तबादला नीति के तहत नियमों में आने वाले सभी अफसरों को इधर से उधर कर दिया गया है। बुधवार तक सभी पीसीएस अधिकारी अपनी नई नियुक्ति पर पदभार ग्रहण कर लेंगे। माना जा रहा है कि नियुक्ति विभाग इसके बाद में कुछ आईएएस अधिकारियों की सूची भी जारी कर सकता है।

वरुण गांधी का कट सकता है पीलीभीत से लोकसभा टिकट

ओबीसी नेता गंगावार को मौका मिलने के कयास

पीलीभीत, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी की बीते कई सालों से भाजपा नेतृत्व से अनबन चल रही है। किसान आंदोलन से लेकर कई मुद्दों पर वह नेतृत्व से अलग राय रखते रहे हैं। ऐसे में वह 2024 में लोकसभा का चुनाव भाजपा से लड़ेंगे या नहीं, इसे लेकर कयासों का दौर तेज है। इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वरुण गांधी को पीलीभीत लोकसभा सीट से शायद इस बार टिकट न दिया जाए। उनकी जगह पर जिले के ही एक ओबीसी विधायक को मौका मिल सकता है, जो लगातार दो बार चुनाव जीत चुके हैं। इसके जरिए भाजपा ओबीसी वर्ग को एक संदेश देने की कोशिश करेगी। वरुण गांधी ने कई बार भाजपा नेतृत्व से असहमति जताई है, लेकिन पार्टी ने उन्हें लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा। हालांकि उन्हें कई राज्यों में हुए चुनाव प्रचार में अहमियत नहीं दी गई। यूपी में भी उन्हें कोई अहम भूमिका नहीं सौंपी गई है। इससे साफ है कि नेतृत्व वरुण गांधी को नजरअंदाज कर रहा है। यही नहीं उनकी मां मेनका गांधी भी 2019 में दोबारा बनी मोदी सरकार में किसी पद पर नहीं हैं। इससे पहले 2014-19 के दौरान वह महिला एवं बाल विकास मंत्री थीं, लेकिन अब वह भी बेटे की तरह ही महज सांसद हैं और भाजपा के किसी बड़े आयोजन में मंच पर भी नहीं दिखतीं।

वरुण गांधी की जगह इस नेता को मिल सकता है मौका

यही वजह है कि वरुण गांधी के अलावा मेनका गांधी के भविष्य को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। अब चर्चा है कि पीलीभीत से संजय सिंह गंगवार को भी लोकसभा का टिकट मिल सकता है। वह शहर विधानसभा सीट से दो बार से विधायक हैं। उनकी यूपी भाजपा के संगठन में अच्छी पकड़ है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी करीब माने जाते हैं।

संतोष गंगवार की जगह नए नेता को तैयार करना है मकसद

बरेली-पीलीभीत क्षेत्र से कद्दावर नेता रहे संतोष गंगवार की जगह भाजपा अब उनको ओबीसी नेता के तौर पर प्रमोट करना चाहती है। गंगवार ने 2012 में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन 4 हजार वोटों से हार गए थे। इसके बाद 2017 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की। अब 2022 में फिर विजय पा सकते हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे का तोहफा

5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का होगा परिचालन

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। श्रावणी मेला की शुरुआत होते ही भोलेनाथ के भक्तों की भीड़ उमड़ गई है। इसे लेकर पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विरेंद्र कुमार ने जानकारी दी है कि श्रावण महीने की शुरुआत हो गई है। ऐसे में भोले बाबा के भक्त काफी संख्या में बाबा पर जलाभिषेक करने के लिए जाते हैं। श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा पटना-आसनसोल, गया-जसीडीह, रक्सौल-भागलपुर एवं गोरखपुर-देवघर के मध्य श्रावणी मेला स्पेशल का परिचालन किया जायेगा। साथ ही सुल्तानगंज स्टेशन पर 5 जोड़ी ट्रेनों का 2 मिनट का ठहराव प्रदान किया जा रहा है।

सुभासपा और भाजपा के बीच जल्द हो सकता है गठबंधन, मंत्री पद की भी संभावना

लखनऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। ओमप्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी लोकसभा चुनाव 2024 से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल हो सकती है। ओमप्रकाश राजभर या उनकी पार्टी के किसी एक सदस्य को उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल में भी शामिल किया जा सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बीच दिल्ली में हुई मुलाकात के बाद इस संबंध में सियासी कयासबाजी तेज हो गई।

बिहार की राजनीति में फिर दोहराया जाने वाला है इतिहास? सीएम नीतीश को लेकर जताई जा रही संभावना

पटना, 4 जुलाई (एजेंसियां)। आठवीं बार मुख्यमंत्री बनने वाले नीतीश कुमार एक बार फिर चक्रव्यूह में फंस गए हैं। कल तक भतीजे को आगे बढ़ाने की बात करने वाले नीतीश कुमार के सामने अब एक नई चुनौती आ गई है। करप्शन, कम्यूनलिज्म और क्राइम पर जीरो टॉलरेंस की बात करने वाले नीतीश कुमार के चक्रव्यूह में फंसने की बात हम इसलिए कह रहे हैं कि क्योंकि तेजस्वी यादव पर सीबीआई ने नौकरी के बदले जमीन लेने के मामले में आरोप पत्र दाखिल किया है। ऐसे में सवाल उठने लगे हैं कि क्या नीतीश कुमार 2017 वाला इतिहास दोहराएंगे? क्या तेज यादव से नीतीश कुमार इस्तीफा लेंगे? क्या तेजस्वी यादव को बर्खास्त किया जाएगा?

क्यों उठ रहे हैं ये सवाल?

2017 में महागठबंधन की सरकार थी तब तेजस्वी डिप्टी सीएम थे। उस समय रेलवे टेंडर घोटाला मामले में लालू परिवार के यहां जांच एजेंसियों की छापेमारी चल रही थी। तेजस्वी का भी नाम इस घोटाले में आया था। तब नीतीश ने तेजस्वी को सफाई देने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने सफाई नहीं दी। इसके बाद नीतीश ने मुख्यमंत्री पद से ही इस्तीफा दिया था। इसके बाद बिहार में महागठबंधन सरकार की चली गई थी। अब फिर से वही परिस्थिति बनती दिख रही है।

12 जुलाई को होनी है राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई

आरोप पत्र में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव का नाम आरोपी के तौर पर शामिल हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट में 12 जुलाई को सुनवाई होगी। इसी मामले में सीबीआई पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और कई अन्य के खिलाफ पहले ही आरोप पत्र दायर कर चुकी है। राज्यसभा सांसद सुशील मोदी तेजस्वी को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं। अभी तेजस्वी के पास स्वास्थ्य, नगर विकास एवं आवास समेत पांच अहम मंत्रालय हैं। बिहार में महागठबंधन में सबसे बड़ा दल आरजेडी है। उसी के समर्थन से नीतीश मुख्यमंत्री हैं। सियासी गलियारों में चर्चा इस बात की भी है कि बीते केंद्र की सियासत में जा सकते हैं और तेजस्वी को सीएम बना सकते हैं। आरजेडी में जेडीयू के विलय की भी चर्चा है। इन दिनों नीतीश अपने विधायकों सांसदों से वन टू वन मीटिंग भी कर रहे हैं। इन सब को उसी से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

2015 में नीतीश सरकार में मंत्री रहे अवधेश कुशवाहा एक स्टिंग ऑपरेशन में घूस लेते पकड़े गए थे। स्टिंग ऑपरेशन में चार लाख रुपये घूस लेते वह पकड़ाए थे।

2018 में बिहार के मुजफ्फरपुर बालिका गृह में 34 बच्चियों से हुए यौनशोषण के मामले में सीबीआई जांच के खुलासे के बाद मंत्री मंजू वर्मा को इस्तीफा देना पड़ा था।

2020 में एनडीए सरकार बनने पर मेवालाल चौधरी जो शिक्षा मंत्री बनाए गए थे उन्हें तीन दिन के अंदर इस्तीफा देना पड़ा था। वह भर्ती घोटाले में आरोपी थे। मेवालाल चौधरी पर सबौर विश्वविद्यालय का कुलपति रहते हुए नियुक्ति घोटाले में मामला दर्ज हुआ था। उनके कुलपति रहते कृषि विश्वविद्यालय में साल 2012 में सहायक प्राध्यापक और जूनियर वैज्ञानिकों की बहाली हुई थी। बताया जाता है कि उस नियुक्ति में धांधली की गई थी। 2022 में महागठबंधन सरकार में कानून मंत्री रहे कार्तिक मास्टर को भी इस्तीफा देना पड़ा था। अपहरण केस को लेकर वारंट विवाद में घिरे थे। जिस दिन उन्हें एक अपहरण केस में कोर्ट में सरेंडर करना था उसी दिन उन्होंने राजभवन पहुंच कर मंत्री पद की शपथ ले ली। इतना ही नहीं कार्तिक कोर्ट की नजर में आठ साल से फरार थे।

कई मंत्रियों से नीतीश ले चुके हैं इस्तीफा

हम (एचएएम) के संरक्षक और बिहार के पूर्व सीएम जीतन राम मांझी 2005 में नीतीश के मुख्यमंत्री बनने के बाद एनडीए सरकार में मंत्री बने थे, लेकिन मंत्री पद की शपथ लेने के कुछ ही घंटे बाद उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। 1999 में जीतन राम मांझी लालू प्रसाद की सरकार में शिक्षा राज्य मंत्री थे। उस समय एक डिग्री घोटाला हुआ था। उस घोटाले में उनका नाम आया था। इस्तीफे के बाद में वह इस मामले में आरोप मुक्त हो गए थे। तब नीतीश ने उन्हें दोबारा मंत्री बनाया था।

2008 में बिहार में सीएम नीतीश के नेतृत्व में एनडीए की सरकार चल रही थी। तब रामानंद सिंह मंत्री थे लेकिन उनको इस्तीफा देना पड़ा था। मामला साल 1990 का था तब निगरानी ब्यूरो ने उनके विरुद्ध चार्जशीट दायर की थी। एक समय आरएन सिंह मुजफ्फरपुर थर्मल पावर स्टेशन में फ्यूएल टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में काम कर रहे थे। उन पर यह आरोप था कि उन्होंने खराब क्वालिटी की पाइप की खरीदारी थर्मल पावर स्टेशन के लिए की थी। इस्तीफा देने के बाद मामले में जांच हुई। जेल गए। रिहा हुए। मामला खत्म हुआ। फिर दोबारा बिहार सरकार में मंत्री बने थे।

2011 में भी बिहार में एनडीए की सरकार थी। नीतीश मुख्यमंत्री थे व दूसरी बार एनडीए की सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। 2011 में ही कोर्ट द्वारा फरार घोषित होने के बाद मंत्री रामाधार सिंह को इस्तीफा देना पड़ा था। चुनाव के समय उन पर दंगा फैलाने का आरोप था। मामले में कोर्ट से बरी होने के बाद उन्हें दोबारा मंत्री बनाया गया था।

गिरवी जमीन, 9 लाख का कर्ज और बेटी की शादी

बेबस-लाचार किसान ने आखिर मौत को लगा लिया गले

बांदा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बांदा में कर्ज न भर पाने से परेशान किसान ने सुसाइड कर लिया। रविवार को किसान का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। परिजनों से पूछताछ में पता चला कि किसान काफी दिन से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। उसके ऊपर 9 लाख रुपये का कर्ज था। यह कर्ज उन्होंने बैंक और कुछ रिश्तेदारों से लिया था। उसने अपनी पांच बीघा जमीन को भी गिरवी रखा था। परिजनों के मुताबिक, जिस वक्त किसान ने आत्महत्या की, उस समय घर के बाकी लोग खेत गए हुए थे। किसान घर में अकेला था। मामला अतर्रा थाना के सौवां का पुरवा का है। यहां संतोष कुशवाहा अपने परिवार के साथ रहते थे। परिवार काफी गरीब था। खेत में फसल उगाकर, फिर उसे बेचकर घर का गुजारा हो पाता था।

कर्ज से परेशान था किसान

संतोष के बेटे जयकिशोर ने बताया, "पापा ने मेरी एक बहन की शादी के लिए 10 साल पहले बैंक से साढ़े तीन लाख का कर्ज लिया था। फिर भाई की शादी के लिए जमीन गिरवी रखी और रिश्तेदारों से साढ़े पांच लाख का कर्ज लिया। पापा उस कर्ज को भर नहीं पा रहे थे। अगले साल जनवरी में एक और बहन की शादी रख दी थी। लेकिन हमारे पास उधार चुकाने के लिए है पैसे नहीं थे तो उस बहन की शादी के लिए कहां से पैसे ला पाते। इसी बात से पापा परेशान थे।"

परिवार की आर्थिक सहायता की जाएगी

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर, तहसीलदार अतर्रा रामचन्द्र ने बताया कि मौके पर राजस्व टीम भेजकर जांच कराई जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता भी दी जाएगी।

31 साल की सपा, राजनीति में किसी दल के साथ नहीं टिका गठबंधन

लखनऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी गठबंधन में टूट की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों का दावा है कि आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी इस गठबंधन से अलग होकर बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हो सकते हैं। हालांकि 1992 में सपा के गठन के बाद से ही अलग-अलग पार्टियों के साथ उसके गठबंधन होते रहे हैं। लेकिन वो गठबंधन लंबे समय तक नहीं चले। 31 साल में सपा की राजनीति में किसी भी दल से गठबंधन ज्यादा दिनों तक नहीं चल सका है। सपा ने सबसे पहले 1993 में बसपा के साथ गठबंधन किया था। तब मुलायम सिंह यादव और कांशीराम एक साथ आए थे। उस समय भी ये दोनों दल बीजेपी को सत्ता में आने से रोकने के लिए एक साथ आए थे। दोनों ही दलों ने साथ मिलकर सरकार बनाई और लेकिन आपसी खटपट के कारण दो जून 1995 को बसपा ने गठबंधन से किनारा कर लिया। इसके बाद 2003 में बीजेपी और बसपा का गठबंधन टूटा, तब अगस्त 2003 में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने और बहुमत का दावा पेश किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, इसके बाद बहुमत पेश करने का वक्त आया तो सपा की संख्या कम पड़ी। लेकिन बीजेपी ने उन्हें समर्थन दिया था। हालांकि ये गठबंधन भी लंबे वक्त तक नहीं चला था।

मोदी लहर में टूटा गठबंधन

2014 में जब मोदी लहर चली तो लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने राज्य में बड़ी जीत दर्ज की। इसके बाद विधानसभा चुनाव के वक्त अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा ने चुनाव लड़ा। इस चुनाव में सपा ने कांग्रेस से गठबंधन किया। हालांकि इस गठबंधन में सपा की अब तक की सबसे बड़ी हार हुई। सपा ने 2012 में 224 सीटें जीती थीं लेकिन इस बार केवल 47 सीट मिली थी। जबकि दूसरी ओर कांग्रेस ने 2012 में 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि 2017 में पार्टी को यूपी में केवल सात सीटों पर जीत मिली। हालांकि ये गठबंधन भी टूट गया। जिसके बाद लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सपा और बसपा दूसरी बार एक साथ आए। दोनों ही दलों ने मिलकर फिर से बीजेपी के खिलाफ लोकसभा चुनाव में मोर्चा बनाया। हालांकि इस चुनाव में भी सपा और बसपा गठबंधन को बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। तब बसपा को 10 और सपा को पांच सीटों पर जीत मिली थी। कुछ ही दिनों के बाद ये गठबंधन भी टूट गया। इसके बाद यूपी विधानसभा चुनाव में सपा ने नया गठबंधन बनाया। प्रसपा, सुभासपा, रालोद और महान दल का सपा के साथ विधानसभा चुनाव से ठीक पहले गठबंधन हुआ। इस गठबंधन का कुछ फायदा सपा को मिला लेकिन फिर भी चुनाव में पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा। सपा गठबंधन को केवल 125 सीटों पर जीत मिली, जिसमें सपा केवल 111 सीटें जीत सकें। बीजेपी गठबंधन ने 273 सीटों पर जीत दर्ज की।

सिर पर खतरा भांप अलग-अलग फरारी काट रहीं शाइस्ता परवीन-जैनब फातिमा

प्रयागराज, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड को हुए चार महीने गुजर चुके हैं। 24 फरवरी को हुए इस हत्याकांड में उमेश पाल सहित उनके दो गनर को दिनदहाड़े अतीक के शूटरों ने गोलियों से भून दिया था। इस हत्याकांड के बाद कानून-व्यवस्था को लेकर योगी सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। विपक्ष को हमलावर होते देख एक्शन में आई योगी सरकार ने पुलिस को जल्द से जल्द हत्यारों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दे दिया। नतीजा ये रहा है कि पुलिस की टीम 24 घंटे हत्यारों की तलाश में खाक छानने लगी। एक-एक कर पुलिस ने अतीक के बेटे सहित चार शूटरों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया, जिनमें शूटर विजय चौधरी उर्फ उस्मान, शूटर गुलाम, अतीक का बेटा असद और एक अन्य हत्यारा भी था। जिस दिन अतीक के बेटे का एनकाउंटर हुआ, उसके दूसरे दिन पुलिस हिरासत में मेडिकल के लिए अस्पताल जा रहे अतीक अहमद और उसके छोटे भाई अशरफ को भी गोलियों से भून दिया गया। हालांकि उमेश पाल हत्याकांड में शामिल अतीक के अन्य शूटर गुड्डू मुस्लिम और साबिर सहित अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा फरार चल रही हैं। फरारी काट रहीं शाइस्ता और जैनब अब तक हाथ नहीं लगी हैं। अब इस पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं कि आखिर ये दोनों पकड़ में क्यों नहीं आ रही हैं? इसी सवाल को लेकर टीवी9 ने बात की यूपी के दो पूर्व पुलिस महानिदेशकों सहित कई उन एनकाउंटर स्पेशलिस्टों से, जिनके नाम से किसी जमाने में अतीक और अशरफ जैसे माफियाओं के होश फाख्ता हुआ करते थे।

मंत्री सुरेंद्र यादव की हत्या करने पर 11 करोड़ के इनाम की घोषणा

सोशल मीडिया पोस्ट के बाद एफआईआर दर्ज

गया, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के सहकारिता मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव की हत्या के लिए 11 करोड़ रुपये के इनाम का ऑफर का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर डाला गया है। इस तरह के पोस्ट के बाद सहकारिता मंत्री ने गया के रामपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामले में 66 आईटी एक्ट और धारा 115 और 120 बी के तहत रामपुर थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं मंत्री ने एसएसपी गया को आवेदन देकर जानमाल की रक्षा की गुहार लगाई है। रामपुर थाना में दर्ज कराई प्राथमिकी: मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव ने गया के रामपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। वहीं एसएसपी को भी इस संबंध में आवेदन प्रेषित किया है। एसएसपी को भेजे गए आवेदन में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला गया है, जिसमें उन्हें इंगित करते हुए कहा गया है कि मुझे मारने वाले को 110000000 की राशि का इनाम दिया जाएगा। इस तरह के पोस्ट से उन्हें हत्या की आशंका है। कुछ अपराधी जाति आधार का नाम लेकर गैंग से मिलकर घटना करने की फिराक में रहते हैं। मेरे ऊपर 11 करोड़ का इनाम रखा है। जिसमें कहा गया है कि जो सुरेंद्र प्रसाद यादव का सिर काटकर जो लाएगा, उसे 11 करोड का इनाम दिया जाएगा। इस संबंध में मेरे द्वारा गया एसएसपी को लिखा गया है। इस तरह का पोस्ट से उन्हें हत्या की आशंका है। वहीं, परिवार और साथ में रहने वाले लोगों को भी जान का खतरा है- **सुरेंद्र प्रसाद यादव, सहकारिता मंत्री, बिहार सरकार**

मंत्री सुरेंद्र यादव का आवेदन

गया के दो सांसद की पूर्व में हत्या हो चुकी है। ईश्वर चौधरी और राजेश कुमार की हत्या उपद्रवियों के द्वारा की जा चुकी है और अब मेरे खिलाफ ऐसे लोग साजिश रच रहे हैं। पोस्ट किए गए वीडियो को विलोपित करते हुए कठोर कार्रवाई की जाए। वैसे यह मामला बीते महीने का बताया जा रहा है और बीते महीने में ही इस संबंध में एसएसपी से शिकायत की गई थी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

क्या लिखा है पोस्ट में?

क्षत्रिय सेवा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनवंत सिंह राठौर ने अपने पोस्ट में लिखा है, 'जो व्यक्ति इस कृत्य (सुरेंद्र प्रसाद यादव की हत्या) को अंजाम देगा, उसे 11 करोड़ रुपये की राशि इनाम स्वरुप दी जाएगी।'

थानाध्यक्ष ने क्या कहा?

रामपुर थानाध्यक्ष रवि कुमार ने इस संबंध में बताया कि बिहार सरकार के मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव को धमकी दी गई है। मंत्री का सिर काट कर लाने वाले को 11 करोड़ का इनाम देने की बात का एक वीडियो पोस्ट सोशल मीडिया पर किया गया है। पोस्ट करने वाला व्यक्ति क्षत्रीय सेवा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धनवंत सिंह राठौर के रूप में नाम सामने आ रहा है। जल्द ही इस तरह का पोस्ट करने के वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री की शिकायत पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन की जा रही है। धनवंत सिंह राठौर जोकि पटना का रहने वाला है, उसके द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट डाला गया है। क्षत्रिय समाज का नेता बताया जाता है। वह पहले भी जेल जा चुका है। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है

आदिवासी क्षेत्रों को यूसीसी के दायरे से रखा जा सकता है बाहर

विधि आयोग को अबतक मिल चुके हैं 19 लाख सुझाव

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर राज्यों समेत देश के कुछ हिस्सों में आदिवासी समूहों को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे से बाहर रखने पर विचार किया जा सकता है। भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी ने सोमवार को अपनी अध्यक्षता वाली कानून व न्याय संबंधित संसदीय समिति की बैठक में यह विचार रखा। इस बैठक में यूसीसी के स्वरूप को लेकर शुरूआती चर्चा करते हुए उनकी राय ली गई। बैठक में विभिन्न दलों के 17 सांसद एवं विधि आयोग के सदस्य शामिल थे। सबकी राय के आधार पर रिपोर्ट तैयार होगी, जिसे संसद में पेश किया जाएगा।

बसपा एवं शिवसेना उद्धव गुट ने यूसीसी का किया समर्थन

विधि आयोग के प्रतिनिधियों ने बताया कि अब तक यूसीसी पर 19 लाख सुझाव मिल चुके हैं। अंतिम तिथि 13 जुलाई तक यह संख्या लगभग 25 लाख तक पहुंच जाने की उम्मीद है। सुशील मोदी ने अपने सुझाव में पूर्वोत्तर एवं अन्य आदिवासी क्षेत्रों को प्रस्तावित यूसीसी के दायरे से अलग रखने की बात करते हुए कहा कि सभी कानूनों में अपवाद होते हैं।

देश में पहले से भी कई कानून हैं, जिनमें उन्हें कुछ रियायत मिली हुई है। कई कानून ऐसे भी हैं, जिनमें पूर्वोत्तर राज्यों में की सहमति के बिना वहां लागू नहीं होते है। बैठक में तृणमूल कांग्रेस का कोई सदस्य नहीं आया, जबकि कांग्रेस एवं डीएमके समेत विपक्ष के कुछ सदस्यों ने प्रस्तावित यूसीसी को चुनावी फायदे के लिए बताया और कहा कि इस विवादित विषय पर विमर्श का अभी यह उचित समय नहीं है। बसपा एवं शिवसेना उद्धव गुट ने यूसीसी का समर्थन किया। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भी विरोध नहीं किया, लेकिन समर्थन भी नहीं किया। शिवसेना के संजय राउत ने कहा कि कई देशों में यह कानून है। विभिन्न समुदायों एवं क्षेत्रों की व्यापक चिंता एवं विमर्श के बाद ही इसपर विचार किया जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा एवं डीएमके सांसद पी विल्सन ने अपने लिखित बयान में यूसीसी पर सुझाव आमंत्रित करने के लिए विधि आयोग के कदम पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि पिछले आयोग ने यूसीसी को जरूरी नहीं बताया था।

रिपोर्ट पर बनेगा कानून का नया फ्रेमवर्क

यूसीसी पर बने पिछले आयोग को 75 हजार सुझाव मिले थे, जिसके आधार पर एक रिपोर्ट तैयार भी कर ली गई थी। उसमें कई तरह की विसंगतियों का जिक्र किया गया था,

जिसके बाद महसूस किया गया कि यूसीसी पर नए तरीके से विचार किया जाए। अब नए सुझावों के आधार पर विधि आयोग अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार के पास अनुशंसा करेगा, जिसे कानून का रूप देने के लिए संसद में पेश किया जाएगा। इसके पहले जरूरत पड़ी तो संसदीय समिति की और बैठकें भी हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 जून को मध्य प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यूसीसी का संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि अलग-अलग नियमों से परिवार नहीं चलता। उसी तरह दोहरी कानून व्यवस्था से देश नहीं चल सकता। हमारा संविधान भी सबको समान अधिकार की गारंटी देता है।

कर्नाटक में चुनावी वादों को पूरा करने में कांग्रेस सरकार रही असमर्थ

विधानसभा में विरोध प्रदर्शन करेगी बीजेपी

बेंगलुरु, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में भाजपा चुनावी वादों को पूरा करने में कांग्रेस सरकार की विफलता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस द्वारा किए गए पांच चुनावी वादों के कार्यान्वयन में देरी को लेकर बीजेपी 14 जुलाई तक विधानसभा के अंदर और बाहर एक साथ आंदोलन करेगी। एक तरफ भाजपा विधायक दल विधानसभा के अंदर प्रदर्शन करेगा तो वहीं दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, बसवराज बोम्मई, डीवी सदानंद गौड़ा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कतील फ्रीडम पार्क में धरना देंगे।

हंगामेदार रह सकता है विधानसभा सत्र

अगर भाजपा विरोध प्रदर्शन जारी रखती है तो विधानसभा सत्र का दूसरा दिन हंगामेदार रहने की उम्मीद है। भगवा पार्टी विशेष रूप से 'अन्न भाग्य' योजना के कार्यान्वयन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साध रही है। अन्न भाग्य योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवारों को 5 किलो अनाज प्रदान करती है। आवश्यक मात्रा में चावल की अनुपलब्धता के कारण, सिद्धारमैया सरकार ने प्रत्येक लाभार्थी के बैंक खातों में 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से पैसा जमा करने का निर्णय लिया है।

इन योजनाओं की होगी शुरुआत

भारतीय खाद्य निगम ने पिछले महीने केंद्र सरकार के आदेश के कारण राज्यों को सीधे चावल बेचना बंद कर दिया था। महिलाओं के लिए गैर-लक्जरी बसों में मुफ्त यात्रा की पेशकश करने वाली 'शक्ति' योजना पहले ही शुरू की जा चुकी है। एपीएल/बीपीएल राशन कार्ड धारक परिवारों की महिला मुखिया को 2,000 रुपये प्रति माह देने की 'गृह लक्ष्मी' योजना अगस्त में लागू की जाएगी। 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली का वादा करने वाली गृह ज्योति योजना का लाभ अगस्त से बिलों में दिखना शुरू हो जाएगा। इसी तरह, युवा निधि योजना के तहत बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपये प्रति माह और 2022-23 में उत्तीर्ण डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपये देने की योजना जल्द ही शुरू की जाएगी।

कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,468 हुई

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 26 नए मामले सामने आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या 4,49,94,351 हो गई है। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,468 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से अभी तक 5,31,908 लोगों की मौत हुई है। अभी तक कुल 4,44,60,975 लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं और मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98।81 प्रतिशत है। वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1।18 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220,67,39,897 खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। पिछले साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार चले गए थे।

डीईआरसी चेयरमैन के शपथ ग्रहण पर अगली सुनवाई तक लगाई गई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एलजी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी में दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेग्युलेट्री कमीशन (डीईआरसी) चेयरमैन की नियुक्ति को लेकर विवाद लगातार जारी है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई हुई, जिसके बाद फिलहाल दिल्ली में डीईआरसी अध्यक्ष के शपथ पर रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और दिल्ली के एलजी को नोटिस जारी किया है, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई 11 जुलाई को होगी। तब तक शपथ ग्रहण पर रोक जारी रहेगी। दिल्ली सरकार के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने 7 जुलाई को होने जा रहे शपथ ग्रहण कार्यक्रम पर रोक लगाने की मांग की थी।

क्या है दिल्ली सरकार का तर्क

इस मामले में दिल्ली सरकार की दलील है कि एलजी ने अपनी तरफ से जस्टिस उमेश कुमार को इस पद पर नियुक्त कर दिया है। यह नियुक्ति लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार के कामकाज में सीधा दखल है। दिल्ली सरकार के लिए पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने जनवरी में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व जज राजीव कुमार श्रीवास्तव को इस पद पर नियुक्त करने का प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास भेजा था। लेकिन उन्होंने नियुक्ति का आदेश जारी नहीं किया। 15 जून को जस्टिस श्रीवास्तव ने इस पद के लिए असमर्थता जता दी। इसके बाद एलजी ने जस्टिस उमेश कुमार की नियुक्ति का गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया। दिल्ली सरकार ने कहा कि केंद्र ने 19 मई को अध्यादेश लाकर जीएनसीटीडी एक्ट में बदलाव कर दिया है। बदले हुए एक्ट की धारा 45-डी के तहत यह नियुक्ति की गई है। सिंघवी की मांग थी कि कोर्ट इस नियुक्ति की वैधानिकता पर सुनवाई करे। तब तक 7 जुलाई को होने जा रहे डीईआरसी अध्यक्ष के शपथ ग्रहण कार्यक्रम पर रोक लगा दी जाए।

मुफ्त बिजली बंद करने की साजिश

सिंघवी ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार लोगों के प्रति जवाबदेह है। उसने लोगों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी है। अपना डीईआरसी अध्यक्ष बना कर एलजी मुफ्त बिजली बंद करना चाहते हैं। एलजी कार्यालय के लिए पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने इसे आधारहीन बयान बताते हुए विरोध किया। मेहता ने कहा कि जस्टिस उमेश कुमार की नियुक्ति के मामले में दिल्ली सरकार को पूरी जानकारी थी।

एलजी दफ्तर की तरफ से दिया गया जवाब

तुषार मेहता ने कहा कि जब सरकार के पूछने पर जस्टिस उमेश कुमार ने 26 जून को शपथ ग्रहण के लिए सहमति दे दी, तब इन्होंने याचिका दाखिल कर दी। एक पूर्व जज के साथ ऐसा खेल अशोभनीय है। सॉलिसीटर जनरल ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार केंद्र के अध्यादेश को चुनौती देना चाहती है। उससे पहले उसके एक हिस्से (सेक्शन 45-डी) के आधार पर जारी आदेश के अमल पर रोक हासिल कर तैयारी कर रही है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पी एस नरसिम्हा की बेंच ने माना कि मामले को आगे सुने जाने की जरूरत है। जजों ने मंगलवार, 11 जुलाई को अगली सुनवाई की बात कहते हुए केंद्र सरकार और एलजी कार्यालय को नोटिस जारी कर दिया। कोर्ट ने साफ किया कि तब तक डीईआरसी अध्यक्ष का शपथ ग्रहण रुका रहेगा।

पैसे ने बनाया हैवान

सिर्फ 50 हजार रुपए में पत्नी और 4 साल के मासूम को बेचा, अरेस्ट

कोलकाता, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पैसों के लिए अपनी पत्नी और चार साल के बच्चे को बेचने का आरोप पति पर लगा है। इस आरोप में फालाकाटा पुलिस ने अलीपुरद्वार जिले के फालाकाटा थाना अंतर्गत उमाचरणपुर इलाके के निवासी नूर हुसैन नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक उस पर अपनी पत्नी और बेटे को बेचने का आरोप है। मालूम हो कि 11 साल पहले थाना इलाके की रहने वाली लवली खातून की शादी फालाकाटा के उमाचरणपुर इलाके के रहने वाले नूर हुसैन से हुई थी। शादी को 11 साल बीत गए। अब उनके परिवार में एक बेटी और दो बेटे हैं। 25 जून को एक बेटी और एक बेटे को घर पर छोड़कर नूर हुसैन अपनी पत्नी लवली और 4 साल के बेटे के साथ दिल्लीके लिए रवाना हुए। 5 दिन बाद नूर हुसैन एक घर में लौट आया लेकिन लवली और अपने 4 साल के बेटा उसके साथ नहीं थे। जब पत्नी और बेटे के बारे में पूछा गया तो नूर साफ ढंग से यह नहीं बताया कि उसकी पत्नी और बेटे कहां हैं। पत्नी और बेटे के लापात होने की खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल गई। इसके बाद घटना की खबर लवली के पिता के घर गयी। पिछले तीन दिनों से नूर हुसैन से उसके परिवार वाले लवली और उसके बेटे के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। कई बार पूछताछ के बाद भी नूर यह नहीं बताया कि पत्नी और बच्चा कहां है। इसके बाद उन्हें नूर पर शक हो गया। पुलिस के मुताबिक, दोनों के बीच कई सालों से आर्थिक मुद्दों को लेकर विवाद चल रहा था।

महाराष्ट्रः नाबालिग से बदसलूकी करने के आरोप में एक कांस्टेबल सहित पांच गिरफ्तार

चंद्रपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में एक नाबालिग लड़की का अपहरण करने और उससे बदसलूकी करने के आरोप में एक कांस्टेबल तथा चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चंद्रपुर जिले के पुलिस अधीक्षक रवींद्र सिंह परदेशी ने रविवार को हुई घटना को गंभीरता से लिया और पुलिस की सी-60 इकाई से संबद्ध कांस्टेबल को सोमवार को निलंबित कर दिया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मी और उसके दोस्त पार्टी के लिए यहां ममला गए थे। वापस लौटते समय उन्होंने ममला रोड पर एक नाबालिग लड़की और दो जोड़ों को बैठे देखा। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने कथित तौर पर जोड़ों को धमकाया और लड़की को जबरदस्ती अपने वाहन में बैठाया। इसके बाद उसे जाने दिया। उन्होंने लड़की से कहा कि अगर उसने उनके साथ जाने से इनकार किया तो वे उसके खिलाफ मामला दर्ज करा देंगे।

वीजा धोखाधड़ी के मामले में सीबीआई ने दो जोड़ों के खिलाफ मामला दर्ज किया

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस दूतावास की ओर से वीजा धोखाधड़ी की शिकायत पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में आरोपी दो दंपति हैं। फ्रांसीसी वीजा सेवा द्वारा कथित पासपोर्ट धोखाधड़ी की शिकायत पर सीबीआई ने पासपोर्ट अधिनियम के तहत दो जोड़ों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले में दर्ज एक प्रथम सूचना रिपोर्ट में कहा गया है कि नई दिल्ली और जालंधर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालयों की ओर से पासपोर्ट जारी करने में कथित धांधली की गई।जानकारी में आगे बताया गया कि पंजाब के जालंधर निवासी सिमल सिंह और उनकी पत्नी मंजीत कौर ने वर्ष 2020 में आरपीओ, जालंधर से अपने नाबालिग बेटे के नाम से पासपोर्ट प्राप्त किया था जो नवंबर 2023 तक वैध था। यह भी पता चला है कि सिमल सिंह और मंजीत ने अपने बेटे के लिए दूसरा पासपोर्ट प्राप्त करने के लिए साजिश रची थी। साजिश को अंजाम देने के लिए उन्होंने 28 जनवरी 2010 को कथित तौर पर नगर निगम फरीदाबाद द्वारा जारी एक फर्जी/जाली जन्म प्रमाण पत्र तैयार किया। इस जालसाजी को अंजाम तक पहुंचाने के लिए नई दिल्ली में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय में 13 जनवरी 2022 को एक आवेदन प्रस्तुत किया गया था जिसमें फर्जी हस्ताक्षर किए। आवेदन के समर्थन में फर्जी हलफनामा भी दिया गया। दूतावास अधिकारियों को शक होने पर इसकी छानबीन की जिसमें फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'फ्रांस के दूतावास ने धोखाधड़ी का पता लगाने और एजेंसी को सूचित करने के बाद, दो जोड़ों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धोखाधड़ी, जालसाजी आपराधिक साजिश और पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है,

पुलिस दबिश में देह व्यापर करने वाली 7 गिरफ्तार

शिवपुरी, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में पुलिस ने रेड लाइट एरिया में दबिश देकर देह व्यापार में शामिल 7 युवतियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 4 पुरुष ग्राहकों को भी धर दबोचा है। पुलिस ने सभी के खिलाफ अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बता दे की देह व्यापार पर प्रतिबंध लगाने के बाद भी शहर के पुरानी शिवपुरी क्षेत्र में अवैध रूप से देह व्यापार का कारोबार चलाया जा रहा था। गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस ने बड़ी सूझ बुझ के साथ दबिश देकर 4 ग्राहक पुरुष और देह व्यापार के कारोबार में शामिल 7 युवतियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दबिश दे कर सभी को थाने लेकर आई और उनके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बताया गया की प्रतिबंध के बाद भी अवैध रूप से देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा था। पुलिस को कई दिनों से इसकी शिकायत मिल रही थी। पुलिस ने छापा मारकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

राज्य पुलिस सेवा के 14 अधिकारी बने आईपीएस, गृह मंत्रालय ने जारी किया नोटिफिकेशन

भोपाल, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने मध्य प्रदेश राज्य पुलिस सेवा के 14 अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अवॉर्ड किया है। इनमें से आठ अधिकारियों को वर्ष 2021 और छह अधिकारियों को वर्ष 2022 की चयन सूची में रखा गया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। इससे पहले भारत सरकार ने राज्य प्रशासनिक सेवा के 27 अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईपीएस) अवॉर्ड किया था। गृह मंत्रालय के नोटिफिकेशन के अनुसार 2021 की चयन सूची में मनीष खत्री, सुनील कुमार मेहता, वीरेंद्र जैन, देवेंद्र कुमार पाटीदार, रायसिंह नरवरिया, रामशरण प्रजापति, सुंदर सिंह कानेष और राजेश व्यास को जगह मिली है। वहीं, विनोद कुमार सिंह, पद्म विलोचन शुक्ला, सुधीर कुमार अग्रवाल, पंकज कुमार पांडेय, अजय पांडेय और डॉ। संजय कुमार अग्रवाल को 2022 की चयन सूची में जगह दी गई है।

मद्रास एचसी ने सेंथिल बालाजी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनाया खंडित फैसला, बड़ी बेंच में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी की पत्नी द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर खंडित फैसला सुनाया है। अब यह याचिका बड़ी बेंच को ट्रांसफर की जाएगी। दरअसल, नकदी के बदले नौकरी मामले में सेंथिल बालाजी ईडी की हिरासत में हैं। नौकरी के बदले नकदी मामले में गिरफ्तार तमिलनाडु सरकार के मंत्री सेंथिल बालाजी की पत्नी ने मद्रास हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। इस याचिका पर मंगलवार को मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इसके बाद कोर्ट की ओर से इस पर खंडित फैसला सुनाया गया है। अब इस याचिका को बड़ी बेंच को भेजा जाएगा। गौरतलब है कि सेंथिल बालाजी 14 जून से ईडी की हिरासत में हैं। इससे पहले 27 जून को हुई सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मंगलवार को मद्रास हाईकोर्ट में ईडी की ओर से बहस की थी। उस दौरान तुषार मेहता ने कहा कि सेंथिल बालाजी के पक्ष में यह याचिका सुनवाई के योग्य ही नहीं है, क्योंकि सीआरपीसी में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा है कि वो इस मामले को जल्द से जल्द तीन न्यायाधीशों के समक्ष रखें और याचिका पर नई पीठ द्वारा शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। एस मेगाला ने अपने पति सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं। गिरफ्तारी के बाद सेंथिल बालाजी के छाती में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन 15 जून को मद्रास हाईकोर्ट ने सेंथिल बालाजी को निजी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया था।

मोदी मंत्रिमंडल में बदले जा सकते हैं यूपी कोटे के केंद्रीय मंत्री, किनके नाम सबसे आगे

लखनऊ, 4 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक हुई, जिसमें चुनाव को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। वहीं इन सब के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल में विस्तार को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। बीजेपी की नजर यूपी पर है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगर मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार होता है तो फिर यूपी को तरजीह दी जाएगी। केंद्र में यूपी कोटे में भी बदलाव तय है। लोकसभा चुनाव को देखते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार को बेहद अहम माना जा रहा है। मोदी मंत्रिमंडल में फिलहाल विस्तार की ज्यादा गुंजाइश नहीं है ऐसे में कुछ मंत्रियों को बाहर करने के बाद नए चेहरों को एंट्री दी जा सकती है। यूपी कोटे से अगर मंत्रियों की छंटनी की जाती है तो फिर बीजेपी दलित, ओबीसी और ब्राह्मण चेहरे पर दांव चल सकती है। ऐसे में मौजूदा मंत्रियों के सिर पर खतरे की तलवार लटक रही है।

इन चेहरों को मिल सकता है मौका

उत्तर प्रदेश से महेंद्र नाथ पांडेय, अजय मिश्र टेनी समेत 4 मंत्रियों की कुर्सी खतरे में है। पांडेय का विभाग भारी उद्योग पर शिवसेना का दावा रहा है। यूपी कोटे से संजीव बालियान का कद बढ़ाया जा सकता है। पांडेय और टेनी का पत्ता कटता है, तो उनकी जगह ब्राह्मणों को साधने के लिए लक्ष्मीकांत वाजपेयी या हरीश द्विवेदी को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वाजपेयी और द्विवेदी दोनों अभी राष्ट्रीय संगठन में कार्यरत हैं।

जातीय समीकरण पर जोर

बीजेपी में यूपी कोटे से पिछड़े वर्ग के कई चेहरे शामिल हैं। माना जा रहा है कि जातीय समीकरण को प्रभावित किए बिना चेहरा बदला जा सकता है। इसके अलावा किसी दलित चेहरे को जगह मिल सकती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल ब्राह्मण चेहरों को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं की जा रही हैं। इन चेहरों में बदलाव किया गया तो फिर किसी युवा चेहरे को मौका दिया जा सकता है। आगामी चुनाव की तैयारी को देखते हुए मोदी 2।0 का ये अंतिम विस्तार है। लोकसभा चुनाव से पहले इस साल के अंत तक मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। माना जा रहा है नए बदलाव में इन राज्यों को भी हिस्सेदारी दी जा सकती है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही ये बदलाव किए जा सकते हैं।

अतीक- अशरफ की हत्या से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई, 14 जुलाई तक टला मामला

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर-राजनेता अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या और यूपी में मुठभेड़ों की स्वतंत्र जांच से जुड़ी दो याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कहा, फिलहाल हम व्यक्तिगत मुद्दों पर गौर करने के बजाये इस पर ध्यान दे रहे हैं कि क्या इसमें कोई व्यवस्थागत दिक्कत है। साथ ही, इन पर सुनवाई 14 जुलाई तक टाल दी। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ के सामने आई इन दो याचिकाओं में से एक अतीक की बहन आयशा नूरी की तरफ से दाखिल की गई है। इसमें दोनों भाइयों की हिरासत में हत्याओं की जांच के लिए एक

सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोग गठित करने की मांग की गई है। वहीं, दूसरी जनहित याचिका राज्य में मुठभेड़ों की स्वतंत्र जांच के लिए वकील विशाल तिवारी की तरफ से दाखिल की गई थी। वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान पीठ को बताया कि राज्य सरकार ने एक दिन पहले ही विस्तृत स्थिति रिपोर्ट पेश की है। अदालत स्थिति रिपोर्ट पर गौर कर सकती है और मामले को सुनवाई के लिए तारीख तय कर सकती है। 30 जून को दायर अपनी स्थिति रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा है कि वह अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की मौत की गहन, निष्पक्ष और समय पर जांच सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि घटना के बाद गठित न्यायिक आयोग को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए और तीन महीने का समय दिया गया है।

मुठभेड़ की जांच के लिए आयोग को दो माह अतिरिक्त समय

प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल व उनके दो सरकारी गनरों की हत्या करने वाले चार शूटरों के पुलिस मुठभेड़ में मारे जाने के मामले की जांच कर रहे न्यायिक आयोग को राज्य सरकार ने दो माह का अतिरिक्त समय दिया है। दो सदस्यीय आयोग अपनी रिपोर्ट अगस्त माह के अंतिम हफ्ते में राज्य सरकार का सौंप सकता है। गृह विभाग ने हाल ही में इसका आदेश जारी किया है। प्रयागराज में 24 फरवरी को उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनरों की माफिया अतीक अहमद के बेटे असद व शूटरों ने ताबड़तोड़ गोलियां और बम बरसाकर हत्या कर दी थी। प्रयागराज पुलिस ने छह मार्च को वारदात में शामिल शूटर अरबाज और विजय चौधरी उर्फ उस्मान को मुठभेड़ में ढेर कर दिया था। एसटीएफ ने 13 अप्रैल को झांसी के बड़ागांव क्षेत्र में अतीक के बेटे असद व शूटर मोहम्मद गुलाम को मुठभेड़ में मार गिराया था।

तीनों हत्या के आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ाई

जिला न्यायालय ने माफिया अतीक और अशरफ की हत्या के तीनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन के लिए बढ़ा दी है। आरोपी लवलेश तिवारी, शनि सिंह और अरुण मौर्य को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। जिला शासकीय अधिवक्ता गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि मामले में अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 5 जुलाई- 2023

ओबामा पहले अमेरिका के गिरेबान में झांक कर देखें !

श्रवण गर्ग

दुनिया के सबसे बड़े सम्मान नोबेल शांति पुरस्कार से पुरस्कृत और अमेरिका जैसे ताकतवर मुल्क के राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा को बारह हज़ार किलोमीटर की दूरी पर बैठकर भारत के हिंदू-मुसलिम मामले में पड़ने से बचना चाहिए। अमेरिका के किसी अन्य तत्कालीन अथवा पूर्व राष्ट्रपति ने इस संवेदनशील मुद्दे पर वैसा हस्तक्षेप नहीं किया जैसा 'फ्रेंड ओबामा' 2014 के बाद से कर रहे हैं। वे भारत की यात्रा पर आते हैं तब भी नहीं चूकते और अपने देश में बैठे-बैठे भी उन्हें चैन नहीं मिलता।

भारत का हिंदू-मुसलिम मामला उतना गंभीर नहीं है जितना ओबामा बनाना चाहते हैं या अमेरिका में डॉनल्ड ट्रम्प और उनकी रिपब्लिकन पार्टी ने वहाँ के गोर-सवर्णों और तमाम अश्वेतों ,जिनमें कि मुसलिम भी शामिल हैं, के बीच बना रखा है। ट्रम्प समर्थक सवर्ण तो अब अपनी ही संसद पर हमले भी कर रहे हैं और ओबामा उन्हें रोक नहीं पा रहे हैं ! ओबामा जानते होंगे कि जितनी आबादी (24 करोड़) उनके देश में गोरे सवर्णों की है लगभग उतने भारत में मुसलमान हैं। भारत की हिन्दू-मुसलिम समस्या अमेरिका की तरह का कोई स्थायी विभाजन नहीं है।

एक कट्टर हिंदूवादी पार्टी के पिछले नौ सालों से सत्ता में होने के बावजूद ऐसा संभव नहीं हो पाया है। मौजूदा सरकार की दिल्ली से बिदाई के साथ सारा हिंदू-मुस्लिम तूफ़ान शांत भी हो जाएगा। यह काम देश की जनता बिना ओबामा की मदद के संपन्न कर लेगी। उसे पता है कि 2014 के पहले यह समस्या इतनी चिंताजनक कभी नहीं रही। गुजरात के 2002 के दुर्भाग्यपूर्ण एपिसोड को छोड़ दें तो अटलजी जी के नेतृत्व वाली एनडीए की (1999 से 2004) हुकूमत के दौरान भारत के अल्पसंख्यक अपने आप को कांग्रेस के ज़माने से ज़्यादा सुरक्षित महसूस करते थे। ओबामा को समझाया जाना चाहिए कि मोदी-शाह-योगी भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा नहीं हैं। भारत की मूल आत्मा सर्वधर्म समभाव की है और यही राष्ट्र का स्थायी चरित्र है। ऐसा नहीं होता तो सवा दो सौ सालों (1526-1761) में मुग़ल शासक भारत को एक इस्लामी राष्ट्र, अंग्रेज लगभग सौ सालों (1858-1947) में ईसाई राष्ट्र और संघ पिछले सौ सालों (1925-2023) में हिंदू राष्ट्र बनाने में कामयाब हो जाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हिंदू राष्ट्र की स्थापना की कल्पना हिंदू बहुसंख्यकवाद की ताक़त के बल पर अपने आप को सत्ता में बनाये रखने का एक साधन मात्र है।संघ का साध्य भिन्न है। ओबामा अगर हिंदू राष्ट्रवाद के कारण भारत के टूटने के भय से परेशान हैं तो उन्हें सबसे पहले 2024 के अमेरिकी चुनावों में ट्रम्प की सत्ता में वापसी को रोककर दिखाना चाहिए।

ओबामा जानते हैं कि 2017 में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के तत्काल बाद किस तरह ट्रम्प ने कुछ मुसलिम मुल्कों के नागरिकों के अमेरिका प्रवेश पर रोक लगाई थी। ट्रम्प फिर से सत्ता में आ गए तो मुसलिमों ही नहीं सभी ग़ैर-सवर्णों का अमेरिका में जीना दूभर कर देंगे।

एक ऐसे समय जब मोदी अपनी पहली राजकीय यात्रा पर उनके देश में थे और उनकी ही पार्टी के नेता-राष्ट्रपति और किसी समय उनके ही उपराष्ट्रपति रह चुके बाइडन के साथ चर्चा में भारत की लोकतंत्र और धार्मिक स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्धता ज़ाहिर कर रहे थे, ओबामा की टेलीविज़न-साक्षात्कार टिप्पणी भारतीय प्रधानमंत्री के साथ एक अन्यायपूर्ण कृत्य था। ओबामा ने बजाय ऐसा करने कि वे बाइडन के साथ हुई संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में लोकतंत्र और धार्मिक स्वतंत्रता के सवाल पर मोदी द्वारा दिए गए जवाब की तारीफ़ करते, उन्होंने जो कुछ कहा उसे अमेरिका में रहने वाले पचास लाख भारतीय मूल के नागरिकों ने सम्मान के साथ स्वीकार नहीं किया होगा।

अमेरिकी चैनल सीएनएन के साथ इंटरव्यू में ओबामा ने कहा :'अगर मैं प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करता, जिन्हें मैं अच्छी तरह से जानता हूँ, तो उनसे कहता कि अगर वे भारत में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा नहीं करेंगे तो ऐसी आशंका है कि किसी बिंदु पर आकर भारत टूट सकता है। बाइडन और मोदी की मुलाक़ात में भारत के मुसलिम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर बात होना चाहिए।

हमने देखा है कि जब आंतरिक संघर्ष बढ़ेगा तो वह न भारत के मुसलमानों के हित में होगा और न भारत के हिंदुओं के हित में।'भारत में धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दे पर ओबामा ने पहली बार कुछ कहा हो ऐसा नहीं है। पद पर रहते हुए जब वे 2015 में जब वे भारत यात्रा पर आये थे तब भी स्वदेश रवाना होने से ठीक पहले और राष्ट्रपति का पद छोड़ने के बाद 2017 में जब एक मीडिया प्रतिष्ठान के कॉनक्लेव में भाग लेने आये थे तब भी भारत में धार्मिक आज़ादी को लेकर उन्होंने चौकनेवाली टिप्पणियाँ कीं थीं। ओबामा के कार्यकाल (2009-2017) के दौरान मोदी ने अमेरिका की तीन बार यात्राएँ कीं थीं।

पहली सितंबर 2014 में और दो साल 2016 में। अमेरिकी प्रशासन ने उन्हें एक बार भी राजकीय अतिथि बनने का सम्मान नहीं प्रदान किया।इसके उलट ,2009 में सत्ता में आते ही उन्होंने डॉ मनमोहन सिंह को अपना पहला राजकीय अतिथि बनाया था।

मैं डॉ सिंह के साथ तब अमेरिका यात्रा पर गए मीडिया दल का एक सदस्य था। व्हाइट हाउस में उपस्थिति के दौरान हमने देखा था कि किस उत्साह और आत्मीयता के साथ ओबामा दंपति ने डॉ सिंह के स्वागत में वार्ताओं और विशाल भोज का आयोजन किया था। अमेरिका और भारत की तमाम बड़ी हस्तियाँ व्हाइट हाउस में उपस्थित थीं।ओबामा ने तब भी और 2010 में की गई अपनी आधिकारिक भारत यात्रा के दौरान भी भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर कभी कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की।

मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान संयुक्त पत्रकार वार्ता में वॉल स्ट्रीट जर्नल की पत्रकार सबरीना सिद्दीक़ी ने तयशुदा तरीक़े से उनसे अप्रिय सवाल किया, ओबामा ने अपने टीवी साक्षात्कार में सर्वथा ग़ैर-ज़रूरी टिप्पणी की और इस सबकी प्रतिक्रिया में पहले असम के मुख्यमंत्री ने अत्यंत विवादास्पद ट्वीट किया और फिर केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपनी संपूर्ण कटुता के साथ पूर्व राष्ट्रपति के कार्यकाल में मुसलिम देशों पर गिराए गए बमों की गिनती सुना दी। सवाल किया जा सकता है कि इस सबसे भारत में रहने वाले करोड़ों अल्पसंख्यकों की मनःस्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा होगा ! ओबामा को प्रतिष्ठित 'नोबेल शांति पुरस्कार' उनके द्वारा 'अंतर्राष्ट्रीय जगत में कूटनीति को सुदृढ़ करने और समुदायों के बीच आपसी सहयोग बढ़ाने' के सम्मानस्वरूप प्रदान किया गया था।

कहना कठिन है कि ओबामा उसी दिशा में कार्य कर रहे हैं। नोबेल शांति पुरस्कार महात्मा गांधी को प्राप्त नहीं हो पाया था जबकि हिंदू-मुस्लिम सद्भाव क़ायम करने के लिए उन्हें अपने प्राणों का बलिदान करना पड़ा था। ओबामा को सिर्फ़ मुसलिम-हितों के रक्षक की छवि से समझौता कर लेने के बजाय उस गांधी के नायकत्व की भूमिका निभाना चाहिए जिनके नाम का उल्लेख उन्होंने नोबेल पुरस्कार प्राप्त करते समय अत्यंत ही गर्व के साथ किया था।

http://shravangarg1717.blogspot.com

राजनीतिक आंखमिचौली

किसी को कानोकान खबर तक नहीं लगी और महाराष्ट्र की राजनीति ने एक बार फिर करवट बदल ली। इसी तरह का नाटक महाराष्ट्र में पिछले चार सालों से लगातार चल रहा है। हालात इतने नाजुक हो गए हैं कि नाटकीय घटनाक्रम थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब चाचा-भतीजे की अटूट जोडी के भतीजे ने चाचा को ही गच्चा दे दिया और कुछ ही पलों में राजनीति का ककहरा तक बदल दिया। गुरुपूर्णिमा यानी रविवार को एनसीपी के शीर्ष नेताओं में गिने जाने वाले विधायकों व सांसदों ने अपने ही गुरु शरद पवार को अंधेरे में रख कर एकनाथ शिंदे सरकार को समर्थन दे दिया। इसके साथ ही भतीजा अजित पवार उपमुख्यमंत्री बन गए और राकांपा के आठ विधायक मंत्री पद हासिल करने में कामयाब हो गए। जाहिर है यह भाजपा के लिए जहां बड़ी जीत मानी जा रही है तो वहीं शरद पवार के लिए बड़ा झटका। सीएम एकनाथ शिंदे ने खुशी जाहिर की कि उनकी सरकार को और ताकत मिल गई है तो बडी संख्या में लोग इसे भाजपा की बदले की कार्रवाई मान रहे हैं। सभी जानते हैं कि विधानसभा चुनाव भाजपा और शिवसेना ने साथ मिल कर लड़ा था। भाजपा सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरी थी। लेकिन जब सरकार बनाने की बारी आई तो शिवसेना सुप्रीमो सीएम पद को लेकर अड गए। बात नहीं बनी तो शिवसेना ने उसके साथ सरकार बनाने से ही इंकार कर दिया था। उस आडे वक्त में अजित पवार भाजपा के साथ खड़े हो गए थे। तब देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री और अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली थी। लेकिन राकांपा के विधायकों ने अजित पवार को गच्चा दे दिया और वह सरकार मात्र तीन दिन में ही गिर गई थी। फिर शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के गठबंधन से महाविकास अघाड़ी नाम से सरकार बनाई। लेकिन करीब दो साल बाद उद्धव ठाकके के बेहद करीबी रहे एकनाथ शिंदे ने बगावत कर दी और शिवसेना के कई विधायकों को लेकर भाजपा से हाथ मिला लिया था। इसके बाद उद्धव ठाकरे सरकार समय से पहले ही निपट गई। अब लगभग वही घटनाक्रम राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में दोहराया गया है। इस बार अजित पवार ने एकनाथ शिंदे के रास्ते पर चलते हुए सरकार में शामिल हो गए हैं। उनके जाने से निस्संदेह राकांपा को बड़ा झटका लगा है, लेकिन कितना यह तो चुनाव परिणाम ही बताएगा। बहरहाल, पार्टी के ज्यादातर बड़े और शरद पवार के भरोसेमंद नेताओं ने बगावत की है। यही नहीं बागी नेता अब पार्टी के नाम और निशान पर भी अपना दावा ठोंकने लगे हैं। मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर भी बगावती गुट ने काफी झूमाझटकी की है। एनसीपी ने अजित पवार और उनके साथ गए नेताओं के कदम को गैरकानूनी बताया है। इसके लिए कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पार्टी नियमों के अनुसार न तो अजित पवार को विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार था और न पार्टी आलाकमान की इजाजत के बगैर उन्हें इस तरह सरकार में शामिल होने का। इसे अदालत में चुनौती देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी तरह शिवसेना ने भी एकनाथ शिंदे और बागी विधायकों को कानूनी चुनौती दी थी, मगर उसका कोई लाभ उसे नहीं मिला। इससे जाहिर होता है कि राकांपा को भी इसमें कुछ हाथ लगने वाला नहीं है। अगले साल वहां विधानसभा के चुनाव हैं और तब तक अदालती कार्रवाई शायद ही पूरी हो पाए। कानूनन चुन कर आए प्रतिनिधियों को सरकार बनाने के समीकरण तय करने का लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन जिस तरह पिछले चार सालों में सैद्धांतिक मूल्यों को धता बताते हुए सत्ता की घुडदौड़ चल रही है, उससे आखिरकार ठगे तो मतदाता ही जा रहे हैं। मतदाता तो अपने प्रतिनिधियों का चुनाव न केवल उनके व्यक्तित्व को देख कर बल्कि उनकी पार्टी के सिद्धांतों को भी तरजीह देकर करते हैं। शिवसेना को छोड़ कर अलग हुए नेताओं को मतदाताओं ने शिवसेना के सिद्धांतों के आधार पर चुना था। लेकिन जब वे अलग हुए तो जाहिर है उन्होंने अपने मतदाताओं की भावनाओं की कद्र नहीं की। इसी तरह राकांपा के विधायकों ने भी पार्टी से बगावत कर अपने मतदाताओं को ही ठगा है। हर राजनीतिक दल और विधायक चुनाव इसीलिए लड़ता है कि सत्ता में आए, मगर सिद्धांतों और नियम-कायदों को ताक पर रख कर केवल सत्तासुख के लिए समझौता कर लेने से लोकतांत्रिक मूल्यों का क्या होगा?

बंद दरवाजा

पुष्पेश कुमार पुष्प

वर्षों से मोहल्ले में रह रहे जितेन बाबू का अचानक से अमीरों की श्रेणी में आ जाना , लोगों की समझ से परे थी । एक समय था जब वे फटेहाली का जीवन जीने को मजबूर थे । उस समय तो वे लोगों से हिल - मिलकर रहते थे , लेकिन अब तो उनके रहन - सहन के तौर - तरीके बदल गये थे। अब तो वे लोगों से बात करना तो दूर उन्हें नजर उठाकर देखना भी पसंद नहीं करते। उनकी शान और शौकत देखते ही बनती थी। मोहल्ले के लोगों के लिए उनके घर के दरवाजे सदैव ही बंद रहते थे। लोगों की समझ में यह बात नहीं आ रही थी कि आखिर जितेन बाबू ने ऐसा कौन - सा धंधा शुरू कर दिया कि रातों - रात अमीर बन गये । आज उनके बेटे अमित का जन्मदिन था । उनके घर के आगे शहर के जाने - माने लोग और नेता - मंत्रियों की गाड़ियां लगी थी । उन्होंने उसके जन्मदिन पर केवल बड़े लोगों को ही आमंत्रित किया था । लेकिन अमित के जिद के कारण मोहल्ले के बच्चों को अकेले ही आने का निमंत्रण मिला था । अमित के जन्मदिन समारोह में मेरी बच्ची भी गयी थी । वह घर आते ही कहने लगी - पापा ! आप मेरा भी जन्मदिन मनाइये न । जैसे अमित का जन्मदिन मनाया गया । उसके जन्मदिन पर खाने को क्या नहीं था ? उसे कितना उपहार मिला । मुझे भी उतना ही उपहार मिलेगा । आप क्यों नहीं मनाते मेरा जन्मदिन और लोगों को क्यों नहीं बुलाते ? मैं अपनी बच्ची की बात सुनकर सोचने लगा - एक छोटा - सा लेखक अपनी बेटी का जन्मदिन कहां से मनायेगा और यदि मनाऊंगा भी तो क्या मुझ जैसे छोटे लेखक की बेटी को उतना उपहार मिल पायेगा ? मैं बिना कुछ बोले ही अपनी बेटी को एकटक निहारने लगा । तभी मेरी पत्नी का प्रवचन शुरू हो गया - मेरी तो किस्मत ही फूट गयी थी , जो आपसे शादी हुई । आपसे तो अच्छा एक सब्जी बेचने वाला है । कम से कम वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा - दीक्षा दिला रहा है । उसके हर शौक - अरमान को पूरा कर रहा है । एक लेखक से कुछ उम्मीद करना ही व्यर्थ है । आप भी जितेन बाबू जैसा काम क्यों नहीं करते ? इस लेखन से क्या मिलता है ? आप तो बस दिन - रात कागज - कलम ले कल्पना लोक में विचरण करते रहते हैं । क्या आपके इस लेखन से क्या हमारी बच्ची का भविष्य संवर पायेगा ? उसके आगे की पढ़ाई कैसे होगी ! शादी कैसे होगी ! घर का खर्चा कैसे चल रहा है । यह मैं ही जानती हूं । मेरी बच्ची का कोई शौक पूरा नहीं हो पाता । बस ! रूखा - सूखा भोजन , कभी - कभी तो रूखे - सूखे भोजन के भी लाल पड़ जाते हैं । मैं एक लेखक होने के नाते जानता हूं कि जितेन बाबू क्या काम करते थे ? पत्नी को समझाते हुए बोला - इतना निराश क्यों होती हो ? कहा भी गया है - किस्मत से ज्यादा और समय से पहले इंसान को कुछ नहीं मिलता । कभी न कभी हमारे जीवन की बगियां में भी खुशियों के फूल जरूर खिलेंगे । भविष्य में क्या होगा ? कौन जानता है ! या फिर शायद हमारी किस्मत में शायद यही लिखा है । उम्मीद पर तो दुनिया टिकी है । जितेन बाबू जो करते हैं , वह हर इंसान नहीं कर सकता । हर इंसान की अपनी - अपनी सोच होती है । पत्नी मेरी बातों को सुनकर चुप हो गयी। मैं भी अपनी पत्नी और बच्ची के दर्द को भलीभांति समझता हूं , लेकिन करूं तो क्या ? मैं कोई गलत काम कर नहीं सकता । यह सच है कि लेखक को मिलता ही क्या है ? लेखन भी तो एक नशा है , जो एक बार लग जाय तो छूटता ही नहीं । लेखक की दुनिया तो वह मरूभूमि है , जिसमें कभी हरियाली आती ही नहीं । लेखक के जिंदगी में दर्द , घुटन के अलावा और है ही क्या ? वह तो तड़प - तड़पकर जीने को मजबूर होता है । लेखक तो गुमनामी के अंधकार में और फटेहाली में जीवन जीने को मजबूर होता है ।

यूसीसी के नाम पर विपक्ष में सेंधमारी हो सकती है

देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर माहौल बनने लगा है। जिस विवाद पर पहले सिर्फ मंथन रहता था, अब चर्चा काफी आगे बढ़ चुकी है। माना जा रहा है कि इस मॉनसून सत्र में मोदी सरकार यूनिफॉर्म सिविल कोड पर बिल ला सकती है। अगर ऐसा होता है तो ये देश की सियासत में एक बड़ा नाटकीय मोड़ साबित होने वाला है। लेकिन सवाल ये उठता है कि क्या लोकसभा और राज्यसभा में बीजेपी को यूसीसी पर पर्याप्त समर्थन मिल सकता है?

अब इसका सबसे आसान जवाब तो लोकसभा और राज्यसभा के नंबर गेम को जान दिया जा सकता है। लेकिन पहले कई दलों की सियासी विचारधारा को समझना भी जरूरी है। ये विचारधारा ही वो फैक्टर है जो बीजेपी को यूसीसी पर या तो बड़ा झटका दे सकती है या फिर एक बड़ी राहत। ऐसे में तमाम पार्टियों का यूसीसी पर क्या रुख है, ये जानना पड़ेगा।

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर कन्फ्यूज कही जा सकती है। इसका कारण ये है कि पार्टी के अंदर ही कई ऐसे गुट हैं जो यूसीसी का समर्थन करते हैं, वहीं कई लोग ऐसे भी सामने आए हैं जो पूरी तरह इस कानून के विरोध में हैं। यानी कि पार्टी सामने से आकर तो जरूर खिलाफ में बयान दे रही है, लेकिन कुछ नेता अंदरखाने इस बिल का स्वागत कर रहे हैं।

उदाहरण के लिए हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार में मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने यूसीसी को अपनी तरफ से पूरा समर्थन दे दिया है। साफ कहा गया है कि वे इस पहल को पसंद कर रहे हैं। अब सेफ खेलते हुए अगले ही बयान में उनकी तरफ से मोदी सरकार की टाइमिंग पर जरूर सवाल उठा दिया गया है। दूसरी तरफ बात जब कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश की आती है, उन्होंने दो टूक कहा है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड की ना जरूरत है ना ही कोई वर्तमान में इसकी इच्छा रखता है। वहीं अभिषेक मनु सिंघवी का तर्क रहता है कि लोगों में ऐसी धारणा नहीं बननी चाहिए कि अल्पसंख्यकों पर हिंदुओं के कानून लागू कर दिए जाएंगे। अब ये स्टैंड बताने के लिए काफी है कि एक ही पार्टी यूसीसी के समर्थन में भी है, विरोध में भी खड़ी है और कुछ शंकाएं भी जाहिर कर रही है।

वैसे ये तो अभी की कांग्रेस है जो यूनिफॉर्म सिविल कोड पर ज्यादा विरोध करती दिख रही है। बात अगर देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जाए, तो पता चलता है कि वे यूनिफॉर्म सिविल कोड के सिद्धांत के खिलाफ नहीं थे। एक समय देश के पहले कानून मंत्री डॉक्टर भीम राव आंबेडकर के उस विचार से नेहरू भी सहमत थे जहां यूसीसी लाने की बात कही गई थी। लेकिन उस समय क्योंकि संविधान सभा यूसीसी के लिए तैयार नहीं थी, ऐसे में भारी विरोध हुआ और यूनिफॉर्म सिविल कोड कानून बनने से रह गया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस समय विपक्षी एकता में व्यस्त चल रहे हैं। लेकिन बात जब यूसीसी की आती है, उनकी पार्टी ने कभी भी इसका खुले तौर पर विरोध नहीं किया है। खुद नीतीश कुमार ने एक बयान में कहा था कि यूसीसी को तो लोगों के लिए रीफॉर्म के तौर पर देखा जाना चाहिए, उन्होंने सिर्फ इतनी अपील की थी कि इसे जल्दबाजी में लागू ना किया जाए। अब उसी तर्ज पर जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कह दिया है कि उनकी पार्टी यूसीसी का विरोध नहीं करती है, बस एक मांग है कि सभी को साथ लेकर चला जाए। यानी अगर संसद में इस मुद्दे पर उचित मंथन हो जाए, सरकार अपने तर्क समझाने में कामयाब हो जाए, उस स्थिति में शायद जेडीयू भी विपक्ष को कोई बड़ा सरप्राइज दे सकती है। अब जेडीयू को लेकर तो अभी संशय की स्थिति है, लेकिन माना जा रहा है कि इस बार यूनिफॉर्म सिविल कोड पर आम आदमी पार्टी मोदी सरकार को सपोर्ट कर सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि पार्टी ने खुद ही साफ कर दिया है कि वो इस विचार के खिलाफ नहीं है। आप नेता संदीप पाठक ने कह दिया है कि पार्टी सैद्धांतिक तौर पर यूसीसी का समर्थन करती है, मानती है कि इसे लागू होना चाहिए। कुछ दूसरे दल की तरफ आप ने भी सभी के साथ चर्चा की बात जरूर कर दी है। उद्धव गुट भी इस समय बीजेपी से खफा चल रहा है, लेकिन यूसीसी पर समर्थन देने की बात कर गया है। ये नहीं भूलना चाहिए कि बालासाहेब ठाकरे यून्फिॉर्म सिविल कोड के एक बड़े पक्षधर थे।

लेफ्ट पार्टियों की बात करें तो उनके विरोध के अपने कारण हैं। एक तरफ वे मानकर चल रहे हैं कि यूसीसी के जरिए एक विशेष समुदाय को टारगेट किया जा सकता है, वहीं ये भी कहना है कि जो काम संसद में होना चाहिए, लॉ कमिशन का हस्तक्षेप होना ठीक नहीं। इसी कड़ी में आरजेडी, टीएमसी भी यूनिफॉर्म सिविल कोड के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रही है। अब तमाम पार्टियों की विचारधारा की बात तो हो गई, लेकिन लोकसभा और राज्यसभा में क्या समीकरण बैठने वाले हैं, ये समझना भी जरूरी है। लोकसभा में बीजेपी के पास पूर्ण बहुमत है, 300 से ज्यादा का आंकड़ा साथ है। ऐसे में काफी आसानी से यूसीसी बिल को पारित करवाया जा सकता है। लेकिन सारा खेल राज्यसभा में जाकर फंसता है जहां पर बीजेपी के पास अपने दम पर बहुमत नहीं है, उसके सहयोगी दलों को भी मिला दिया जाए तो भी जादुई आंकड़ा नहीं पहुंचता। इसी वजह से राज्यसभा में बीजेपी की जुगाड़ू पॉलिटिक्स की असली परीक्षा होने जा रही है।

असल में राज्यसभा में इस समय कुल सदस्यों की संख्या 237 चल रही है, ऐसा इसलिए है क्योंकि आठ सीटें रिक्त पड़ी हैं। इसी वजह से बहुमत का आंकड़ा भी 119 पर चल रहा है, यानी कि अगर कोई भी बिल पारित करवाना है, तो इतना समर्थन तो जुटाना ही पड़ेगा। अब यूसीसी पर बीजेपी को ज्यादा से ज्यादा 108 सदस्यों का समर्थन मिल सकता है। अब कुछ दिन पहले की बात करते तो ये आंकड़ा 109 रहता क्योंकि बीजेपी के पास राज्यसभा में तब 92 सदस्य थे। लेकिन हाल ही में क्योंकि सांसद हरद्वार दुबे का निधन हो गया, ऐसे में एक सीट कम हो गई।

अब सिंपल गणित ये कहती है कि बीजेपी को किसी भी तरह 11 और सांसदों का समर्थन चाहिए, उसी स्थिति में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू हो पाएगा। लेकिन ये समर्थन आएगा कहां से? इस समय आम आदमी पार्टी और उद्धव गुट ने कह दिया है कि वो यूसीसी का समर्थन करते हैं। ऐसे में अगर एएपी के 10 सांसद बीजेपी को सपोर्ट कर जाते हैं और उद्धव की शिवसेना के भी 3 सांसद साथ आ जाते हैं तो यूनिफॉर्म सिविल कोड कानून बन जाएगा। इसी तरह अगर आम आदमी पार्टी और उद्धव गुट के बजाय बीजेपी को नवीन पटनायक की बीजेडी और रेड्डी की YSR कांग्रेस का सपोर्ट मिल जाता है, तब भी यूसीसी आसानी से हकीकत बन जाएगा। इस समय राज्यसभा में दोनों YSR कांग्रेस और बीजेडी के पास 9-9 सांसद हैं, यानी कि कुल आंकड़ा 18 पहुंच रहा है। बीजेपी को बहुमत के लिए सिर्फ 11 का आंकड़ा चाहिए, ऐसे में ये पार्टी के लिए सबसे अनुकूल स्थिति साबित हो सकती है। बीजेपी इन दो पार्टियों का समर्थन इसलिए भी चाहती है क्योंकि कई बड़े फैसलों के दौरान इन दोलों ने विपक्षी एकता से इतर समर्थन दिया है। वैसे कुछ ऐसे भी समीकरण बन सकते हैं, जिनकी उम्मीद कम है, लेकिन उन्हें पूरी तरह नकारा भी नहीं जा सकता। असल में जेडीयू पूरी तरह यूसीसी के खिलाफ नहीं है, वो बस चर्चा चाहती है।

फ्रांस में इस्लामिक चरमपंथी फैला रहे हैं उन्माद !

मनोज कुमार अग्रवाल

एक किशोर की पुलिस गोली से हुई मौत को लेकर फ्रांस में जबरदस्त हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। फ्रांस में हो रही हिंसक वारदातों आगजनी पथराव में अपनी खूबसूरती के लिए दुनिया भर में पहचान रखने वाले फ्रांसीसी शहर बदरंग हो रहे हैं फ्रांस के मर्सिले शहर की सबसे बड़ी लाइब्रेरी को भी उन्मादी तत्वों ने आग के हवाले कर दिया।पिछले कुछ दिनों से यहां आक्रोश और अराजकता का नंगा नाच जारी है। दरअसल फ्रांस में पिछले लम्बे समय से नस्लीय भेदभाव के आरोप लगाए जाते रहे हैं मौजूदा मामला फ्रांस में निम्न मध्यम अफ्रीकी व नाइजीरिया मूल के लोगों के साथ पिछले कुछ सालों से चल रहे कथित नस्ली भेदभाव से उपजे असंतोष का नतीजा भी माना जा रहा है।वहीं कुछ लोग इसे इस्लामिक चरमपंथियों द्वारा फ्रांस में कट्टरता व अराजकता का फैलाव करार दे रहे हैं। फ्रांस में एक 17 साल के मुस्लिम लड़के की पुलिस की गोलीबारी में मौत के बाद लगातार हिंसा जारी है। हिंसा और आगजनी की घटनाओं में अब तक दो हज़ार गाड़ियां जलाई जा चुकी हैं. और 492 घरों को नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि फ्रांसीसी पुलिस ने देशभर के अलग-अलग इलाकों से अब तक करीब तेरह सौ लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बीच फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कैबिनेट की आपातकालीन बैठक की है। इसमें शामिल होने के बाद फ्रांसीसी प्रधानमंत्री एलिज़ाबेथ बोर्न ने कहा कि आपातकालीन कैबिनेट बैठक का उद्देश्य व्यवस्था बहाल करने के लिए सभी विकल्पों की समीक्षा करना था। उन्होंने यह भी बताया कि इसमें फ्रांस में आपातकाल की परिस्थितियों पर चर्चा भी शामिल थी। फ्रांस की सरकार ने कहा है कि पुलिस द्वारा किशोर की हत्या के बाद चौथी रात हुए दंगों में कई हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। न्यूज रिपोर्ट्स के अनुसार जर्मन अधिकारियों का कहना है कि फ्रांस में अशांति के कारण फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने जर्मनी की राजकीय यात्रा स्थगित कर दी है. सरकार ने कहा कि पिछली रातों की तुलना में हिंसा कम हुई है, लेकिन आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने अभी भी रात भर में देश भर में 1,311 गिरफ्तारियों की सूचना दी है। शनिवार सुबह जारी किए गए मंत्रालय के आंकड़ों में कहा गया है कि रात भर में 1,350 वाहनों और 234 इमारतों को आग लगा दी गई थी और सार्वजनिक स्थानों पर आग लगाने की 2,560 घटनाएं हुई थीं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि 79 पुलिस घायल हुए हैं. फ्रांस सरकार द्वारा 45,000 अधिकारियों को तैनात करने के बावजूद झड़पें जारी रहीं।आप को बता दें कि 27 जून को फ्रांस की राजधानी पेरिस में पुलिस ने एक किशोर को ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के आरोप में गोली मार दी, जिसमें नाबालिग की मौत हो गई। इस घटना के बाद फ्रांस में हिंसा भड़क उठी और अब विकराल रूप ले चुका है।इस गोलीबारी की घटना पर पुलिस ने बताया कि नाबालिग तेज रफ्तार से एक रेंटल कार को चला रहा था। पुलिस ने उसे रोकने के लिए कहा, लेकिन उसने कई बार ट्रैफिक नियमों को तोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने गोली चलाई।घटना के बाद, लोगों के मन में पुलिस के खिलाफ नफरत की धारणा बन गई। लोग ऐसा सोचने लगे कि पुलिस किसी को भी गोली मार सकती है और लोग इसका विरोध करने के लिए सड़कों पर उतर आए। सड़क पर आने के बाद लोगों ने जमकर उत्पात मचाया है। कई सरकारी वाहन फूंक दिए गए। पुलिस पर पथराव किए गए। साथ ही कई बिल्डिंगों में आगजनी की घटना भी सामने आई है। पुलिसकर्मी द्वारा किशोर की गोली मारकर हत्या करने की निंदा हो रही है। सरकार ने भी अपने बयान में सुरक्षाबलों की ही आलोचना की है घटना के जिम्मेदार पुलिस कर्मियों को जेल भेज दिया गया है । राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि किशोर की हत्या अस्वीकार्य और अक्षम्य है। इस हत्याकांड को किसी भी तरह से न्यायोचित करार नहीं दिया जा सकता। बता दें कि फ्रांस में इस घटना से पुलिस नियमों में सुधार की मांग उठने लगी है। खासकर जातीय अल्पसंख्यकों से डील करने के मामले में पुलिस के व्यवहार की आलोचना शुरू हो गई है। बीते साल फ्रांस में पुलिस की कार्रवाई में 13 लोगों की मौत हुई थी। जानकारी के अनुसार नाहेल टेकअलवे डिलीवरी ड्राइवर के रूप में काम करता था और अपनी मां का इकलौता सहारा था। उसे रग्बी खेलना पसंद था और वह पिछले तीन वर्षों से पाइरेट्स ऑफ नैनटेरे रग्बी क्लब का सक्रिय सदस्य था। नाहेल की मां मौनिया का दावा है कि अल्जीरियाई मूल के होने के नाते पुलिस ने उसका चेहरा देख उसे गोली मार दी मृत लड़के की मां ने बताया है कि पढ़ने-लिखने में मन नहीं लगने के कारण उसकी दिलचस्पी इलेक्ट्रिशियन बनने में थी।

जो भी हो नाहेल की मौत से भड़का विशेष रूप से एक समुदाय विशेष और उनके समर्थक फ्रांस में हिंसा आगजनी और पथराव पर उतारू है और कानून व्यवस्था धराशाई हो गई है। बताया जाता है कि फ्रांस में मुस्लिम चरमपंथी इस घटना से उपजे आक्रोश की आड़ में अराजकता पर उतारू हैं पिछले 25 सालों में फ्रांस में मुस्लिमों की संख्या दोगुनी हो गई है। इसके अलावा, पिछले कुछ दशकों में फ्रांस में अल्जीरिया, मोरक्को, ट्यूनीशिया और उप-सहारा अफ्रीका से मुस्लिम प्रवासियों की लगातार आमद देखी गई है।

चूहा और टमाटर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

रामलाल बहुत गरीब था। इतना गरीब कि गरीबी भी बोल उठे कि इस दुनिया का सबसे गरीब इंसान रामलाल ही है। ऐसी गरीबी में एक दिन उसके घर में एक चूहा घुस आया। चूहा इतना जिद्दी था कि भगाओ तो भागने का नाम नहीं ले रहा था। मानो किसी नेता से प्रशिक्षण लेकर आया हो। रामलाल था कि उसे भगाने के चक्कर में अपनी हालत खराब कर चुका था। इतना होने पर भी चूहे को रामलाल पर तरस आना तो दूर उल्टे उसकी आँखों के सामने बिल से निकलकर घर के चार चक्कर लगाने में अपनी बहादुरी समझता। रामलाल से रहा नहीं जा रहा था। मानो काटो तो खून नहीं। वह किसी भी सूरत में चूहे को भगाने पर आमादा हो गया। उसने अपने मित्र श्यामलाल को चूहा पुराण रो-धोकर सुनाया। श्यामलाल उसकी पीड़ा सुन पहले पहल तो हँस पड़ा फिर बाद में विषय की गंभीरता को समझते हुए कहा, तुम्हारी पीड़ा सुनकर मुझे बड़ी दया आ रही है। इतनी छोटी सी बात के लिए भला कोई दुखी होता है। तुम एक काम करो। चूहे को पकड़ने के लिए चूहादानी ले आओ। दो मिनट में पकड़ा जाएगा और तुम्हें छुटकारा मिल जाएगा। रामलाल ने कहा, तुम भी अजीब बात करते हो। चूहादानी खरीदने के लिए मेरे पास पैसा कहाँ है। बेरोजगार के ख्वाब होते हैं, ज़ॉब नहीं। कुछ सोच-समझकर उपाय दिया करो। श्यामलाल ने कहा, ठीक है - ठीक है। चूहे मारने वाला जहर ही खरीद लो। इधर चूहा जहर खाएगा उधर उसका काम तमाम हो जाएगा। रामलाल ने कहा, अरे यार जहर भी तो महंगा होता है। मैं इतने पैसे कहाँ से लाऊँगा। तुम्हीं बताओ। श्यामलाल ने कहा – तब एक काम करो उसे पकौड़ी खिलाओ। पकौड़ी खाते समय उसे मारने में आसानी होगी। इससे अच्छा उपाय और क्या हो सकता है? रामलाल ने कहा, अब तुम्हें क्या बताऊँ। खाना खाए मुझे दो दिन हो गए हैं। यहाँ दाने के लाले पड़े हैं और तुम कहते हो कि चूहे को पकौड़ी खिलाओ। जो भी बोलो कुछ सोच-समझकर बोलो।श्यामलाल ने कहा, अब एक ही काम कर सकते हो। कम से कम एक टमाटर की व्यवस्था कर लो। तुम उसे यह तो खिला ही सकते हो न। रामलाल ने कहा, टमाटर खिलाने के चक्कर में मेरा घर ही बिक जाएगा।

देखते नहीं टमाटर सोने को मात दे रहा है। श्यामलाल ने अंत में कहा, अब जाने भी दो। जिसकी जैसी किस्मत। वह तो चूहे की बदकिस्मती होगी कि वह तुम्हारे जैसों के पल्ले पड़ा हो। तुम इसी तरह चूपचाप पड़े रहो। चूहा अपने आप तुम्हारी गरीबी देखकर नौ दो ग्यारह हो जाएगा।

जब शिवजी ने नंदी, सर्प , चंद्रमा और मां गंगा का कर दिया था त्याग

क्या थी इसके पीछे की वजह

अमरनाथ गुफा से जुड़ी मान्यताएं

पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार माता पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से उनकी अमरता का रहस्य जानना चाहा। तब शिवजी ने माता गौरी की इच्छा को देखते हुए उन्हें अमर कथा सुनने के लिए कहा। ऐसा कहा जाता है कि अगर कोई भी इस कथा को सुन लेता तो वो अमर हो जाता है।

मान्यताओं के मुताबिक, इस कथा को सुनाने के लिए जब महादेव अमरनाथ गुफा गए तब वहां जाने से पहले उन्होंने अपने शरीर से हर चीज को उतार दिया। सबसे पहले शिवजी ने अपने वाहन नंदी का त्याग किया, जिस जगह को पहलाम नाम से जाना जाता है। फिर उन्होंने चंद्रमा को उतारा जिसका नाम चंदनवाड़ी पड़ा। इसके बाद भोलेनाथ ने अपने गले में लिपटे सांप को वहां से हटाया, उस स्थान को शेषनाग कहते हैं।

आखिर में उन्होंने अपनी जटाओं से गंगा जी को मुक्त किया उस जगह पंचतरणी नाम दिया गया। कहा जाता है शिव जी ने अपने पुत्र गणेश को महागुण पर्वत पर छोड़ा और उन्हें जिम्मेदारी दी गई कि कोई भी इस कथा के बीच में गुफा में प्रवेश न कर सके। आज भी अमरनाथ यात्रा के दौरान इन स्थानों के दर्शन होते हैं।

अमरनाथ यात्रा का महत्व

कहा जाता है कि बाबा बर्फानी के दर्शन से हजार गुना पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। बता दें अमरनाथ में शिवलिंग का निर्माण गुफा की छत से टपकती पानी की बूंदों से होती है। कहते हैं कि यह शिवलिंग चंद्रमा की रौशनी के चक्र के साथ घटता और बढ़ता है। बर्फ से बने शिवलिंग के कारण ही इसे 'बाबा बर्फानी' कहते हैं। गौरतलब है कि इस साल अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई से 31 अगस्त 2023 तक कर सकते हैं।

प्रीति योग में गजानन संकष्टी चतुर्थी कल

लेकिन पंचक और भद्रा भी

पंचांग के अनुसार, सावन की शुरुआत मंगलवार 04 जुलाई से ही शुरू हो चुका है। सावन मास का पहला संकष्टी चतुर्थी व्रत सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को रखा जाएगा।

संकष्टी चतुर्थी या गजानन संकष्टी चतुर्थी का व्रत व पूजन भगवान श्रीगणेश को समर्पित होता है। हर माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को संकष्टी चतुर्थी होती है। लेकिन सावन महीने में पड़ने वाली संकष्टी चतुर्थी को गजानन संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। इस दिन भगवान गणेश की पूजा से जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है और साथ ही समस्य दुखों का नाश होता है।

इस दिन भगवान गणेश पूजा के साथ ही चंद्र दर्शन और पूजन का भी महत्व होता है। रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत संपन्न होता है और इसके बाद पारण किया जाता है। लेकिन इस बार संकष्टीचतुर्थी पर पंचक और भद्रा का साया रहने वाला है। ऐसे में कैसे और किस मुहूर्त पर करें संकष्टी चतुर्थी की पूजा आइये जानते हैं।

संकष्टी चतुर्थी 2023 पूजा के लिए मुहूर्त

06 जुलाई को सावन गजानन संकष्टी चतुर्थी के दिन श्री गणेश की पूजा के लिए सुबह 05:26 से 10:40 तक का समय शुभ रहेगा। आप इस मुहूर्त में भगवान गणेश की पूजा कर सकते हैं। वहीं रात्रि में चंद्रमा की पूजा के लिए आपको थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि इस दिन चंद्रोदय देर से होगा। 06 जुलाई को रात 10:12 पर चंद्रोदय का समय है। चंद्रोदय के बाद आप चंद्रमा को अर्घ्य देकर पूजा करें और इसके बाद संकष्टी चतुर्थी व्रत का पारण कर लें।

प्रीति योग में संकष्टी चतुर्थी, साथ ही पंचक और भद्रा का साया भी

गजानन संकष्टी चतुर्थी के दिन सुबह से लेकर देर रात तक प्रीति योग रहेगा, जिसे बहुत ही शुभ नक्षत्र माना जाता है। लेकिन इसी के साथ इस दिन पंचक और भद्रा का साया भी रहने वाला है। भद्रा सुबह 05:29 से 06:30 तक है। लेकिन भद्रा काल में भी आज पूजा कर सकेंगे। क्योंकि ज्योतिष के अनुसार इस भद्रा का वास पाताल लोक में है। वहीं संकष्टी चतुर्थी के दिन पंचक दोपहर 01:38 मिनट से शुरू हो जाएगा जोकि अगले दिन सुबह 06:29 तक रहेगा।

तेरापंथ स्थापना दिवस संपन्न

निर्मला बैद

विक्रम की अठारवी शताब्दी के पूर्वार्ध में एक विचार क्रांति घटित हुई। फलस्वरुप आचार्य भिक्षु की प्रतिभा ने तेरापंथ को जन्म दिया।उस समय स्थानकवासी परंपरा के आचार्य पूज्य रुघनाथजी के पास संत भीखणजी दीक्षित हुए। कुछ विचार भेद के कारण वे उस परंपरा से मुक्त हो गये। उनकी अंतर्मुखी वृति अनासक्ति, विरक्ति, तपस्या और चतुर्मुखी प्रतिभा से जनता आकर्षित हुई। तेरापंथ का उद्भव हो गया। तेरापंथ आचार्य भिक्षु की दीर्घकालीन तपस्या और चैतन्यनिष्ठ साधाना का परिणाम है। संघर्ष ही महापुरुषों का विद्यालय होता है। स्वामीजी भी उसके अपवाद कैसे हो सकते थे। उन्होंने कष्ट सहे और वीरतापूर्वक सहे। सचमुच ऐसे मणिधारी पुरुष के जीवन का एक-एक पृष्ठ हमारे लिए अजय प्रेरणा श्रोत है। हमें तेरापंथ के संस्थापक के रूप में आचार्य भिक्षु मिले। आज धरती के कण-कण में स्वामीजी का जयघोष गूंज रहा है। जयघोष ही नहीं यह वैज्ञानिक तथ्य है कि हजारों वर्षों के बाद भी मानव का अप्रतिहत नाद कण-कण में अनुगूंजित रहता है और रहती है शब्द तरंगे तरंगामित। उनकी हम आत्मकेनद्रित हो सुनें और सुनकर आत्मसात करें।

तेरापंथ के रस महान कल्पवृक्ष की जडें बहुत मजबूत है और इसमें फल देने की क्षमता है। यह जडों का मजबूत होना और फल देने की क्षमता होना दोनों बातें जब होती है उसका मूल्य सदा बना रहता है। बुद्ध से पूछा भगवन यह चट्टान मजबूत है क्या चट्टान पर भी किसी का शासन है। बुद्ध ने कहा लोहे का है। मजबूत चट्टान को लोहा तोड डालता है। तो भगवन लोहे पर भी किसी का शासन है बुद्ध ने कहा आग का वह लोहे को पिघला देती है। तो आग पर किसी का शासन है। बुद्ध ने कहा पानी का । वह अग्नि को बुझा देता है। तो क्या पानी पर भी किसी का शासन है बुद्ध ने कहा वायु का। वायु जिधर चाहता है उधर ले जाता है। तो क्या वायु पर भी किसी का शासन है। बुद्ध ने कहा हमारी संकल्प शक्ति का शासन है। संकल्प शक्ति वायु को भी अपने वश में कर लेती है। हमारी संकल्प शक्ति मजबूत रहे । यह तेरापंथ का सुंदर संगठन यह मजबूत जडें और फल देने की क्षमता बनी रहे।

संकल्प शक्ति को हम दोहराते जायें और शताब्दियों तक यह गुरु पूर्णिमा मनाते चलें। हम सचमुच सौभाग्यशाली है जिनको महामना आचार्य भिक्षु जैसे अध्यात्मनेता नीतिनिपुण अनुशास्त्रा मिले और सत्य के बंद दरवाजों को खोलने वाला जैन तेरापंथ संघ मिला। आचार्य भिक्षु एक विलक्षण नक्षत्रशाली पुरुष थे। अखंड अनन्त पुण्यों के पुंज थे। कुशल संगठन और मर्यादा पुरुषोत्तम उन्होंने अपनी दूरदृष्टि से जिन ठोस मर्यादाओं की नींव पर तेरापंथ धर्मप्रसाद की आधारशिला रखी। उसी का पुण्य प्रसाद आज लाखों लोगों को मिल रहा है। उन्हीं के प्रताप से तेरापंथ धर्म संघ शुद्ध आचार विचार की साधना में अग्रसर होता हुआ संपूर्ण देश में आध्यात्मिक साधना और नैतिक मूल्यों के पुनर्जागरण की अलख जगा रहा है। इसका संपूर्ण श्रेय एकमात्र श्रीमद् आचार्य भिक्षु को है। जिनकी सत्यनिष्ठा ही हमारे लिए एक अभिद् ज्योति का प्रज्वलन किया। आचार्य भिक्षु को शत्शत् श्रद्धाशील नमन।

शादी में अंगूठी से क्यों भरी जाती है मांग

हिन्दू धर्म में महिलाओं द्वारा लगाया जाने वाला सिन्दूर सुहाग की निशानी माना जाता है। यह विवाह का प्रतीक होता है। विवाह के दौरान जब दूल्हा दुल्हन की मांग में सिन्दूर भरता है तब विवाह पूर्ण माना जाता है। हिंदू शादियों में सिन्दूर का सांस्कृतिक महत्व है। आपने विवाह में दूल्हे को अंगूठी से दुल्हन की मांग में सिन्दूर भरते हुए देखा होगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस प्रथा का मनुष्य के जीवन में बहुत खास महत्व होता है। हिन्दू धर्म में अंगूठी से सिन्दूर भरना सौभाग्य को बढ़ाने वाला माना जाता है। अंगूठी से सिन्दूर लगाने के कई प्रतीकात्मक अर्थ हैं। अंगूठी पति का अपनी पत्नी के प्रति प्यार और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भोपाल निवासी ज्योतिषी और वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं इस प्रथा के कारणों और इसके महत्व के बारे में।

अंगूठी से मांग में सिंदूर लगाने का महत्व

दूल्हे द्वारा दुल्हन की मांग में सिन्दूर लगाने का प्रतीकात्मक अर्थ तो है ही साथ ही अंगूठी से मांग भरने के कई अन्य लाभ भी होते हैं। ज्योतिष शास्त्र मानता है कि सिन्दूर का लाल रंग जीवन से बुरी शक्तियों को दूर रखता है। जबकि अंगूठी पत्नी के स्वास्थ्य की रक्षा करती है। हिन्दू धर्म में अंगूठी से सिंदूर लगाने की प्रथा कई सदियों पुरानी है। जो

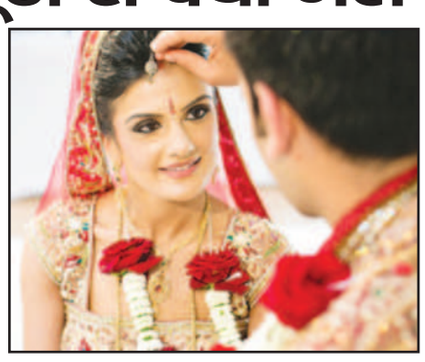

आज भी हिंदू संस्कृतियों में व्यापक रूप से प्रचलित है। यह प्यार, प्रतिबद्धता और सुरक्षा का प्रतीक है और यह विवाहित महिलाओं के लिए अपनी पहचान दिखाने का एक तरीका है।

दाम्पत्य जीवन में प्रेम के संकेत देती है अंगूठी

विवाह के दौरान जब अंगूठी से मांग भरी जाती है, तो यह पति का अपनी पत्नी के प्रति प्रेम को दिखाती है। अंगूठी को दाम्पत्य जीवन के अटूट प्रेम की निशानी माना जाता है। अंगूठी से सिन्दूर लगाकर पति-पत्नी के प्रति अपनी प्रतिज्ञा को दिखाता है कि वह उससे हमेशा प्यार करेगा और किसी भी परिस्थिति में पत्नी का साथ नहीं छोड़ेगा।

शुभता और सौभाग्य का प्रतीक है अंगूठी से सिंदूर लगाना

हिन्दू धर्म में विवाहित स्त्री के लिए सिन्दूर सौभाग्य, समृद्धि का प्रतीक है। जब विवाह में दूल्हा अंगूठी से दुल्हन की मांग में सिंदूर लगाता है, तब यह जीवन में शुभता और सौभाग्य लाता है। मान्यता है कि यह नवदंपत्ति के जीवन में आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा लाता है। जिससे एक सुखी और समृद्ध वैवाहिक जीवन की शुरुआत होती है।

धार्मिक महत्व भी रखता है अंगूठी से सिन्दूर लगाना हिन्दू धर्म में लाल रंग को बेहद शुभ माना जाता है। कई देवी-देवताओ और धार्मिक अनुष्ठानों में लाल रंग का उपयोग किया जाता है। विवाह में वर-वधु को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का रूप मानते हैं। इसलिए सोने की अंगूठी से सिंदूर भरकर जीवन में सौहाद्र की कामना की जाती है।

धन और समृद्धि का आशीर्वाद

विवाह में सोने की अंगूठी का उपयोग धन और समृद्धि को दर्शाती है। मान्यताओं के अनुसार सोने की अंगूठी से सिन्दूर लगाने से दम्पति के जीवन में वित्तीय स्थिरता और प्रचुरता आती है। यह कीमती वस्तुओं के आदान-प्रदान का प्रतीक है और जोड़े के बीच प्यार, सम्मान और प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में भी कार्य करता है।

जब गौतम बुद्ध बोले- हर शख्स की चार पत्नियां होती है, साथ सिर्फ चौथी वाली देती है

गौतम बुद्ध को हर कोई जानता है। लाखों लोग उनके सिद्धांतों पर चलते हैं। कुछ लोगों ने भगवान विष्णु का 9वां अवतार भी मानते हैं। वह सत्य और अहिंसा के मार्ग का जीवन भर पालन करते रहें। उन्होंने कई लोगों को अंधकार से निकालकर प्रकाश का रास्ता दिखाया। लोग उनकी बातों और विचारों को दिल से मानते हैं। एक बार गौतम बुद्ध ने कहा था कि हर इंसान की 4 पत्नियां होती है। इसमें से चौथी पत्नी इंसान का मरते दम तक साथ देती है। गौतम बुद्ध ने यह बात क्यों और किस संदर्भ में कहीं आज हम इसी पर खुलकर चर्चा करेंगे।

हर शख्स की होती है 4 पत्नियां

दरअसल गौतम बुद्ध ने एक बार बड़ी दिलचस्प कहानी सुनाई। इस कहानी का जिक्र बुद्ध के प्रारंभिक उपदेश वाले 32 आगम सूत्रों में है। बुद्ध की कहानी कुछ इस प्रकार थी। एक समय की बात है। एक व्यक्ति की 4 पत्नियां हुआ करती थी। वह हंसी खुशी उसके साथ अपना जीवन बिता रहा था। बताते चलें कि प्राचीन भारतीय समाज की व्यवस्था में एक शख्स कई पत्नियां रख सकता था। एक बार चार पत्नियों वाला यह शख्स बहुत बीमार पड़ गया।

इस शख्स को अच्छे से एहसास हो गया कि वह हम बचने वाला नहीं है। उसका अंत अब निश्चित है। ऐसे में उसने अपनी चारों पत्नियों को एक-एक कर अपने पास बुलाया। शख्स ने पहली पत्नी से कहा– हे प्रिये ! मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं। मैं अब इस संसार को अलविदा कहने वाला हूं। क्या तुम भी मेरे साथ परलोक में चलोगी? पहली पत्नी ने कहा– प्यार तो मैं भी आपसे बहुत करती हूं लेकिन आपके साथ जा नहीं सकती। आपकी मृत्यु के बाद से ही हमारी राहें अलग हो जाएगी।

अब शख्स ने दूसरी पत्नी को बुलाकर उसे अपने साथ चलने को कहा। लेकिन दूसरी पत्नी ने यह कहकर पल्ला झाड़ दिया कि वह अपने गृहस्थ जीवन में इतनी उलझी हुई है कि आपके साथ जा नहीं पाएगी। अब शख्स ने तीसरी पत्नी को अपने पास बुलाया और कहा– मैंने तुम्हें जीवन भर प्यार किया तुम्हारी हर इच्छा पूरी की क्या तुम मेरे साथ चलना पसंद करोगी? इस बार तीसरी पत्नी बोली हे स्वामी जब आप की पहली और दूसरी पत्नी ने आपके साथ चलने से इंकार कर दिया तो मैं भला आपके साथ कैसे चल सकती हूं।

तीनों पत्नियों के जवाब सुनकर शख्स बेहद उदास हो गया। उसकी चौथी पत्नी को बुलाने की हिम्मत नहीं हुई। दरअसल वह चौथी पत्नी कौन बहुत कम प्यार करता था। उसे अपनी दासी बना कर रखता था। ऐसे में उसे पूरा विश्वास था कि चौथी पत्नी भी उसके साथ चलने को मना कर देगी। लेकिन जब उसने चौथी पत्नी को बुलाकर अपने साथ जाने के लिए पूछा तो उसके जवाब में चौका दिया।

चौथी पत्नी ने अपने पति का साथ जाने का प्रस्ताव तुरंत स्वीकार कर लिया। उसने कहा– मैं आपके साथ जरूर जाऊंगी। मैं आपके साथ रहने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। आपका साथ कभी नहीं छोडूंगी। आपके साथ अंतिम समय तक रहूंगी। मैं आपसे अलग कभी नहीं हो सकती हूं।

कौन है ये पत्नियां

इस कहानी को खत्म करते हुए बुद्ध ने अंत में इसका सार बताया। कहां हर इंसान की 4 पत्नियां या पति होते हैं। इन सभी का अपना एक खास मतलब होता है। सिर्फ चौथे नंबर वाला ही आपका अंतिम समय तक साथ देता है। पहली पत्नी या पति है आपका अपना शरीर। आप इससे कितना भी प्रेम कर लें, कितना ही इसका खयाल रख लें, मृत्यु के समय ये आपका साथ छोड़ ही देता है। आपकी दूसरी पत्नी या पति आपका भाग्य है। आप चाहे जो भी भाग्य साथ लेकर आए, वह आपके साथ कभी नहीं जाता। यहीं पर छूट जाता है। फिर तीसरी पत्नी या पति आपके रिश्ते-नाते होते हैं।

माता-पिता, भाई-बहन जैसे सगे संबंधी सिर्फ तब तक ही आपके साथ है, जब तक आप जीवित हैं। मौत के बाद वे भी आपका साथ छोड़ देते हैं।

चौथी पत्नी या पति आपके कर्म होते हैं। आप जीवन में जो भी कर्म करते हैं, यह मारने के बाद भी आपके साथ जाते हैं। इन कर्मों के आधार पर आपके अगले जन्म का निर्धारण होता है। यह कर्म ही आपको स्वर्ग और नरक का द्वार दिखाते हैं।

19 साल बाद सावन में मलमास का बना संयोग

4 जुलाई से सावन माह की शुरुआत हो रही है। इस दौरान मलमास यानी अधिक मास भी पड़ रहा है। ज्योतिषियों का मानना है कि सावन में 19 साल बाद यह विशेष संयोग बन रहा है, जिसका प्रभाव मास पर्यंत प्रतीत देखा। ऐसे में हम सभी को कुछ तौर-तरीके अपनाते हुए उन कार्यों से बचना चाहिए, जिनको मलमास में करने से नुकसान हो सकता है।

19 साल बाद यह विशेष संयोग बना है। इस माह में भगवान शंकर और भगवान विष्णु की पूजा अर्चना करने से लाभ मिलता है। बताया कि इस मास में सादा खानपान और दिनचर्या रखनी चाहिए। रात को जमीन पर सोना चाहिए और प्याज-लहसुन, मांसाहार आदि का सेवन नहीं करना चाहिए।

पंडित जी बताते हैं कि इस साल हिन्दू वर्ष 12 मास की जगह 13 मास का होने जा रहा है। मलमास के कारण इस बार सावन दो महीने का होने जा रहा है। इस साल सावन के महीने की शुरुआत 4 जुलाई से और समापन 31 अगस्त को होगा। इसी बीच मलमास 18 जुलाई से शुरू होकर 16 अगस्त तक रहेगा। यह संयोग 19 साल बाद बन रहा है। इसके पहले 2004 में सावन दो महीने का हुआ था।

क्या है मलमास- बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार, 3 साल में एक बार मलमास पड़ता है। इसे अधिक मास या पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। दूसरी ओर माना जाता है कि जिस चंद्र मास में सूर्य की संक्रांति नहीं होती है, उस मास को मलमास कहते हैं। मलमास के कारण इस महीने में मांगलिक कार्यों की मनाही होती है।

पूजा का मिलेगा शुभ फल

उन्होंने बताया कि मलमास भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस अवधि में विष्णु भगवान की उपासना करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं सावन मास बाबा भोलेनाथ को समर्पित होता है, इसलिए जो भक्त उनके निमित्त पूजा अर्चना करता है, उसके जीवन में सुख समृद्धि का आगमन होता है।

कैसे हुई मलमास की उत्पत्ति ?

योगेश कुकरेती के अनुसार, मलमास की उत्पत्ति हिरण्यकश्यप के कारण की गई थी। दरअसल, जब हिरण्यकश्यप ने भगवान ब्रह्मा की घोर तपस्या की थी तो उसने वरदान मांगा था कि मुझे कोई न दिन में मार सके, न रात में मार सके, न घर में मार सके, न बाहर मार सके और न कोई मुझे वर्ष के बारह माह में मार सके। हिरण्यकश्यप के वध की कथा तो आपने सुनी ही होगी कि किस तरह नरसिंह भगवान आधे मानव और आधे शेर के अवतार में प्रकट हुए और हिरण्यकश्यप का वध किया। उसके वरदान के अनुसार ही वर्ष में 12 माह की जगह 13 माह किए गए। यह हर तीन साल बाद आता है। इसे आप लीप ईयर की तरह ही मान सकते हैं।

अमेरिका में शूटिंग के दौरान घायल हुए शाहरुख खान

नाक और चेहरे पर आई चोट, मुंबई लाए गए: हालत ठीक

शाहरुख खान पिछले कुछ दिनों से अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। शूटिंग के दौरान हुए हादसे से शाहरुख खान घायल हो गए हैं। उनकी नाक और चेहरे में गहरी चोट आई है। हादसे के बाद शाहरुख की एक माइनर सर्जरी हुई। हालत में सुधार होने के बाद उन्हें मुंबई वापस लाया गया है।

रईस फिल्म की शूटिंग के दौरान भी लगी थी चोट

31 साल के इस लंबे करियर में शाहरुख खान कई बार शूटिंग के दौरान चोटिल हुए हैं। 2017 में रईस की शूटिंग के दौरान उनके घुटने और चेहरे में चोट लग गई थी जिसके बाद उन्हें माइनर सर्जरी करवानी पड़ी थी। 2013 में फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस की शूटिंग खत्म हो जाने के बाद उन्होंने 8 सर्जरी करवाई थीं। 2009 में भी चोट लगने पर उनके बाएं कंधे की सर्जरी हुई थी।

शाहरुख खान के पास कई बड़ी फिल्में

इस साल की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म पठान देने के बाद शाहरुख खान की 3 बड़ी फिल्में 2023 में ही रिलीज होंगीं। इनमें जवान, डंकी शामिल हैं। वहीं सलमान खान की टाइगर 3 में भी शाहरुख खान का कैमियो होने वाला है। फिल्म जवान की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसका पोस्ट प्रोडक्शन जारी है। ये फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु भाषा में 7 सितंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने वाली है।

बेस्टफ्रेंड शनाया कपूर के साथ नजर आईं सुहाना खान

मूवी देखने पहुंचे दोनों, बॉन्डिंग देख फैंस ने की तारीफ

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान इन दिनों अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सुहाना को उनकी बेस्ट फ्रेंड शनाया कपूर और शनाया के छोटे भाई जहान कपूर के साथ देखा गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपने दोस्तों के साथ मूवी नाइट एंजॉय करते हुए नजर आ रही हैं।

मूवी डेट पर निकले दोनों

वीडियो में सुहाना और शनाया को उनके छोटे भाई जहान कपूर के साथ एक मूवी थिएटर से बाहर निकलते देखा गया। इस दौरान दोनों कैजुअल लुक में नजर आए। सुहाना ने ब्लैक टी-शर्ट के साथ ग्रीन पैंट पहनी हुई है। वहीं शनाया व्हाइट टी-शर्ट और ब्लू डेनिम जीन्स में दिखाई दीं।

फैंस ने की तारीफ

वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बेस्टफ्रेंड गोल्स'। दूसरे ने लिखा, 'बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत लड़की'। तो वहीं तीसरे ने लिखा, 'शनाया कितनी क्यूट हैं।

'द आर्चिज' में नजर आएंगी सुहाना

बता दें, सुहाना जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चीज' से बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर, अगस्त्या नंदा, अदिति सहगल, वेदांग रैना, युवराज मेंदा और मिहिर आहूजा भी नजर आएंगे। द आर्चिज में 1964 की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

फिल्म योद्धा में लीड रोल में दिखेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पाटनी

सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर फिल्म योद्धा की रिलीज डेट एक बार आगे बढ़ा दी गई है। धर्मा प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी। अब फिल्म इस साल 15 दिसंबर को रिलीज होगी। सागर आम्ब्रे और पुष्कर ओझा फिल्म के डायरेक्टर हैं। फिल्म को करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिलीज डेट के बारे में बताते हुए धर्मा प्रोडक्शन ने कैप्शन में लिखा है- इस फ्रेंचाइजी की पहली एक्शन फिल्म योद्धा उड़ान भरने को तैयार है। डायरेक्टर सागर आम्ब्रे और पुष्कर ओझा की ये फिल्म 15 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म में दिशा पाटनी और राशी खन्ना लीड रोल में दिखेंगी।

ये तीसरी बार है जब फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई है। इसके पहले फिल्म 11 नवंबर 2022 को रिलीज होनी थी। इसके बाद फिल्ममेकर्स ने फिल्म को जुलाई 2023 और फिर 15 सितंबर तक के लिए पोस्टपोन कर दिया। अब फिल्म 15 दिसंबर को रिलीज होगी।

चाहता हूं कि जल्द से जल्द ऑडियंस तक पहुंचे योद्धा : सिद्धार्थ

मीडिया फिल्म के बारे में बात करते हुए सिद्धार्थ ने कहा था- एक आर्टिस्ट के तौर पर आप ऐसी फिल्मों में काम करना चाहते हैं जिन फिल्मों के जरिए आप ज्यादा से ज्यादा सीख सकें। मैं शुक्रगुजार हूं कि इस फिल्म ने मेरी पर्सनालिटी के बेहद अनछुए हिस्से को निखारा है। ऑडियंस और फैंस ने मुझे इतना प्यार दिया है कि मैं अपनी खुशी जाहिर नहीं कर सकता। मैं इंतजार कर रहा हूं कि जल्द से जल्द योद्धा उन तक पहुंच सके।

अजय देवगन ने मुंबई में खरीदा 45 करोड़ का ऑफिस

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन ने मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके में नया ऑफिस खरीदा है। 5 यूनिट ऑफिस वाली इस प्रॉपर्टी की कीमत 45 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

एक रिपोर्ट की मानें तो ओशिवारा स्थित सिग्नेचर बिल्डिंग की 16वें और 17वें फ्लोर पर खरीदे गए इस ऑफिस का टोटल स्पेस 13,293 स्क्वायर फीट है। हालांकि, अजय ने अब तक इन खबरों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

2.70 करोड़ की स्टाम्प इयूटी चुकाई

जहां 16वें फ्लोर पर ऑफिस की 3 यूनिट हैं और इनकी कीमत 30.35 करोड़ रुपए है। इसके लिए 1.82 करोड़ रुपए स्टाम्प ड्यूटी चुकाई गई है। वहीं 17वें फ्लोर पर इस ऑफिस की दो यूनिट हैं, जिनकी कीमत 14.74 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसके लिए 88.44 लाख रुपए की स्टाम्प ड्यूटी चुकाई गई है।

ओरिजिनल नाम से रजिस्टर्ड करवाई प्रॉपर्टी

अजय ने इस प्रॉपर्टी को अपने ओरिजिनल नाम विशाल वीरेंद्र देवगन के नाम से रजिस्टर्ड करवाया है। एक्टर के इस ऑफिस यूनिट खरीदने के 5 दिन पहले ही उनकी पत्नी और एक्ट्रेस काजोल ने 16.5 करोड़ रुपए का अपार्टमेंट खरीदा था। 2,493 स्क्वायर फीट के कार्पेट एरिया वाले इस अपार्टमेंट में 4 कार पार्किंग स्पॉट हैं।

दो साल पहले ही खरीदा था 47 करोड़ का बंगला

मनीकंट्रोल की ही एक रिपोर्ट के मुताबिक दो साल पहले ही अजय ने मुंबई के जुहू में एक बंगला खरीदा था। 474.4 स्क्वायर मीटर में फैले इस बंगले की कीमत 47.5 करोड़ रुपए थी।

'मैदान' के लिए तलाश रहे सही रिलीज डेट

वर्क फ्रंट की बात करें तो अजय की फिल्म 'भोला' हाल ही में रिलीज हुई है। उन्होंने हाल ही में अभिषेक कपूर की अगली फिल्म के लिए शूटिंग शुरू की है। इसमें उनके साथ भतीजे अमान देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी नजर आएंगी। इसके अलावा अजय फिल्म 'मैदान' के लिए सही रिलीज डेट तलाश रहे हैं।

बॉलीवुड फिल्म '72 हूरें' के मेकर्स के खिलाफ थाने में दर्ज कराई शिकायत, फिल्म को बताया मुस्लिमों के खिलाफ

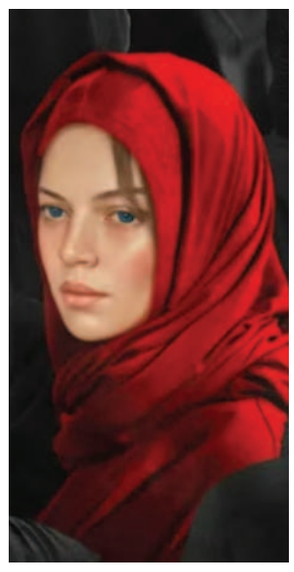

बॉलीवुड फिल्म '72 हूरें' रिलीज से पहले ही विवादों में घिर चुकी है. 'द केरल स्टोरी' की तरह इस फिल्म पर भी मुस्लिम समुदाय द्वारा उनकी छवि को खराब करने का आरोप लगाया गया है. इस सिलसिले में अब मुंबई के गोरेगांव पुलिस स्टेशन में '72 हूरें' के निर्माताओं और निर्देशक के खिलाफ एक शिकायत भी दी गई है.

फिल्म के खिलाफ पुलिस स्टेशन पहुंचे शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि '72 हूरें' में मुस्लिम समुदाय की गलत छवि दिखाई गई है. हालांकि इस शिकायत पर अभी फिल्म मेकर्स की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है, लेकिन ये पहली फिल्म नहीं जो रिलीज से पहले ही विवादों का सामना कर रही है.

गौतलब है कि इसी तरह का विवाद अदा शर्मा स्टारर फिल्म 'द केरल स्टोरी' को लेकर भी खड़ा हुआ था, फिल्म को बैन कराने तक की मांग हुई थी. हालांकि 'द केरल स्टोरी' दुनियाभर में रिलीज हुई और कमाई के मामले में भी कई रिकॉर्ड बनाए. अब '72 हूरें' को लेकर भी ऐसा ही कुछ माहौल देखने को मिला रहा है. फिल्म 72 हूरों की उस कल्पना पर आधारित है, जिसका लालच देकर आतंवाद के सरगना, दुनियाभर में आतंकवादी तैयार करते हैं. फिल्म को सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दे दिया है, इसके अलावा '72 हूरें' की स्पेशल स्क्रीनिंग दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में भी दिखाई जाएगी.

'72 हूरें' को संजय पूरन सिंह ने डायरेक्टर किया है, साथ ही इसके सह-निर्माता अशोक पंडित और निर्माता कैप्टन गुलाब सिंह तंवर है.

फिल्म में एक्टर पवन मल्होत्रा मुख्य किरदार में नजर आएंगे. पुलिस स्टेशन में दी गई शिकायत में फिल्म के निर्देशक और निर्माताओं का नाम दिया गया है. पुलिस की तरफ से इस मामले में स्टेटमेंट जारी नहीं किया गया है. '72 हूरें' इसी महीने 7 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

बिग बॉस से बाहर निकलने पर आकांक्षा का रिएक्शन

कहा- मुझे शो में सपोर्ट नहीं मिला टास्क जीतने के लिए किया था किस

बिग बॉस ओटीटी से आकांक्षा पुरी एविक्ट हो चुकी हैं। आकांक्षा अपने गेम शो से ज्यादा शो में किस करने को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी में रहीं। टास्क के दौरान आकांक्षा को जद हदीद को किस करना था। दोनों ने कैमरे के सामने 30 सेकेंड तक किस किया, जिसके बाद इस पर काफी विवाद हो गया है।

मुझे इस बात का दुःख है की मैं जल्दी घर से बाहर आ गई, खुश तो नहीं हूं। मैंने ये बिल्कुल नहीं सोचा था की मैं इतनी जल्दी घर से बाहर आ जाउंगी। ये जर्नी टफ थी। हां, मुझे लगता हैं की डेफिनिटेली घर से एक खूबसूरती तो बाहर आ गई।

मैं बहुत टफ हूं, घर के अंदर मैंने कई चैलेंजेज का सामना करना पड़ा, मैंने कभी हार नहीं मानी भले ही वो दो दिन मेरा शो में लेट आना हुआ और वो इस रीजन से की आप बहुत परफेक्ट हैं। आप पिक्चर परफेक्ट हैं इसीलिए आप अंदर नहीं जा सकते हैं, ये वजह देकर मुझे अंदर नहीं लिया गया। उसके बाद, तीन दिन जेल में रखा गया।

जहां लोगों की एक दिन में ही तबीयत खराब हो जाती थी, वहां मैं तीन दिन थी बिना पंखे के। गार्डन में कितने सारे कीड़े होते थे, वाशरूम में भी एक बाल्टी और मग्गा दिया गया था और दो वक्त का ही खाना दिया जा रहा था। मैं अपना वर्कआउट कभी नहीं छोड़ती, लेकिन वो मुझे छोड़ना पड़ा।

मेरा सफर बहुत ही कठिन रहा। मुझे बहुत टार्गेटेड महसूस हुआ। मैं इससे बिल्कुल खुश नहीं हूं। मुझे लगता है की पहले दिन से ही शो मेरे खिलाफ था, क्या वो मेरा आना चाहते ही नहीं थे? वो मुझे कहते थे की मैं मिस इंडिया कंटेस्टेंट्स की तरह परफेक्ट लगती हूं, इतना परफेक्ट आप कैसे हो सकती हैं? दो दिन तक मुझे घर के अंदर जाने नहीं दिया। मेरी रैंकिंग बदली गई, फेक अलर्ट किए गए। हां, मैंने स्ट्रगल नहीं देखा है और ये सच्चाई है।

मुझे पता था की बिग बॉस में ऐसा होता है लेकिन सुनना और देखना अलग बात होती है। लोग मेरे भावनाओं का मजाक उड़ाते थे, मुझे फेक बोलते थे। मुझे नकली और जो चिल्ला रहा है उसे सही मानते थे। ये बात मुझे बिल्कुल समझ नहीं आई। मेरे साथ कोई नहीं था, मैंने अकेले खेला है। 14 दिन तक मैं फर्श पर सोकर आई हूं, एक गद्दा भी नहीं था। मुझे दुख है की ये सब मेरे साथ हुआ।

घर के अंदर कौन फेक है?

घर में सभी फेक हैं और इसीलिए वो घर के अंदर हैं, बाकी सब घर के बाहर हैं। हम कोई करैक्टर लेकर नहीं गए थे शो के अंदर। सबसे ज्यादा फेक बेबीका धुर्वे हैं। वो एक करैक्टर प्ले कर रही हैं वैंप का। मुझे वो बहुत ही फेक लगती हैं। शायद यह उनके गेम प्लान हैं।

सलमान खान जद हदीद और आपके किस को लेकर काफी नाराज हुए, इसपर क्या कहना है?

वो सिर्फ एक टास्क था, जो मैं अपनी पूरी की पूरी टीम के लिए खेल रही थी और उस वक्त मैं नॉमिनेटेड थी। मुझे फाइनली, एक परफॉर्म करने के लिए टास्क मिला था। भले ही वो किस करना था या अंडा खाना। मैंने पूरी शिद्दत से अपना टास्क पूरा करना चाहा था।

30 सेकंड का किस एक टास्क था, ऐसा नहीं था की मैं अपने बॉयफ्रेंड को कोने में लेकर जाकर नेशनल टीवी पर किस कर रही हूं। मैंने सिर्फ एक आर्टिस्ट होने के नाते किया था। मेरे लिए किसी को किस करना कोई बड़ी बात नहीं थी। मेरी टीम जीत गई थी। मैं खुश हूं की मैंने अपना 100 पर्सेंट दिया। खुश हूं की मुझे ऐसा मौका मिला।

सलमान खान के साथ अनुभव कैसा रहा?

इसमें मुझे लगता है की लगी-बची, लगी-बची जैसा माहौल था और मेरे साथ तो सिर्फ लगी ही थी। मैं बिल्कुल खुश नहीं हूं, मुझे बिल्कुल भी सपोर्ट नहीं किया गया। आने से पहले भी मुझे बिना कुछ बोले ही एक्टिविटी रूम से निकाल दिया गया।

सलमान सर ने भी सिर्फ कहा कि आकांक्षा आप एलिमिनेट हो गईं, आल द बेस्ट आपके फ्यूचर के लिए और बाय। स्क्रीन ऑफ हो गई, मैं उन्हें रिप्लाई भी नहीं कर पाई। किसी कंटेस्टेंट से भी बात नहीं हो पाई। मुझे अपना एविक्शन बहुत अजीब लगा। घर के अंदर लोग आपको रियलिटी क्वीन बुलाते थे। इस बात का बहुत बड़ा मुद्दा बनाया गया। मैं पहले गेस्ट बनकर आई थी, फिर चैलेंजर, घर के अंदर मैं आज तक नहीं गई हूं। मैंने कभी गेम नहीं खेला। मैंने सिर्फ एक रियलिटी शो किया था, मीका की वोटी जो इससे बहुत अलग है, मैं रियलिटी क्वीन कैसे बन गई?

अगर वाइल्ड कार्ड एंट्री का मौका मिले तो?

मुझे नहीं लगता की मुझे वाइल्ड कार्ड एंट्री का मौका मिलेगा क्योंकि बहुत कम ऐपिसोड बचे हैं। अगर गई भी तो सिर्फ10 दिन के लिए जाउगी, तो फिर से जाना मेरे लिए सही डिसिशन नहीं होगा।

आगे की क्या प्लानिंग हैं?

मैं अब जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आउंगी। साथ ही दो म्यूजिक ऐल्बम में भी हैं, जो 10 दिन के अंदर ही रिलीज होंगे।

शहनाज गिल के प्यार में पागल था लड़का, सबको दी थी ऐसी धमकी

'बिग बॉस सीजन 13' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस शहनाज इन दिनों नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ अपने म्यूजिक वीडियो 'यार का सताया हुआ है' को लेकर चर्चा में है. ये वीडियो हाल ही में आया है और फैंस इसे पसंद कर रहे हैं. ऐसे में इस म्यूजिक वीडियो के प्रमोशन के दौरान हाल ही में शहनाज गिल ने फिर से अपने प्यार वाले रिश्तों पर से पर्दा उठाया है और कई सारी बातें शेयर की हैं. एक्ट्रेस ने अपने पास्ट रिलेशनशिप पर दर्द बयां किया है.

प्यार में मिला है धोखा- शहनाज

शहनाज गिल ने इसी इंटरव्यू में खुलासा किया है कि उन्होंने कभी भी किसी को प्यार में धोखा नहीं दिया है, लेकिन उन्हें कई बार मिला है. इंस्टैंट बॉलीवुड के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने कहा 'मैंने आज तक किसी को धोखा नहीं दिया है, लेकिन सबने मुझे दिया है। जो-जो गया है, मुझे छोड़कर गया है, क्योंकि जब आपको इंसान का पता चल जाता है कि उसका दो या तीन जगह चल रहा है तो इंसान खुद ही पीछे हट जाता है। वरना मैंने आज तक किसी को कभी धोखा नहीं दिया'

पास्ट रिलेशनशिप पर खुलकर बोली शहनाज

शहनाज गिल ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में फिर से अपने प्यार वाली जिंदगी पर बात की है और इस बार उन्होंने अपने स्कूल के दिनों को याद किया है और बेहद कमाल का किस्सा शेयर किया है. दरअसल एक्ट्रेस ने अपने पास्ट रिलेशनशिप पर दर्द बयां किया है और इंस्टैंट बॉलीवुड को दिए इंटरव्यू में पुराने प्यार को याद करते हुए शहनाज ने बताया कि कैसे स्कूल के दिनों में उनपर एक लड़का फिदा हो गया था और उसने हर किसी को धमकी तक दे रखी थी.

स्कूल के दिनों में शहनाज पर मरता था लड़का

दरअसल शहनाज गिल ने एक इंटरव्यू में अपने पास्ट रिश्ते पर बात करते हुए कहा कि 'मैं एक नए स्कूल में गई थी और वहां पर एक लड़का था जिसपर हर कोई फिदा था. हालांकि वो किसी पर लाइन नहीं मारता थे, लेकिन लड़कियां उसपर मरती थी और वो मुझपर मरता था. मैं नई थी, इसलिए मुझे चीजें समझ में नहीं आई लेकिन उसने सबको कह दिया था कि हर कोई मुझे दूर रहे और कोई भी मुझे नोटबुक शेयर ना करे सारा कुछ वहीं करता था.'

वो मुझसे प्यार करता था- शहनाज

शहनाज ने आगे बताया कि 'वो मुझे नोटबुक देता था और मेरी मदद करता था और मुझे बाकि लड़कियों ने कहा कि वो तुमसे प्यार करता है और किसी को देखता तक नहीं है. वो बेहद अच्छा था और वह क्लास में सबसे बुद्धिमान था और उनका सारा होमवर्क करता था. ऐसे में टीचर भी उसे पसंद करते थे और कभी भी टीचर मुझपर हाथ छोड़ने वाले होते थे तो वो मना कर देता था.'

करण कुंद्रा संग शादी को लेकर तेजस्वी प्रकाश के ये है प्लान

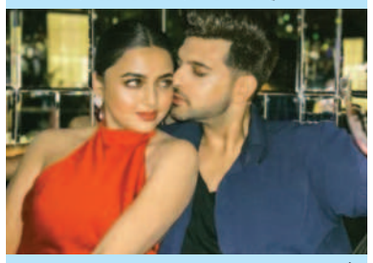

छोटे पर्दे के कपल्स की बात हो और तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा का ज़िक्र न आए ऐसा नहीं हो सकता. बिग बॉस के दौरान करीब आई ये जोड़ी आज दर्शकों के पंसदीदा बन गई है और फैंस इन्हें प्यार से तेजरन कहकर पुकारते हैं.इसके साथ ही दोनों एक साथ एक म्यूजिक वीडियो 'बारिश आई है' में भी एक साथ नजर आए थे. फैंस को दोनों की केमिस्ट्री काफी पसंद आई थी. इसके साथ ही कपल से उनकी शादी के बारे में अक्सर पूछा जाता है. मगर अब तेजस्वी ने इसे लेकर एक खुलासा किया है. अपने रिश्ते पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि एक्ट्रेस इस रिश्ते में काफी सुरक्षित महसूस करती हैं।

फेशियल के बाद भूलकर भी न करें ये गलतियां वरना चेहरे पर चमक हो सकती है खराब

अक्सर हम स्किन का ग्लो बरकरार रखने के लिए फेशियल कराते हैं। लेकिन इसको कराने के बाद कुछ गलतियां कर देते हैं जिसके कारण स्किन की चमक गायब होने लगती है।

जब भी हमारी स्किन डल लगने लगती है तो उसकी केयर करने के लिए हम महंगे ट्रीटमेंट लेना शुरू करते हैं। इनमें से एक है फेशियल जिसको करना हर महिला को पसंद होता है। फेशियल करवाने से स्किन की डीप क्लींजिंग हो जाती है, जिससे चेहरे की चमक वापस आ जाती है। इसको कराने के लिए हम कई हजारों पैसे खर्च करते हैं।

फिर भी चेहरे पर दाने और रैशेज होने लगते हैं। ये फेशियल के कारण नहीं होते बल्कि फेशियल कराने के बाद जिन बातों का हमें ध्यान रखना चाहिए। उन्हें इग्नोर करने के कारण होते हैं। इससे स्किन और ज्यादा बेकार दिखने लगती है। इसलिए जब भी फेशियल कराएं तो इससे पहले इन बातों को जान लें, ताकि आपसे भूलकर भी ये गलतियां न हो।

फेसवॉश न करें

कई बार ऐसा होता है कि हम फेशियल कराने के कुछ समय बाद ही अपने फेस को वॉश कर लेते हैं। ऐसी गलती भूलकर भी न करें। इससे आपके चेहरे पर दाने हो सकते हैं। इसलिए फेस वॉश करने के लिए कम से कम 24 घंटे का समय लें। इसके बाद फेस पर साबुन का इस्तेमाल करें। अगर आपको स्किन को साफ ही करना है तो इसके लिए आप गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन फ्रेश रहेगी। साथ ही आपको फेस वॉश करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

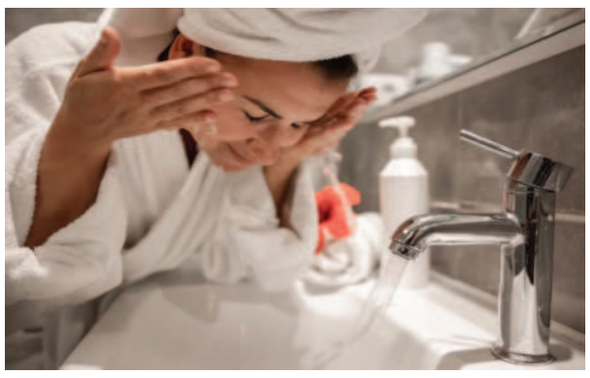

फेशियल के बाद न कराएं थ्रेडिंग

जब भी हम पार्लर जाते हैं तो सारा काम एक साथ कराकर ही आते हैं। जिसकी वजह से हम ये भूल जाते हैं कि कुछ चीजें हैं जिनके बीच में गैप रखना जरूरी होता है। अगर आप इस बार फेशियल (फेशियल मिस्टेक) कराने जा रही हैं तो इस बात का ध्यान रखें की कभी भी फेशियल को करने के बाद थ्रेडिंग न कराएं। ऐसा इसलिए क्योंकि फेशियल के बाद स्किन सॉफ्ट हो जाती है अगर इसके बाद चेहरे पर थ्रेड का इस्तेमाल होगा तो कट लगने के चांस सबसे ज्यादा हो जाते हैं। कोशिश करें कि इससे पहले आप थ्रेडिंग बनवा लें। वरना थोड़े दिनों के बाद कराएं।

फेशियल कराने के बाद तुरंत धूप में न निकलें

कई बार होता है कि हम फेशियल कराने के बाद बाहर घूमने निकलें जाते हैं। इसकी वजह से भी हमारी स्किन (स्किन को हेल्दी रखने का तरीका) को दिक्कत होने लगती है। धूप और धूल मिट्टी के कारण स्किन पर रैशेज होने शुरू हो जाते हैं। इसलिए कभी भी फेशियल कराने के बाद बाहर तेज धूप में न निकलें। टिप्सः 2 से 3 घंटे के गैप के बाद बाहर जाएं।

ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करने से पहले इन बातों का जरूर रखें ध्यान

आजकल हर कोई ऑनलाइन लेनदेन करता है। छोटे मोटे काम से लेकर बच्चों की फीस भरने तक, हर एक काम के लिए हम ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करना ज्यादा बेहतर समझते हैं। बता दें कि एक तरफ जहां ऑनलाइन पेमेंट करना सुविधाजनक है। वहीं, इसके कुछ नुकसान भी हैं। आइए जानते हैं सुरक्षित ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कैसे करना चाहिए।

ओटीपी जरूर सेट करें

यदि आप लेनदेन को सुरक्षित बनाना चाहते हैं, तो ओटीपी जरूर सेट करें। ओटीपी के बिना कोई भी आपके बैंक से ट्रांजैक्शन नहीं कर पाता है। दरअसल होता यह है कि बहुत बार आपके क्रेडिट कार्ड की डिटेल गलत हाथों में चली जाती है। ओटीपी सेट करने पर आपकी डिटेल हासिल करने के बाद भी आपके साथ कोई फ्रॉड नहीं कर पाएगा।

पोर्टल का रखें ध्यान

आजकल तरह-तरह के ऑनलाइन पोर्टल आपको देखने के लिए मिल जाएंगे। किसी भी पोर्टल पर जाकर ट्रांजैक्शन करने से पहले, यह जरूर चेक करें कि वो विश्वसनीय है या नहीं। गलत पोर्टल पर जानकारी मिलने पर आपके साथ धोखाधड़ी हो सकती है।

डिवाइस का रखें ध्यान

बहुत बार जब हम ट्रांजेक्शन करते हैं, तो एक सवाल पॉप होता है कि क्या आपको जानकारी सेव करनी है। कोशिश करें कि आप डिटेल्स को सेव ना करें। साथ ही पर्सनल डिवाइस के अलावा किसी और डिवाइस से भी ऑनलाइन भुगतान ना करें।

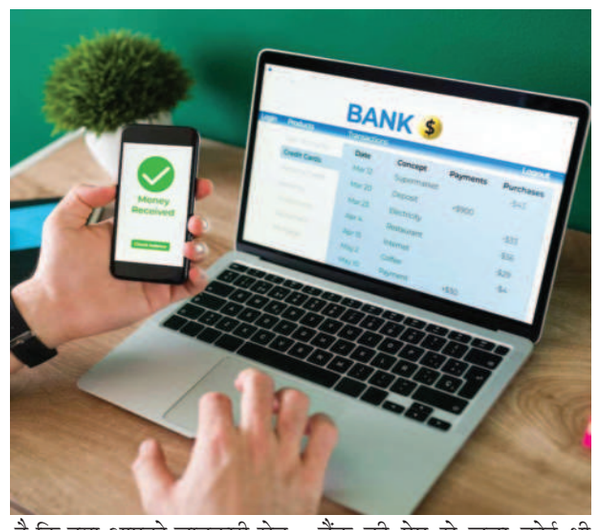

एनईएफटी है बेहतर विकल्प

बता दें कि आजकल अधिकतर लोग यूपीआई की सहायता से ट्रांजैक्शन करते हैं। हालांकि, यूपीआई के मुकाबले एनईएफटी से पेमेंट करना ज्यादा सुरक्षित है।

पासवर्ड ना करें शेयर

इन सभी टिप्स के अलावा बैंक की ऐप से जुड़ा कोई भी पासवर्ड साझा ना करें। साथ ही किसी और के फोन में खुद के बैंक अकाउंट को लॉगिन करने से भी बचें।

अगर हमारी स्टोरी से जुड़े आपके सवाल हैं, तो आप हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको यह स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें। ऐसी ही अन्य स्टोरी पढ़ने के लिए जुड़े रहें हर जिंदगी के साथ।

चूड़ीदार सूट के साथ बेस्ट लगेंगे ये फुटवियर, लुक को बनाएंगे स्टाइलिश

सूट को अलग-अलग तरीके से स्टाइल करना हर किसी को पसंद होता है। इसके साथ हम एक्सेसरीज, बैग, हेयर स्टाइल और मेकअप को ट्राई करते हैं ताकि हम खूबसूरत नजर आए। लेकिन एक कमी फिर भी रह जाती है। वो कमी है अच्छे फुटवियर की अगर वो अच्छे नहीं होंगे तो हम कभी भी कम्फर्टेबल फील नहीं क र

पा एं गे । इसलिए कोशिश करें कि आउटफिट के साथ ऐसे आउटफिट को स्टाइल करें जो दिखने में भी स्टाइलिश हो और पहनने के बाद पैरों को आराम दें। इसी तरह के फुटवियर को आप अपने चूड़ीदार सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं और हर एक इवेंट पर ट्राई कर सकती हैं।

टो स्लीपर्स

अगर आपको ट्रेडिशनल लुक पसंद है तो इसको बरकरार रखने के लिए टो स्लीपर को स्टाइल कर सकती हैं। ये हर एक ट्रेंडी स्टाइल में आती है साथ ही पहनने में भी काफी कंफर्टेबल होती है। इसमें आपको अलग-अलग तरह के डिजाइन वाले स्लीपर्स आते हैं जैसे- कलरफुल प्रिंट, गुजराती प्रिंट, सिंपल और हैवी वर्क वाले टो स्लीपर भी मिलते हैं। इस तरीके के स्लीपर डिजाइन सबसे ज्यादा आपको ऑनलाइन मिलेंगे। जिसे आप अपने चूड़ीदार सूट के डिजाइन और कलर के हिसाब से ऑर्डर कर सकती हैं।

वेजेस हील्स

हील्स अलग-अलग तरह की होती है। लेकिन हर लड़की अपने कम्फर्ट जोन के हिसाब से इन्हें पहनना पसंद करती है। ऐसे में आप चूड़ीदार सूट के साथ वेजेस हील्स को स्टाइल कर सकती हैं। ये काफी कंफर्टेबल होती है साथ ही पहनने के बाद काफी स्टाइलिश लगती हैं। इसमें आप अलग-अलग तरह के वेजेस को ट्राई कर सकती हैं। चूड़ीदार के साथ सिंपल वेजेस को स्टाइल करें वो ज्यादा बेहतर रहेगा। इन्हें आप ऑनलाइन और मार्केट दोनों जगहों से खरीद सकती हैं।

टैन ब्लॉक हील्स

अगर आपको बंद जूतियां पहनने का शौक है तो आप इसके लिए टैन ब्लॉक हील्स को स्टाइल कर सकती हैं। ये भी चूड़ीदार सूट के साथ काफी अच्छी लगती है। ये उन लोगों के लिए काफी अच्छी होती है जिनका पंजा आगे से चौड़ा होता है। इसमें उनके पैर के आगे का हिस्सा छुप जाता है और पैर अजीब नहीं लगते हैं। इसमें आप अलग-अलग डिजाइन के स्टाइल वाले हील्स को पहनकर अपने लुक को परफेक्ट बना सकती हैं।

ब्लॉक हील्स

कई महिलाएं होती हैं जिन्हें हील्स पहनने का काफी शौक होता है अगर आप भी इसी तरह के शौक रखती हैं तो इस बार चूड़ीदार सूट (चूड़ीदार सूट को स्टाइल करने का तरीका) के साथ ब्लॉक हील्स को ट्राई करें। इस तरह का लुक पार्टी या फिर किसी फंक्शन के लिए बिल्कुल परफेक्ट होता है। इसके लिए आप अलग-अलग तरह के ऑप्शन को ट्राई कर सकती हैं।

मानसून में ड्राइविंग करते समय रखें इन बातों का ध्यान

बारिश के कारण गाड़ी के स्लिप होने के चांस और अधिक बढ़ जाते हैं। इस मौसम में गाड़ी चलाने में सबसे ज्यादा कठिनाई होती है, साथ ही विजिबिलिटी भी कम हो जाती है। अगर आप इस मौसम ड्राइविंग करने जा रही हैं तो उससे पहले आपको कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

1)अनजान रास्ते से न जाएं

आपको कभी भी मानसून में अनजान रास्ते पर ड्राइव करने से बचना चाहिए। अक्सर लोग शॉर्टकट लेने के चक्कर में अनजान रास्ते को चुन लेते हैं और फिर उन्हें खराब रोड या फिर गड्ढों का सामना करना पड़ता है। भारी बारिश के कारण ये रास्ते अधिक खराब हो जाते हैं इसलिए बेहतर होगा कि आप मानसून में जल्दी के चक्कर में अनजान रास्ते को न चुनें।

2)लाइट्स का यूज करें

तेज बारिश के दौरान दूर की चीजें सही से दिखाई नहीं देती, ऐसे में कार की हेड लाइट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। लाइट की वजह आपकी कार दूसरे लोगों को दूर से ही दिखाई देगी। यदि आपके कार में डेटाइम रनिंग लाइट है तो आप उसका प्रयोग भी कर सकती हैं।

3)डिफॉगर यूज करें

बारिश में पानी से विंडो धुंधली हो जाने से बाहर की चीजें साफ नहीं दिखाई देती हैं। इस समस्या से बचने के लिए वाइपर के साथ डिफॉगर और एसी का यूज करना चाहिए।

इसके अलावा आपको विंडो को समय-समय पर साफ करते रहना चाहिए ताकि आपको बाहर सही से नजर आए। इसके साथ ही आपको रात में कार चलाते समय हैजार्ड लाइट्स को ऑन रखना चाहिए।

4)तेज स्पीड में ड्राइव न करें

बारिश के मौसम का लुफ्त उठाने के चक्कर में आपको तेज स्पीड में ड्राइव नहीं करना चाहिए। इसके अलावा आपको कार में एक एक्स्ट्रा टायर जरूर रखना चाहिए। इससे गाड़ी के टायर में यदि कोई दिक्कत होगी तो आप उसे तुरंत बदल पाएंगी।

5)वाइपर यूज करें

बारिश में वाइपर की स्पीड को फुल पर रखने से पानी तेजी से हट जाता है। आपको वाइपर की स्पीड को बारिश की तेजी के हिसाब से ही रखना चाहिए। बारिश के मौसम से पहले वाइपर ब्लैड्स को जरूर बदलवाएं ताकि कार चलाते समय आपको किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इन बातों का ध्यान आपको मानसून में कार चलाते समय ध्यान रखना चाहिए। इस आर्टिकल के बारे में अपनी राय भी आप हमें कमेंट बॉक्स में जरूर बताएं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो, तो इसे शेयर जरूर करें और इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

40 की उम्र में दिखना है 30 की तो इन मेकअप टिप्स को करें फॉलो

मेकअप करने के लिए आपको सबसे पहले स्किन केयर पर ध्यान देना चाहिए ताकि चेहरे पर किया हुआ मेकअप फ्लॉलेस नजर आए। इसके लिए आप सबसे पहले अपनी स्किन टाइप को जरूर जान लें।

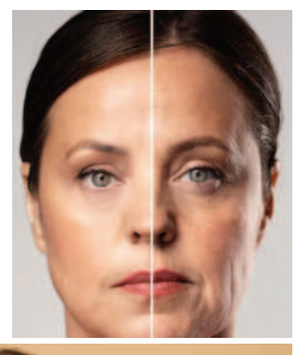

उम्र चाहे कोई भी हो या फंक्शन चाहे कोई भी हो, मेकअप करना हम सभी काफी पसंद करते हैं। इसके लिए हमें ढेर सारे लुक्स भी आसानी से मिल जाएंगे। वहीं क्या आप जानती हैं कि बढ़ती उम्र में मेकअप करने के लिए कुछ टिप्स और ट्रिक्स होती हैं, जिसे सही तरीके से फॉलो न करने पर आपका मेकअप लुक बिगड़ सकता है।

हम आपको बताने वाले हैं कुछ ऐसे मेकअप टिप्स जिसे फॉलो कर 40 की उम्र में आप 30 साल की नजर आ सकती हैं। साथ ही बताएंगे मेकअप से जुड़े कुछ खास टिप्स जिसे आपका लुक दिखेगा बेहद खूबसूरत।

कलर के लिए

चेहरे पर मेकअप करने के लिए अक्सर हम सबसे पहले आउटफिट के कलर से मिलता-जुलता कलर पैलेट लेकर मेकअप करते हैं। बता दें कि अब वो दौर जा चुका है, जब आउटफिट के कलर का आई शैडो हम आंखों के ऊपर लगाया करते थे। आजकल नेचुरल लूकिंग मेकअप या न्यूड मेकअप ही ट्रेंड में नजर आ रहा है। इसके अलावा आप चाहे तो पीच कलर पैलेट से भी कई तरह के मेकअप लुक क्रिएट कर सकती हैं।

इस तरह करें ब्लेंड

मेकअप में ब्लेंडिंग का रोल बेहद अहम होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि चेहरे पर जब हम किसी भी मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं तो उसे ब्लेंड करना बेहद जरूरी होता है ताकि प्रोडक्ट की लाइन्स चेहरे के ऊपर न नजर आए और आपका मेकअप लुक फ्लॉलेस नजर आए। इसके लिए आप ब्यूटी ब्लेंडर का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं ब्यूटी ब्लेंडर को आप पानी की मदद से गिला कर निचोड़ कर यानी डेब करके ही इस्तेमाल करें। इसके आलावा आई मेकअप को आप ब्लेंडिंग ब्रश यानी फ्लफी ब्रश की मदद से ब्लेंड कर लें।

शिमर को करें अवॉयड

एक समय के बाद आंखों के ऊपर फिनर लाइन्स नजर आने लगती हैं, जिसके कारण हैवी आई मेकअप आंखों पर लम्बे समय तक नहीं टिक पाता है। वहीं अगर आप ऐसी आई लिड पर शिमर पार्टिकल्स का इस्तेमाल करेंगी तो मेकअप खूबसूरत दिखने की जगह भद्दा नजर आने लगेगा। अगर आप थोड़ा-बहुत शिमर आंखों के ऊपर इस्तेमाल करना चाहती हैं तो बारीक साइज के शिमर को चुन सकती हैं। इसे आप ग्लिटर ग्लू की मदद लेकर अपने हाथों की उंगलियों की टिप्स के जरिये आई लिड्स पर लगा सकती हैं।

अगर आपको 40 साल की उम्र में 30 की दिखने के लिए मेकअप करने के आसान टिप्स पसंद आए हों तो इस आर्टिकल को शेयर करना न भूलें। साथ ही, इस आर्टिकल पर अपनी राय हमें नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में जरूर बताएं। ऐसे अन्य आर्टिकल पढ़ने के लिए हरजिंदगी को फॉलो करें।

मल्टीकलर दुपट्टे को प्लेन कुर्ती के साथ स्टाइल करते वक्त न करें ये गलतियां

प्लेन कुर्ती को आप प्लाजो, पैंट्स, पजामी या फिर जींस के साथ पहन सकती हैं। आमतौर पर जब लड़कियां प्लेन कुर्ती को जींस के साथ पहनती हैं तो यह काफी कैजुअल लुक देता है। वहीं अगर आप इसे प्लाजो, पैंट्स या पजामी के साथ पहनती हैं, तो ये आपको एथनिक लुक दे सकता है। इस लुक को आप मल्टीकलर दुपट्टे के साथ पूरा कर सकती हैं। प्लेन कुर्ती के साथ मल्टीकलर दुपट्टा बहुत खूबसूरत लगता है। खासकर, अगर आपका कुर्ता काले या सफेद रंग का है, तो इस पर मल्टीकलर दुपट्टा खूब जचेगा। हालांकि इसे स्टाइल करते वक्त अगर आप कुछ गलतियां करेंगी, तो आपका पूरा लुक खराब हो सकता है। आइए आपको बताते हैं कि मल्टीकलर दुपट्टे को प्लेन कुर्ती के साथ स्टाइल करते वक्त आपको किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

सिल्वर इयररिंग्स को करें पेयर

अगर आप प्लेन कुर्ती के साथ मल्टीकलर दुपट्टा पहन रही हैं, तो इयररिंग्स सिल्वर लें। ज्यादातर लड़कियां मल्टीकलर दुपट्टे को स्टाइल करते वक्त

इयररिंग्स भी मल्टीकलर पहन लेती हैं, जिससे पूरा लुक खराब हो जाता है। खासकर, अगर आप हैवी वर्क वाले मल्टीकलर दुपट्टे को पहन रही हैं, तो सिल्वर या फिर सिंगल कलर वाले इयररिंग्स के साथ इसे पेयर करें।

नेकपीस को ऐसे करें कैरी

मल्टीकलर दुपट्टे के साथ हैवी नेकपीस की जगह हल्की सिल्वर चेन के साथ स्टाइल करें। हैवी वर्क वाले मल्टीकलर दुपट्टे के साथ अगर आप गले में भी कुछ हैवी पहन रही हैं, तो आपका लुक खराब हो सकता है। मल्टीकलर दुपट्टे में प्रिंटेड, बांधनी, सिल्क वाले कई ऑप्शन्स आपको मिल जाएंगे। इसे आप सिंगल चेन या मल्टीलेयर वाली सिल्वर चेन के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

कुर्ते को इस तरह सिलवाएं

मल्टीकलर दुपट्टे, प्लेन कुर्ते के साथ अच्छे लगते हैं लेकिन कुर्ते को सिलवाते वक्त आपको कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए। पफी स्लीव्स, मल्टीकलर दुपट्टे के साथ अच्छी नहीं लगती हैं। वहीं अगर आप स्लीवलेस कुर्ता सिलवाएंगी तो इसके साथ मल्टीकलर दुपट्टा काफी अच्छा लगेगा। अगर आपकी बाजू हैवी (हैवी बाजू के लिए ब्लाउज) हैं तो आप कुर्ते को फुल स्लीव्स के साथ भी सिलवा सकती हैं।

बालों का ऐसे करें स्टाइल

मल्टीकलर दुपट्टे और प्लेन कुर्ते के साथ आप मेसी बन बना सकती हैं। इसके साथ हाई पोनी अच्छी नहीं लगेगी। आप मेसी बन को स्टाइल करें। इससे बालों को वॉल्यूम मिलेगा और लुक अच्छा आएगा। वहीं, अगर आप पोनी बनाएंगी तो ये आपके लुक को अच्छे से कॉम्पलिमेंट नहीं करेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने की बजट घोषणाओं के क्रियान्वन की समीक्षा

बैठक में वित्त मंत्रालय के आला अधिकारी हुए शामिल

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। नए वित्त वर्ष के तीन महीने पूरे हो चुके हैं।अप्रैल से जून की पहली तिमाही खत्म हो चुकी है।वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही के खत्म होने के साथ ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने वित्त मंत्रालय के आला अधिकारियों के साथ मौजूदा वित्त वर्ष के बजट घोषणाओं के क्रियान्वन की स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक की है।वित्त मंत्री ने समीक्षा के महत्व को रेंखाकित करते हुए कहा कि अलग अलग बजट घोषणाओं को समयबद्ध तरीके से लागू करने और उसी प्रगति का निरंतर मूल्यांकन करना बेहद जरुरी है।इस रिव्यू बैठक में आर्थिक मामलों के सचिव, वित्तीय मामलों के सचिव, दीपम के सचिव के अलावा कॉरपोरेट मामलों के सचिव और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।मौजूदा वित्त वर्ष में मोदी सरकार ने 45,03,097 लाख करोड़ रुपये खर्च करने का लक्ष्य रखा है।जिसमें से रेवेन्यू एक्सेंडिचर 35,02,136 लाख करोड़ रुपये है।इस वर्ष बजट में पहली बार आधारभूत ढांचे की मजबूती के लिए कैपिटल एक्सपेंडिचर के मद में 10 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान किया गया था जो 2022-23 के मुकाबले 37.4 फीसदी ज्यादा है।सड़क परिवहन मंत्रालय को 2,70,435 करोड़ रुपये और रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस वर्ष रेलवे में 100 नई योजनाओं को शुरू करने का लक्ष्य है।प्रधानमंत्री कौशल विकास योजन 4.0 की शुरुआत करने के साथ देश में 30 'स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर' स्थापित करने का भी लक्ष्य है।और इन तमाम घोषणाओं की वास्विक स्थिति का वित्त मंत्री ने बैठक में जाएजा लिया है।

अब अंतरिम बजट पेश करने का अवसर

दरअसल मौजूदा वित्त वर्ष मोदी सरकार के लिए बेहद मायने रखता है।इस वित्त वर्ष के लिए पूर्ण बजट पेश करने का आखिरी मौका था। 2024 में लोकसभा चुनाव होगा।उसके पहले मोदी सरकार के पास अंतरिम बजट ही पेश कर जाएगी।अंतरिम बजट इसलिए पेश किया जाता है क्योंकि नई सरकार के गठन और उसके द्वारा बजट पेश करने तक सरकार का कामकाज सुचारू रूप से चल सके, सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों को समय पर वेतन और पेंशन मिलता रहे।अंतरिम बजट में मोदी सरकार के लिए बड़ी घोषणाएं करना संभव नहीं है।अंतरिम बजट पेश होने के कुछ ही दिनों बाद देश में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आचार सहिंता भी लागू हो जाएगा।

देशभर में बढ़े टमाटर समेत इन सब्जियों के दाम

जानें राहत के लिए किस राज्य ने क्या कदम उठाया?

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। टमाटर की कीमतों देशभर में आसमान छू रही हैं। कई दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में टमाटर की कीमतों 150 से 180 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई हैं। टमाटर के साथ-साथ अन्य सब्जियों की कीमतों में उछाल आया है। पश्चिम बंगाल में सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं और मिर्च तथा टमाटर में पिछले एक पखवाड़े में 200 प्रतिशत से अधिक की भारी वृद्धि देखी गई है।

टमाटर के अलावा अन्य सब्जियों की कीमतों में 30 से 50 फीसदी का इजाफा

कुछ हफ्ते पहले जो टमाटर 40 से 50 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, अब उसकी कीमत 130-150 रुपये हो गई है। हरी मिर्च अब 300-350 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है, जो एक सप्ताह पहले 150 रुपये प्रति किलोग्राम थी। अन्य सब्जियों की कीमतों में 30-50 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। व्यापारियों के संगठन के एक अधिकारी ने कहा कि जिन जिलों में सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं, वहां भी स्थिति अलग नहीं है। श्चिम बंगाल वेंडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कमल डे ने कहा कि अत्यधिक गर्मी और बारिश की कमी के कारण कीमतों में वृद्धि हुई है।

कहीं गर्मी तो कहीं बारिश से प्रभावित हुए फसल, इसलिए बढ़ीं कीमतें

उन्होंने कहा, फसलें सूख गई हैं और मुरझा गई हैं, जिससे सब्जियों की कमी हो गई है। डे ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एक पखवाड़े के भीतर कीमतें कम हो जाएंगी, क्योंकि मानसून की बारिश से फसलों के पुनर्जीवित करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, वर्तमान में सभी टमाटर दक्षिणी राज्यों से आते हैं और वहां मौसम के कारण फसल प्रभावित हुए हैं इस कारण पूरा देश संकट का सामना कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगले 10-14 दिनों में टमाटर की नई फसल बाजार में आने की उम्मीद है।

सब्जियों की कीमतों पर नियंत्रण के लिए बंगाल सरकार ने उठाया ये कदम

पश्चिम बंगाल सरकार ने पहले ही इस मुद्दे का संज्ञान लिया है और अपने स्वयं के खुदरा नेटवर्क, सुफल बांग्ला को शहर में उचित मूल्य की सब्जियां वितरित करने का निर्देश दिया है। सुफल बांग्ला टमाटर के लिए 115 रुपये प्रति किलोग्राम और हरी मिर्च के लिए 240 रुपये प्रति किलोग्राम का शुल्क ले रहा था।

मूल्य वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब देश मुद्रास्फीति में कमी की उम्मीद कर रहा था। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 4.25% प्रतिशत रही जो अप्रैल में 4.7 प्रतिशत थी। सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि ने घरेलू बजट पर और दबाव डाला है। यदि मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के लक्षित स्तर के भीतर नहीं रहती है तो यह आरबीआई की ओर से दरों में कटौती को भी पटरी से उतार सकता है।

आधार कार्ड एक्सपायर हो जाए तो क्या करें? ऐसे चेक करें वैलिडिटी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। आधार कार्ड हर जगह यूज किया जाने वाला दस्तावेज है।इसके बिना आप कई सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे।आधार कार्ड का यूज हर जगह किया जा सकता है।बैंक से लेकर स्कूल एडमिशन तक आधार कार्ड के बिना नहीं हो सकता है।हालांकि कुछ आधार कार्ड एक्सपायर भी होते हैं।अगर आपका आधार कार्ड एक्सपायर हो जाता है तो आपको क्या करना चाहिए और किस आधार कार्ड की कितने दिनों तक की वैलिडिटी होती है..।आइए जानते हैं पूरी डिटेल्स आधार कार्ड को सत्यापित करके चेक कर सकते हैं आपका आधार कार्ड बैध है या नहीं।

रतन टाटा ने ट्वीट करके की एक मार्मिक अपील

जानें किसके बारे में है ये कदम

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। देश के दिग्गज उद्योगपति और टाटा संस के चेयरमैन ऐमिरेट्स रतन टाटा ने एक ट्वीट के जरिए मार्मिक अपील की है।इस ट्वीट में उन्होंने मुंबई में बरसात के महीने में सड़क पर रहने वाले कुत्तों और बिल्लियों के लिए ध्यान रखने की अपील की है।रतन टाटा ने एक ट्वीट के जरिए आवारा पशुओं के लिए भी मानवता दिखाने के लिए कहा है।रतन टाटा ने अब से कुछ देर पहले एक ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा है कि - अब जब मानसून का महीना आ चुका है, बहुत से आवारा कुत्ते और बिल्लियां हमारी कारों के नीचे शरण लेते हैं।लिहाजा अब अपनी कारों को स्टार्ट करने से पहले उनके नीचे चेक करना जरूरी है जिससे शरण लिए हुए जानवरों को घायल होने से बचाया जा सके।अगर ऐसा नहीं करते हैं तो वो गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं, विकलांग हो सकते हैं और अगर उनकी उपस्थिति का हमें पता नहीं चलता है तो हमारी असावधानी से उनकी मौत तक हो सकती है।यह काफी मानवतापूर्ण होगा यदि इस बारिश के मौसम में हम सभी उन्हें अस्थायी आश्रयस्थल प्रदान कर।गौरतलब है कि रतन टाटा सड़क पर रहने वाले जानवरों के प्रति काफी संवेदनशील हैं और पहले भी कई तरह की उनकी मदद की खबरें आती रहती हैं।यहां तक कि उनके सहायक शांतनु नायडू का कनेक्शन स्ट्रे डॉग्स यानी सड़क पर रहने वाले कुत्तों के साथ है और वो उनके लिए काम कर चुके हैं।शांतनु नायडू का स्ट्रे डॉग्स के लिए किया गया कार्य टाटा ग्रुप ऑफ कंपनीज के न्यूजलेटर में प्रकाशित हुआ था।शांतनु नायडू ने रतन टाटा को आवारा कुत्तों की मदद के संदर्भ में एक पत्र लिखा और उन्हें बेहद आश्चर्य हुआ जब रतन टाटा का साइन किया हुआ लेटर उन्हें मिला।उसके बाद रतन टाटा ने शांतनु नायडू से मुलाकात की और उनके काम को सराहा।

कमर्शियल एलपीजी गैस की कीमत में बढ़ोतरी

7 रुपये बढ़े प्रति सिलेंडर के दाम

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी हुई है।तेल कंपनियों ने एक सिलेंडर की कीमत 7 रुपये बढ़ा दी है। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।इसकी कीमत काफी समय से स्थिर बनी हुई है।दिल्ली में अब कमर्शियल गैस सिलेंडर यानी 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर का खुदरा मूल्य 1,773 रुपये से बढ़कर 1,780 रुपये प्रति सिलेंडर हो चुका है।कमर्शियल गैस सिलेंडर में बढ़ोतरी एक जुलाई से प्रभावी होगी।इससे पहले जून के दौरान कमर्शियल गैस की कीमतों में इजाफा किया गया था, लेकिन रसोई गैस वाले 14.2 किलो वाले सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ था।अभी मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1733.50 रुपये है, जो जून में 1725 रुपये प्रति किलो था।कोलकाता में कमर्शियल गैस की कीमत 1895.50 रुपये प्रति सिलेंडर है।वहीं चेन्नई में कमर्शियल एलपीजी गैस 1945 रुपये प्रति सिलेंडर हो चुका है।कोलकाता में जून के दौरान 1875.50 रुपये थे और चेन्नई में 19 किलो वाले सिलेंडर की कीमत 1937 रुपये थे।देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले शहर मुंबई में रसोई गैस सिलेंडर के दाम 1102.50 रुपये हैं।कोलकाता में एक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 1129 रुपये है।इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, चेन्नई में एक एलपीजी रसोई गैस सिलेंडर 1118.50 रुपये रखा गया है।वहीं दिल्ली में रसोई गैस की कीमत 1103 रुपये है।गौरतलब है कि इस साल मार्च में रसोई गैस की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई थी। कमर्शियल सिलेंडर के दाम में सरकार ने कई बार बढ़ोतरी की है।पिछले महीने जून के दौरान कमर्शियल यूज वाले सिलेंडर के दाम 83 रुपये कम हुए थे।वहीं मई में कमर्शियल सिलेंडर घटकर 1856.50 रुपये पर पहुंच गई थी।अप्रैल के दौरान एक कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2028 रुपये पर पहुंची थी, जबकि मार्च में 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत सबसे ज्यादा बढ़कर 2119.50 रुपये पर थी।वहीं जनवरी और फरवरी में इसकी कीमत 1769 रुपये पर थी।

सोना खरीदना है तो जेब करनी पड़ेगी ढीली

आज इतने चढ़ गए गोल्ड-सिल्वर के दाम

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कमोडिटी बाजार में आज उत्साह देखा जा रहा है क्योंकि सोना और चांदी दोनों कीमती मेटल्स में बढ़िया तेजी दर्ज की जा रही है।वहीं सर्राफा बाजार में रिटेल खरीदारों को आज सोना और चांदी का सामान खरीदने के लिए ज्यादा खर्च करना पड़ेगा।सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं आज उछाल के साथ बिक रही हैं।

एमसीएक्स पर सोने के दाम जानिए

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना आज 57 रुपये की तेजी के साथ 0.10 फीसदी चढ़कर कारोबार कर रहा है।एमसीएक्स पर सोना 58334 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।इसके नीचे के दाम आज 58265 रुपये पर और ऊपर के दाम 58346 रुपये प्रति 10 ग्राम तक गए थे।सोने के ये दाम इसके अगस्त वायदा के लिए हैं।

एमसीएक्स पर चांदी की कीमतों का हाल जानिए

एमसीएक्स पर चांदी आज 141 रुपये या 0.20 फीसदी की मजबूती के साथ कारोबार कर रही है।चांदी के रेट आज 70430 रुपये प्रति किलो पर हैं और इसमें नीचे की तरफ अभी तक 70300 रुपये तक के रेट दिख चुके हैं।इसके अलावा आज के ट्रेड में अभी तक चांदी के रेट ऊपर में 70449 रुपये प्रति किलो तक जा चुके हैं।चांदी के ये दाम इसके सितंबर वायदा के लिए हैं।

रिटेल बाजार में भी चढ़े हैं सोने के दाम

रिटेल बाजार में भी आज सोना और चांदी के दाम में उछाल देखा जा रहा है।देश की राजधानी दिल्ली में सोना 100 रुपये की तेजी के साथ 59,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।आर्थिक राजधानी मुंबई में सोना 100 रुपये की बढ़त के साथ 59,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर मिल रहा है।कोलकाता में सोने के रेट 100 रुपये चढ़कर 59,060 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं।वहीं चेन्नई में सोना आज 160 रुपये की उछाल के साथ 59460 रुपये प्रति 10 ग्राम पर मिल रहा है।

बैंकिंग-आईटी स्टॉक्स में खरीदारी के चलते रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार, निफ्टी आईटी में 300 अंकों की उछाल

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। मंगलवार का कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार फिर रिकॉर्ड ऊंचाई पर जाकर बंद हुआ है।आईटी और बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी के चलते बीएसई सेंसेक्स 274 अंकों के उछाल के साथ 65,479 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 66 अंकों के उछाल के साथ 19,389 अंकों पर क्लोज हुआ है।आज के ट्रेड में बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी देखी गई।जिसके चलते बैंक निफ्टी रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ है।बैंक निफ्टी 145 अंक या 0.32 फीसदी के उछाल के साथ 45,301 अंकों पर बंद हुआ है।निफ्टी आईटी में 305 अंकों या 1.04 फीसदी की उछाल देखी गई।इसके अलावा फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के स्टॉक्स में उछाल के साथ बंद हुए।जबकि ऑटो, ऑयल एंड गैस, एनर्जी, मेटल्स सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है।आज के ट्रेड में जहां मिड कैप सेक्टर के स्टॉक्स में गिरावट रही वहीं स्मॉल कैप सेयरों में खरीदारी देखने को मिली है।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 19 शेयर तेजी के साथ तो 11 गिरकर बंद हुए।जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 30 शेयर तेजी के साथ तो 20 गिरकर बंद हुए।आज के कारोबार में बजाज फाइनैंस और बजाज फिनसर्व बाजार का स्टॉर परफॉर्मर रहा।बजाज फाइनैंस 7.17 फीसदी और बजाज फिनसर्व 5.76 फीसदी के उछाल के साथ 1629 रुपये पर बंद हुआ है।टेक महिंद्रा 2.39 फीसदी, सन फार्मा 1.61 फीसदी, एनटीपीसी 1.54 फीसदी, टाइटन कंपनी 1.39 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ।जबकि भारती एयरटेल 1.54 फीसदी, एक्सिस बैंक 1.18 फीसदी, रिलायंस 1.04 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

लेटलतीफी के मामले में पहले नंबर पर स्पाइसजेट

मई महीने में एयरलाइन की 39% फ्लाइट्स डिले रहीं, पंक्चुअलिटी में 5वें नंबर पर पहुंची एअर इंडिया

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते एविएशन मार्केट इंडिया में स्पाइसजेट लिमिटेड लेटलतीफी के मामले में पहले नंबर पर है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के अनुसार, मई महीने में देश के 4 सबसे बड़े एयरपोर्ट्स (मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद) से स्पाइसजेट की 61% फ्लाइट्स ही समय पर रवाना हुईं हैं।इसका मतलब यह है कि मई महीने में स्पाइसजेट की 39% फ्लाइट्स ऐसी थीं, जिससे सफर करने वाले पैसेंजर्स समय पर अपने डेस्टिनेशंस पर नहीं पहुंच पाए। वहीं अप्रैल महीने में स्पाइसजेट की 70% फ्लाइट्स ही समय पर रवाना हुईं थीं। यानी उस महीने 30% फ्लाइट्स डिले रही थीं। इस हिसाब से देखा जाए तो मई महीने में स्पाइसजेट की फ्लाइट्स और ज्यादा पिछड़ गई हैं।स्पाइसजेट हर दिन करीब 250 से ज्यादा फ्लाइट्स ऑपरेट करती है। देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन एअर इंडिया भी समय की पाबंदी के मामले में दूसरे से 5वें नंबर पर खिसक गई है। एअर इंडिया की फ्लाइट्स मई महीने में अप्रैल की तुलना में लगभग दोगुना डिले हुई हैं। एक साल से भी कम समय पहले लॉन्च हुई अकासा एयर मई महीने में सबसे ज्यादा समय पर चलने वाली एयरलाइन रही। हालांकि, एक महीने पहले यानी अप्रैल की तुलना में इसका प्रदर्शन भी गिरा है।

साल 2023 में दुनिया के 500 अमीरों ने कमाए 852 अरब डॉलर

एलन मस्क टॉप पर तो अडानी को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के 500 सबसे अमीर लोगों ने इस साल 852 अरब डॉलर की कमाई की है।इसमें सबसे ज्यादा कमाई करने वाले व्यक्ति एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग हैं।वही सबसे ज्यादा नुकसान गौतम अडानी को हुआ है।ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक, दुनिया के 500 अमीरों में से हर व्यक्ति ने पिछले छह महीनों में प्रति दिन एवरेज 14 मिलियन डॉलर की कमाई की है।2020 की पिछली छमाही के बाद से यह अरबपतियों के लिए सबसे अच्छा साल रहा है।वह भी ऐसे समय में जब देश आर्थिक मंदी की स्थिति से गुजर रहा है।अरबपतियों की कमाई पर मंदी और बैंकों के ब्याज दरों का असर नहीं हुआ है, क्योंकि स्टॉक मार्केट में अच्छी रैली देखी गई है।स्टॉक मार्केट में रैली के कारण इनके नेटवर्थ में इजाफा हुआ है।

एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग ने की इतनी कमाई

वहीं इस साल एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग ने सबसे ज्यादा कमाई की है।एलन मस्क ने 30 जून तक अपनी कुल संपत्ति में 96.6 अरब डॉलर जोड़े, जबकि मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक के सीईओ जुकरबर्ग ने 58.9 अरब डॉलर की बढ़त हासिल की है।

गौतम अडानी को कितना नुकसान

छह महीने की अवधि में गौतम अडानी की कुल संपत्ति में सबसे अधिक 60.2 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है।अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी ने किसी अरबपति का सबसे बड़ा नुकसान दर्ज किया, 27 जनवरी को ही करीब 20.8 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था।ऐसा इसलिए क्योंकि अरबपति के कंपनी पर हिंडनबर्ग ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया था।

एक ही दिन में 13 अरब डॉलर की कमाई

एलन मस्क के लिए संपत्ति में बढ़ोतरी जुलाई में ज्यादा हुई है, क्योंकि सोमवार को न्यूयॉर्क में टेस्ला के शेयरों में 6.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिससे उनकी संपत्ति में 13 बिलियन डॉलर की एक्स्ट्रा बढ़ोतरी की है।वहीं साल 2022 के दौरान टेस्ला के सीईओ की संपत्ति में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124

सूर्योदय- 05-50
सूर्य अस्त- 18-50

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मेष--	00-43 बजे
चंद्र-	मकर में	वृष--	02-28 बजे
मंगल	सिंह में	मिथुन..	04-29 बजे
बुध-	मिथुन पें	कर्क...	06-41 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	08-53 बजे
शुक्र-	कर्क में	कन्या..	11-00 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	13-05 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	15-15 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	17-28 बजे
		मकर..	19-35 बजे
		कुंभ...	21-26 बजे
		मीन ..	23-04 बजे

दिशाशूल --उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - 10 -02 तक उपरान्त तृतीया
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष , बुधवार July 05
नक्षत्र - उ.षाढा - 02- 55 - तक उपरान्त श्रवण
योग - वैधृति - 07 - 46 - तक उप विष्कुंभ
करण- गर - 10 -02 - तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:21 से 13:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	05:50 - 07:26	शुभ	उत्पात	18:50 - 20:15	अशुभ
अमृत.	07:26 - 09:04	शुभ	शुभ	20:15 - 21:37	शुभ
काल.	09:04 - 10:42	अशुभ	अमृत	21:37 - 22:59	शुभ
शुभ.	10:42 - 12:21	शुभ	चंचल	22:59 - 00:21	शुभ
रोग	12:21 - 13:59	अशुभ	रोग	00:21 - 01:43	अशुभ
उत्पात	13:59 - 15:37	अशुभ	काल	01:43 - 03:04	अशुभ
चंचल	15:37 - 17:15	शुभ	लाभ	03:04 - 04:26	शुभ
लाभ	17:15 - 18:50	शुभ	उत्पात	04:26 - 05:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे । लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे । अच्छे से स्थिति समझें,आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें । अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा और आपको जल्दी ख़ुशी मिलेगी ।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप किसी करीबी को कोई सलाह देंगे और वह इसे बहुत कृतज्ञता के साथ स्वीकार करेगा । आप आज बहुत अच्छे और नरम मूड में हैं ,आज का दिन अपने पुराने दोस्तों से सम्पर्क स्थापित करने के लिए बहुत अच्छा है। अपने किसी पुराने स्कूल के दोस्त से फोन पर बाते क्र लें,आपको बहुत अच्छा लगेगा । पिछले मतभेदों को भुलाकर आगे बढने के लिए भी अच्छा समय है ।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं। इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके। इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें ,आपको किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं ।अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा । आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है । आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा । हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी ।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आपके परिवारवालों को नजदीकी संबंधियों से होने वाली परेशानी के कारण आपको भी प्रतिबंधों का सामना करना होगा । ये लम्बे समय तक नही रहेंगे लेकिन आपको काफी प्रभावित करेंगे,इसीलिए इनके प्रभाव से बचने की कोशिश करें । आज आप कोई घरेलू उपयोग का उपकरण खरीदेंगे ,या घर की नियमित साफ़-सफाई के चलते कम उपयोगी सामान को बेच देंगें ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आलस के कारण अपने दिन को बिगड़ने न दें । अपनी प्राक्रतिक रचनात्मक ऊर्जा को बाहर निकालें और फिर आपका दिन आराम से अच्छा जायेगा । आपको अपने स्वास्थ्य और अपने निजी जीवन में भी व्यवस्था को बहल करने की आवश्यकता है । विकर्षित करने वाली चीजों पर ध्यान ना दें और वही कार्य पूरी एकाग्रता से करें जो आपके लिए लाभकारी हों ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें ।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे। यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बगावत करके सबसे युवा सीएम बने थे शरद पवार

कांग्रेस ने निकाला तो एनसीपी बनाई, अजित ने वही दांव पलट दिया

मुंबई, 4 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। महाराष्ट्र में रविवार को एक राजनीतिक भूकंप आया। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने बगावत कर दी और 8 विधायकों के साथ शिंदे सरकार में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। अजित ने एनसीपी पर भी दावा करके चाचा को वही घुट्टी पिलाई है, जो 83 वर्षीय शरद पवार अपने पॉलिटिकल करियर में कई बार कर चुके हैं। आज तीन किस्सों से जानेंगे कि कैसे शरद पवार ने बगावत की और राजनीति में सफलता की सीढ़ियां लगातार चढ़ते गए।

1978 में जब बगावत करके महाराष्ट्र के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने

साल 1977 की बात है। आपातकाल के बाद कांग्रेस दो गुटों इंदिरा की कांग्रेस (आई) और रेड्डी की कांग्रेस (यू) में बंट गई। शरद पवार कांग्रेस (यू) में शामिल हो गए। 1978 में जब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हुए तो दोनों कांग्रेस अलग-अलग लड़ीं। जनता पार्टी कुल 288 में से 99 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन बहुमत से पीछे रह गई। इंदिरा की कांग्रेस को 62 और रेड्डी कांग्रेस को 69 सीटें मिलीं। चुनाव के बाद दोनों कांग्रेस ने साथ मिलकर सरकार बनाई और मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल बने और नासिकराव तिरपुडे डिप्टी सीएम बने। सरकार के बनने के साथ ही कई नेताओं में असहमति भी बढ़ने लगी।

जुलाई 1978 में महाराष्ट्र के सीएम वसंतदादा पाटिल ने शरद पवार को घर पर खाने के लिए बुलाया। दरअसल, सीएम अपने युवा उद्योग मंत्री के साथ कुछ मुद्दों पर चर्चा करना चाहते थे। उमस भरी दोपहरी में शरद पवार सीएम के घर पहुंचे। उन्होंने उनके साथ कई मुद्दों पर चर्चा की और खाना खाया। जब घर से चलने की बात हुई तो उन्होंने सीएम पाटिल के सामने हाथ जोड़कर कहा- दादा अब मैं चलता हूं, कोई भूल चूक हो तो माफ करना। तब सीएम वसंत दादा कुछ समझे नहीं, लेकिन शाम होते होते राज्य सरकार में बगावत की बात सामने आने लगी। सरकार बने हुए साढ़े चार महीने ही हुए थे कि शरद पवार ने 40 विधायकों के साथ बगावत कर दी। इससे गठबंधन सरकार गिर गई। शरद पवार की महत्वाकांक्षा सीएम बनने की थी।

उन्होंने अपनी 'सोशलिस्ट कांग्रेस' की ओर से जनता दल के साथ सरकार बनाने की पहल की। 18 जुलाई 1978 में शरद पवार 38 साल की उम्र में 'प्रोग्रेसिव डेमोक्रेटिक पार्टी' यानी प्रलोद की सरकार बनने के साथ महाराष्ट्र के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने। हालांकि ये सरकार ज्यादा दिन नहीं चल सकी। जनता पार्टी में फूट पड़ गई। इंदिरा गांधी की सिफारिश पर डेढ़ साल बाद ही महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया और पवार की पहली सरकार को बर्खास्त कर दिया गया।

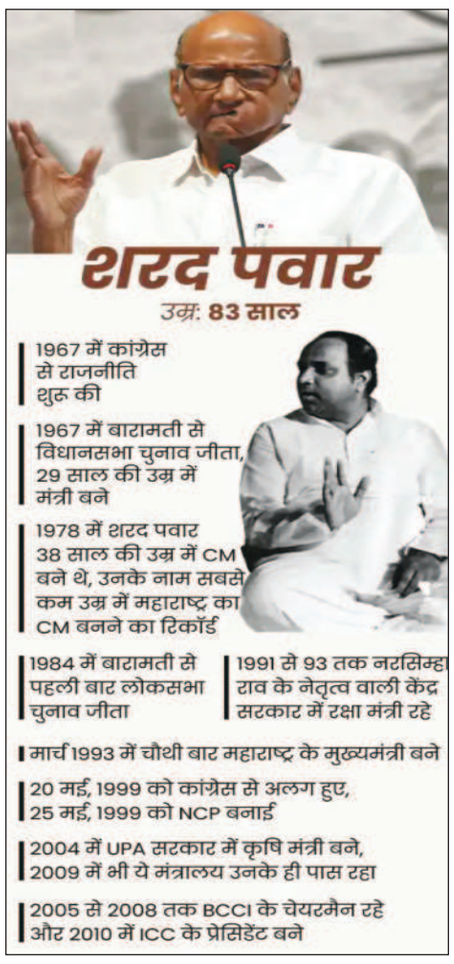

राजीव गांधी के करीब आए और दोबारा सीएम बने

1980 में महाराष्ट्र सरकार के बर्खास्त होने के बाद पवार लंबे समय तक सत्ता से बाहर रहे। हालांकि, इस दौरान महाराष्ट्र समेत देश में कई राजनीतिक बदलाव हुए। पंजाब में खालिस्तान आंदोलन बढ़ा और 1984 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या हो गई। साल 1984 में राजीव गांधी पीएम बने और कांग्रेस की कमान संभाली। यह वह दौर था जब कांग्रेस में युवा पीढ़ी को बढ़ावा दिया जा रहा था। पवार ने अपनी राजनीतिक आत्मकथा में लिखा है- 'राजीव गांधी ने कांग्रेस में वापस आने और साथ काम करने की इच्छा जताई थी।' हालांकि, महाराष्ट्र और कांग्रेस के कुछ नेता पवार की वापसी के खिलाफ थे। इसी दौरान राजीव गांधी की आंधी के सामने पवार 1984 में पहली बार बारामती से लोकसभा सांसद बने। साल 1986 में राजीव गांधी के कहने पर वह कांग्रेस में लौट आए और महाराष्ट्र में फिर से सक्रिय हो गए। यह वह दौर था जब महाराष्ट्र में शिवसेना का प्रभाव बढ़ रहा था। ऐसे में कांग्रेस को राज्य में शरद के रूप में एक युवा नेतृत्व की जरूरत भी थी। 1988 में राजीव गांधी ने शंकरराव चव्हाण को अपने केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया और शरद पवार दूसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने।

1999 में सोनिया गांधी के विरोध से अस्तित्व में आई एनसीपी

साल 1995 आते-आते गठबंधनों का दौर शुरू होता है। महाराष्ट्र में बीजेपी-शिवसेना गठबंधन मिलकर सरकार बनाते हैं। ऐसे में पवार एक बार फिर से केंद्र की राजनीति में सक्रिय होते हैं और दिल्ली पहुंच जाते हैं। अप्रैल 1996 में देश में लोकसभा चुनाव हुए। बीजेपी भले ही सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन सरकार बनाने लायक उसके पास संख्या नहीं थी।

इस लोकसभा चुनाव में ज्यादातर सीटें क्षेत्रीय पार्टियों के पास चली गईं। लोकसभा की कुल 543 सीटों में से 129 सीटों पर क्षेत्रीय दलों का कब्जा हो गया। यहीं से क्षेत्रीय दलों के दबदबे की राजनीति शुरू हुई। पवार कांग्रेस की ओर से लोकसभा में विपक्ष के नेता बने। कहा गया कि गठबंधन के इस दौर में पवार दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की दौड़ में करीब पहुंचे थे।

कांग्रेस बहुमत में नहीं थी, लेकिन उसके समर्थन से सरकारें बन रही थीं। हालांकि, सोनिया गांधी के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं रहे। इसकी वजह उस वक्त के कई सीनियर कांग्रेस नेता थे। इसी बीच सोनिया गांधी ने सक्रिय राजनीति में आने का फैसला किया और फिर कांग्रेस के अंदर का गणित भी बदल गया।

कांग्रेस के अंदर मौजूद एक बड़े वर्ग की राय थी कि सोनिया को प्रधानमंत्री बनना चाहिए। ऐसे में पवार को लगा कि अब उनका पीएम बनने का सपना पूरा होना मुश्किल है। ऐसे में 1999 में शरद पवार ने सोनिया के विदेशी मूल का मुद्दा उठाया और पीए संगमा और तारिक अनवर के साथ मिलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी बनाई। कांग्रेस में पवार की यह दूसरी बगावत थी।

अब 2 जुलाई 2023 को अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार को उन्हीं की पॉलिटिकल भाषा में जवाब दिया है। अब देखना ये है कि क्या इस बगावत से अजित पवार का पॉलिटिकल करियर भी मजबूत होगा।

नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में की ग्रामीण की हत्या

कांकेर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कोयलीबेड़ा थाना इलाके के जूंगड़ा गांव के एक व्यति की हत्या की जिम्मेदारी नक्सलियों ने ली। 26 जून को जूंगड़ा निवासी सनकू राम गोटा की हत्या कर नक्सलियों ने शव फेंक दिया था। पुलिस अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही थी। सप्ताह भर बाद नक्सलियों ने कोयलीबेड़ा-आलपरस मार्ग में बैनर पोस्टर लगाकर हत्या की जिम्मेदारी ली है। नक्सलियों ने मुखबिरी की शक में हत्या करना स्वीकार किया है। बैनर में लिखा है कि पार्टी का समाचार कोयलीबेड़ा थाने में देने के कारण मौत का घाट उतारा गया है। गौरतलब हो कि नक्सली जब किसी व्यक्ति को मुखबिरी के शव में हत्या करते है तो वही पर्चा छोड़ कर जाते है या दूसरे तीसरे दिन बैनर-पोस्टर लगाकर हत्या करने की जिम्मेदारी लेते है। सनकू राम गोटा की हत्या 26 जून को हुई थी, नक्सलियों ने इसकी जिम्मेदारी सप्ताह भर बाद ली है। कोयलीबेड़ा थाना प्रभारी ने बताया कि 26 जून को सुबह 11 बजे ग्राम जूंगड़ा के सनकु राम गोटा की हत्या की सूचना को लेकर सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीण थाना आए थे।

थाना स्टाफ, परिजनों के सहयोग से मृतक के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोयलिबेड़ा लाकर पोस्टमॉर्टम कराया गया।

धारदार हथियार से एमआर की हत्या

पड़ोसी बोला- घूर कर देखता था इसलिए मार डाला, कुछ दिनों बाद होने वाली थी शादी

रायपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में एक मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव का मर्डर हुआ है। टिकरापारा के मछली बाजार के पास पड़ोस में ही रहने वाले एक युवक ने त्रिशूल नुमा थारदार हाथियार से उसकी जान ले ली। इस मामले में पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के बीच हुए आपसी झगड़े की वजह से बात इस कदर बिगड़ी कि इस विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। इस वारदात में मारे गए युवक का नाम कंचन मल है। मूलतः बंगाल का रहने वाला कंचन यहां अपने माता-पिता के साथ रहता था। उसके पिता फूलों का व्यवसाय करते थे। 22 साल के दीपक नामदेवे के साथ कंचन का 1 साल पुराना झगड़ा था ।

झगड़े का बदला लेने के चक्कर में ही हत्या की गई। पूछताछ में दीपक ने पुलिस को बताया है कि पिछले साल दुर्गा विसर्जन के वक्त दोनों के बीच विवाद हुआ था। आरोपी दीपक ने कहा कि कंचन मुझे घूर-घूर कर देखा करता था। रात को आरोपी जब घर लौट रहा था तो मंदिर के पास उसे कंचन मिल गया दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इतने में आरोपी दीपक ने कंचन पर चाकू से वार कर दिया।

मोहल्ले में दौड़ा-दौड़ा कर मारा

नंदी चौक मछली बाजार के पास मंदिर के चबूतरे में आरोपी दीपक ने कंचन पर अटैक किया । बुरी तरह से जख्मी कंचन खुद को बचाने के लिए गलियों में भागता रहा और पीछे धारदार हथियार लेकर दीपक उसे दौड़ाता रहा। गलियां खून से लाल नजर आई। आखिरी वक्त में जब कंचन लोगों से मदद मांगने भाग रहा था तो उसके खून से सने पैरों के निशान भी गलियों में मौजूद हैं।

कंचन बुरी तरह से जख्मी होकर अपने एक पड़ोसी के चौखट पर जाकर बैठ गया । जहां फिर से दीपक ने उस पर वार किया। देर रात शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग भी जमा हुए यह देखकर दीपक भाग चुका था। फौरन स्थानीय लोग कंचन को अस्पताल लेकर गए जहां उसकी मौत हो गई । स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के बाद पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार किया । दीपक एग रोल सेंटर चलाता है । मोहल्ले में होने वाले पुराने झगड़ों में शामिल रहा है। अब इसके खिलाफ धारा 302 के तहत एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कंचन के पिता सुभाष चंद्र मल ने बताया कि हम कंचन की शादी की तैयारियां कर रहे थे । कुछ दिन बाद उसका विवाह होने वाला था। हम देर रात घर पर थे तब स्थानीय लोगों ने फोन करके बताया कि आपके बेटे को किसी ने चाकू मार दिया है।

नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम खाली

राइस मिलर्स ने दो महीने से जमा ही नहीं कराया

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 4 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में चावल का संकट हो गया है। नागरिक आपूर्ति निगम के गोदाम लगभग खाली पड़े हैं। शासन के नियमानुसार गोदामों में तीन माह का चावल होना चाहिए, लेकिन एक महीने का ही शेष बचा है। यानी कुल भंडारण क्षमता का एक तिहाई से भी कम चावल ही उपलब्ध है। इस महीने पीडीएस में बंटने के बाद चावल का स्टॉक ही नहीं बचेगा। यह संकट राइस मिलर्स के दो महीने से सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) चावल नहीं जमा करने से खड़ा हुआ है।

गोदामों की क्षमता 15600 टन, उपलब्ध सिर्फ 5000 टन

जिले के वेयर हाउस कारपोरेशन के गोदामों की भंडारण क्षमता 15600 मीट्रिक

टन है। उनमें करीब 5000 मीट्रिक टन चावल ही शेष है। जबकि जिले में प्रतिमाह करीब 34880 क्विंटल चावल का राशन दुकानों में भंडारण होता है। राइस मिलों द्वारा चावल जमा नहीं करने से स्थिति पूरी तरह बिगड़ गई है। नया चावल नहीं आने से स्टॉक की भरपाई नही हो सकी। कस्टम मिलिंग का अनुबंध करने के बाद राइस मिलरो को उठाए गए धान का चावल नागरिक आपूर्ति निगम को जमा करना होता है।

राइस मिलों से जब्त किया गया 2.05 टन चावल

महीनों से राइस मिलर्स ने चावल जमा करना बंद कर दिया या एकदम से कम कर दिया था। इसके चलते गोदामों में चावल की कमी हुई, तब प्रशासन ने मामले में संज्ञान लेते हुए नौ राइस मिलरो को चावल जमा करने के लिए लगातार नोटिस दिए। इसके बावजूद मिलर्स ने चावल जमा नहीं किए। इस पर राइस मिलों की जांच की गई। इसमें 80 मीट्रिक टन धान कम पाया गया। जिसके बाद राइस मिलरो के 2.05 लाख क्विंटल धान को जब्त किया गया। वहीं रासइ मिलर्स का कहना था कि, 60 परसेंट धान में टूटा होने से चावल जमा कर सके।

राइस मिलों पर चावल जमा करने का बना रहे दबाव

प्रशासन ने असंतुष्ट होकर इस जवाब को नकार दिया, लेकिन दोषी राइस मिलरों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की। जिला खाद्य अधिकारी श्वेता अग्रवाल ने बताया कि कि लगातार राइस मिलरो पर दबाव बना रहे हैं कि वे चावल जमा करें। इसके लिए बैठकें भी की गई और नोटिस भी दिया गया, पर राइस मिलर चावल जमा नहीं कर रहे हैं। इसके कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। प्रशासन एवं खाद्य विभाग लगातार मिलर्स पर दबाव बना रहा है कि दो दिन में चावल जमा करें। मिलर्स ने आश्वासन दिया है।

पुलिस कंट्रोल रूम में घुसा हाथी

जान बचाने छिपे कर्मचारी, कोरबा में महिला पर किया हमला

बालोद/कोरबा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लगातार हाथियों का उत्पात बढ़ता जा रहा है। अंबिकापुर, जशपुर, महासमुंद और कोरबा में उत्पात मचा रहे हाथी अब बालोद तक पहुंच गए हैं। दल से बिछड़कर एक हाथी सोमवार रात शहर में घुस आया। इसके चलते हड़कंप मच गया। हाथी पुलिस कंट्रोल रूम में घुस गया और वहां से साइबर सेल के दफ्तर जा पहुंचा। यह देखकर कर्मचारी जान बचाने के लिए अपने-अपने कार्यालय में छिप गए। वहीं दूसरी ओर कोरबा में फल बीनने गई महिला पर हाथी ने हमला कर दिया। हमले में महिला घायल हो गई है।

डेढ़ घंटे कंट्रोल रूम और आसपास घूमता रहा हाथी

दरअसल, बालोद शहर में तंदुला जलाशय से होता हुआ हाथी पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंच गया। दंतैल हाथी को सामने देख पुलिसकर्मी जान बचाने के लिए मेज-कुर्सी के नीचे छिप गए। रात करीब 9 बजे से 10.30 बजे तक हाथी वहीं इधर-उधर घूमता रहा। सबसे पहले आमापारा के लोक निर्माण विभाग के क्वार्टर और फिर वहां से पुलिस कंट्रोल रूम व साइबर सेल में पहुंच गया। वहां से निकलने के बाद मुख्य मार्ग होते हुए हाथी जुर्री पारा की ओर बढ़ गया। इसके चलते शहर में भी डर फैल गया।

हाथी को देख गेट किया बंद, अंदर फंसे साइबर सेल के कर्मचारी

पुलिस कर्मियों ने बताया कि सबसे पहले साइबर सेल के सहायक उप निरीक्षक धरम भुआर्य ने हाथी को देखा। इसके बाद अन्य लोगों जानकारी दी। समय रहते आधे कर्मचारी कार्यालय को छोड़कर निकलने में सफल हो गए, वहीं 15 से 20 कर्मचारी अंदर ही फंसे रहे। इसके बाद दोनों तरफ के चैनल गेट को बंद करके एक कमरे में छिपकर किसी तरह से पुलिसकर्मियों ने समय काटा। पुलिस कंट्रोल रूम में के पास ही कलेक्टर कुलदीप शर्मा का बंगला भी है। इसके चलते उसकी सुरक्षा बढ़ा दी गई।

लोहारा परिक्षेत्र के जंगल में पहुंचा हाथी

बताया जा रहा है कि, हांथी की वर्तमान लोकेशन कक्ष क्रमांक 288 आरएफ परिसर जाटादाह सहायक वृत्त गैंजी परिक्षेत्र लोहारा है। इसके बाद वन विभाग ने ग्राम बैहाकुआ, जाटादाह, शिवनी, पोपलाटोला, सहगांव, गैंजी, भालूकोंहा, कामता ऊरेटा, गुरामी, भरदा पिंगाल, मरईटोला बोईरडीह में अलर्ट किया है। टीम लगातार पेट्रोलिंग भी कर रही है। यह हाथी करीब तीन वर्षों से सक्रिय है।

बकरी की आंख ने ली शख्स की जान

सूरजपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। सूरजपुर जिले में बकरी की आंख कच्चा निगलने वाले एक शख्स की मौत हो गई। इससे पहले वो इसका मांस भी कच्चा ही खा रहा था। आंख व्यक्ति के गले में फंस गई, जिससे उसकी जान चली गई। घटना बसदेई चौकी क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, मृत व्यक्ति बागर सिंह (45 वर्ष) सूरजपुर जिले के मदनपुर गांव का रहने वाला था। वो अपने रिश्तेदारों और 2 दोस्तों के साथ खोपा धाम गया हुआ था। यहां उसके किसी रिश्तेदार ने मन्नत पूरी होने पर बकरे की बलि दी। मांस को प्रसाद रूप में ग्रहण करने के लिए रिश्तेदार ले गए। वहीं बागर और उसके 2 दोस्त बकरे के सिर को ले आए। यहां शराब भट्ठी से तीनों ने शराब खरीदी। मृतक बागर के साथी राकेश ने बताया कि तीनों खोपा धाम से सूरजपुर आ गए और यहां जमकर शराब पी। वे लोग बकरे का सिर बनाने के लिए जा ही रहे थे कि बागर ने कहा कि उसे कच्चा मांस ही खाना है। यहां तक कि बाकी साथियों ने भी उसे ऐसा करने से मना किया, लेकिन उसने किसी की भी बात नहीं मानी। उसने बकरे की आंख निकाली और खाने लगा। इसी दौरान आंख उसके गले में फंस गई। इससे सांस नली चोक हो गई। राकेश ने बताया कि उससे पानी पीने के लिए भी कहा, लेकिन उसने मना कर दिया।

काफी देर तक आंख बागर के गले में फंसी रही, लेकिन उसने पानी नहीं पिया, जिसके कारण दम घुटने से उसकी मौत हो गई। ग्रामीण के साथी फिर भी उसे सूरजपुर के जिला अस्पताल लेकर आए, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची।

12 घंटे का झारखंड बंद, संथाली में पढ़ाई की मांग

स्टेट और नेशनल हाइवे पर जला दिए टायर, बांस से घेरकर रोका मार्ग रेलवे ट्रैक पर बैठे कई लोग

जमशेदपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य में आदिवासी सामाजिक संगठनो ने संथाली भाषा का ओलचिकी लिपि में पुस्तकों का मुद्रण करने। इसी भाषा में पठन-पाठन आरंभ करने। संथाली शिक्षकों की बहाली करने और संथाली भाषा को प्रथम राजभाषा का दर्जा देने सहित कई मांगों को लेकर आज झारखंड बंद का आह्वान किया है। इनकी मांग ये भी है कि अलग से संथाली अकादमी का गठन किया जाए।

रेल मार्ग भी रोक

संगठन ओलचिकि हूल बैसी के कार्यकर्ता ने कई जगहों पर नेशनल और स्टेट हाइवे को बंद कर दिया है। जमशेदपुर में इसका सर्वाधिक असर दिखा। बंद समर्थकों ने सबसे पहले सुंदरनगर में टाटा चाइबासा रॉड को बंद किया। बीच सड़क पर टायर जला दिये और बांस से सड़क की बैरिकेडिंग कर दी है । बंदी के दौरान मंगलवार सुबह करीब 9: बजे हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग पारंपरिक हथियार से लैस होकर ढोल धमसा नगाड़ा के साथ चिरूगोड़ा रेलवे हाल्ट के समीप रेलवे ट्रैक पर आ गया तथा पूरी तरह से रेलवे ट्रैक को (रैल लाइन) जाम कर दिया।

सड़क मार्ग भी कई जगहों पर किया जाम

इसके साथ ही एनएच 18 सड़क चिरुगोड़ा के समीप सड़क के ऊपर टायर जलाकर तथा सड़क के ऊपर बांस रख कर हजारों कार्यकर्ता पारंपरिक हथियारों से लैस होकर सड़क का आवागमन पूरी तरह से ठप कर दिया गया। जाम इतना जबरदस्त था कि कोई भी बाइक को भी नहीं छोड़ा जा रहा था। छोटे-छोटे बच्चे के साथ कोई बाइक सवार सड़क के ऊपर जाम में फंसे हुए है। इस दौरान बंद करा रहे थे लोगों ने अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी भी कर रहे हैं। जाम स्थल पर जाम हटाने के लिए काफी संख्या में रेलवे पुलिस स्थानीय प्रशासन भी पहुंचे हुए हैं।

मंत्री बनीं बेबी देवी नहीं पढ़ सकीं शपथ पत्र तो हेमंत सरकार में नहीं मिला शिक्षा विभाग

रांची, 4 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो सिर्फ दसवीं पास थे। मंत्री बनने के बाद जगरनाथ महतो ने 11वीं में एडमिशन लिया और परीक्षा पास करने का मन बनाया। लेकिन कोरोना काल में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। लंबी बीमारी के बाद इस वर्ष 6 अप्रैल को उनका निधन हो गया। इंटर पास करने का उनका सपना अधूरा रह गया। जगरनाथ महतो के निधन के बाद डुमरी विधानसभा उपचुनाव के पहले ही उनकी पत्नी बेबी देवी को मंत्री के

रूप में शपथ दिलाई गई। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में बेबी देवी ठीक से शपथ पत्र नहीं पढ़ पाईं। जिसके बाद देर शाम विभागों का आवंटन हुआ, तो उन्हें सिर्फ उत्पाद और मद्य निषेध विभाग ही मिला। इससे पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि बेबी देवी को भी अपने पति की तरह उत्पाद और मद्य निषेध (शराब) के साथ शिक्षा विभाग की भी जिम्मेदारी मिलेगी। मंत्री बेबी देवी के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर झारखंड सरकार की ओर से लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई। शपथ ग्रहण समारोह का लाइव प्रसारण भी हो गया। लेकिन जिस तरह से बेबी देवी को शपथ लेने में परेशानियों का सामना करना पड़ा, उसे देखते हुए सूचना-जनसंपर्क विभाग के अधिकारी चिंतित हो उठे। आनन-फानन में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म से शपथ ग्रहण समारोह के वीडियो को हटा दिया गया। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री प्रदीप वर्मा का कहना है कि शपथ ग्रहण की संवैधानिक प्रक्रिया में शपथ पत्र को पढ़ना अनिवार्य है, ऐसे में सोमवार जो शपथ दिलाई गई, वह दर्शाता है कि शपथ की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार और राजभवन इस मामले को लेकर कानूनी विशेषज्ञों की सलाह लेकर उचित फैसला करे।

महिला की पीट-पीटकर हत्या

चतरा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा में एक महिला को पीट-पीटकर हत्या कर देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि 30 जून को सदर थाना क्षेत्र में स्थानीय लोगों के एक समूह और एक जोड़े के बीच झगड़ा हो गया। समूह के लोगों ने महिला उसके साथी की पिटाई कर दी। इसमें महिला और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि पिटाई में घायल महिला का मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति का इलाज चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

हड़ताली संविदा कर्मियों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

बीजापुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में हड़ताल पर बैठे संविदाकर्मियों ने मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया। नियमितीकरण की मांग कर रहे कर्मचारियों ने कहा कि, कुंभकर्णीय नींद में सोई सरकार को जगाएंगे। साढ़े चार साल बीत गए, लेकिन वादा पूरा नहीं किया। कर्मचारियों ने कहा कि, सरकार नियमितीकरण को लेकर अपनी मंशा स्पष्ट करे। वहीं संविदा कर्मियों की इस हड़ताल का असर अब सरकारी कामकाज में दिखना शुरू हो गया है। दूर-दराज से आने वाले ग्रामीण परेशान हो रहे हैं।

सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं दिखाई दे रही

कर्मचारियों ने कहा कि वर्ष 2018 में भी हम नियमितिकरण के लिए हड़ताल कर रहे थे। इसी तीन जुलाई के दिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री टीएस सिहदेव ने घोषणा की थी कि कांग्रेस की सरकार बनी तो 10 दिन में मांग पूरी करेंगे। उसके बाद कांग्रेस ने घोषणा पत्र में भी शामिल किया, लेकिन तीन जुलाई 2023 के दिन यानी 5 साल बाद हमको सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। सरकार की मंशा वादा पूरा करने की दिखाई नहीं दे रही है। उनको इसे स्पष्ट करना चाहिए।

इमरान के खिलाफ तोशाखाना केस खारिज

इस्लामाबाद हाईकोर्ट से बेल भी मिली, पूर्व पीएम ने कहा था- चीफ जस्टिस को हटाओ

इस्लामाबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे तोशाखाना केस को अयोग्य करार दे दिया है। इसके साथ ही खान की बेल एप्लिकेशन मंजूर कर दी गई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आमिर फारुक ने ये फैसला सुनाया।

सुनवाई से पहले इमरान खान ने फारुक को हटाने की मांग की थी। खान के वकीलों ने सोमवार शाम हाईकोर्ट बंद होने के चंद मिनट पहले एक पिटीशन दायर की थी। इसमें कहा गया था- हमें लगता है कि चीफ जस्टिस तोशाखाना केस की सुनवाई से खुद को अलग कर लें, क्योंकि उनके रहते इस केस की निष्पक्ष सुनवाई नहीं हो सकती।

इमरान के वकीलों की दलीलें

इमरान के वकील गौहर खान ने यह पिटीशन दायर की थी। इसमें कहा गया था- जस्टिस फारुक के रहते हुए तोशाखाना केस की निष्पक्ष सुनवाई मुमकिन नहीं है। एक ऐसा बेंच बनाना चाहिए, जिसमें जस्टिस आमिर न हों।

पिटीशन के मुताबिक- कानून में इस बात की व्यवस्था है कि अगर मुवक्किल चाहे तो वो किसी जज या चीफ जस्टिस को हटाने की मांग कर सकता है और इसके हजारों उदाहरण मौजूद हैं। यह केस बेहद अहम है और इसलिए ये जरूरी है कि सुनवाई सही और निष्पक्ष तरीके से हो। हमारे मुवक्किल इमरान खान को लगता है कि अगर चीफ जस्टिस बेंच में मौजूद होंगे तो उन्हें इंसाफ नहीं मिल सकेगा।

खास बात ये है कि इमरान के खिलाफ यह केस इलेक्शन कमीशन ऑफ पाकिस्तान की तरफ से दायर किया गया है। इसमें किसी प्राइवेट पार्टी या सरकार का कोई लेनादेना नहीं है।

क्यों डर रहे हैं इमरान

'द डॉन' की सोमवार को पब्लिश रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान चीफ जस्टिस को सिर्फ इसलिए हटवाना चाहते हैं, क्योंकि जस्टिस आमिर बहुत ईमानदार और सख्त जज हैं और उन्होंने पहले दो मामलों में इमरान की जमानत खारिज की थी।

अब इस केस में इमरान की पत्नी बुशरा बीबी को भी जांच एजेंसी के सामने पेश होना है। अब तक कुल 13 बार बुशरा को जांच एजेंसी ने पेश होने के लिए

नोटिस दिया है, लेकिन वो एक भी बार पेश नहीं हुईं। इसके बाद जांच एजेंसी ने अखबारों में एक इश्तिहार निकलवाया और कहा कि अगर बुशरा बीबी पेश नहीं हुईं तो उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट हासिल किए जाएंगे।

इसके बाद इमरान ने एक पिटीशन लाहौर हाईकोर्ट में दायर की। कहा- मेरी पत्नी घरेलू महिला हैं और उनका सियासत से कोई ताल्लुक नहीं है। लिहाजा, उन्हें पूछताछ से राहत दी जाए। दूसरी तरफ, इसी रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान के खिलाफ बेहद पुख्ता सबूत हैं और यही वजह है कि वो किसी न किसी बहाने से सुनवाई को लंबे वक्त तक लटकाना चाहते हैं।

क्या है तोशाखाना केस

चुनाव आयोग के सामने सत्ताधारी पाकिस्तानी डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने तोशाखाना गिफ्ट मामला उठाया था। कहा था कि इमरान ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न देशों से मिले गिफ्ट को बेच दिया था। इमरान ने चुनाव आयोग को बताया था कि उन्होंने तोशाखाने से इन सभी गिफ्ट्स को 2.15 करोड़ रुपए में खरीदा था, बेचने पर उन्हें 5.8 करोड़ रुपए मिले थे। बाद में खुलासा हुआ कि यह रकम 20 करोड़ से ज्यादा थी।

कैसे हुआ था खुलासा

करीब दो साल पहले अबरार खालिद नाम के एक पाकिस्तानी शख्स ने इन्फॉर्मेशन कमीशन में एक अर्जी दायर की थी। कहा- इमरान को दूसरे देशों से मिले गिफ्ट्स की जानकारी दी जाए। जवाब मिला- गिफ्ट्स की जानकारी नहीं दी जा सकती। खालिद भी जिद्दी निकले। उन्होंने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान से पूछा था- आप तोहफों की जानकारी क्यों नहीं देते? इस पर खान के वकील का जवाब था- इससे मुल्क की सलामती यानी सुरक्षा को खतरा है। दूसरे देशों से रिश्ते खराब हो सकते हैं। इसलिए अवाम को दूसरे देशों से मिले तोहफों की जानकारी नहीं दे सकते। पाकिस्तानी पत्रकार आरिफ अजाकिया और इमदाद अली शूमरो के मुताबिक- इमरान को सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ने गोल्ड से बनी और हीरों से जड़ी बेशकीमती रिस्ट वॉच गिफ्ट की थी। उन्होंने ऐसी दो लिमिटेड एडिशन घड़ियां बनवाईं थीं। एक खुद के पास रखी थी। दूसरी इमरान को गिफ्ट की थी। इसकी कीमत करीब 16 करोड़ रुपए थी।

अमेरिका के फिलाडेल्फिया में मास शूटिंग, 4 की मौत

बुलेटप्रूफ जैकेट पहने आरोपी गिरफ्तार शहर में इस साल हत्या के 212 मामले दर्ज

फिलाडेल्फिया, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में फिलाडेल्फिया शहर के किंग्सेसिंग में सोमवार रात मास शूटिंग की घटना सामने आई। गोलीबारी में 4 लोगों की मौत हो गई है और 4 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

फिलाडेल्फिया इंक्वायरर के मुताबिक, जिस संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है, उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। उसके पास एक राइफल, एक हैंडगन और कई मैगजीन्स मौजूद थीं। उसने गोलीबारी क्यों की इसकी वजह अब तक सामने नहीं आई है।

पहले सुनाई दी गोली चलने की की आवाज, फिर मिले 4 शव

बीबीसी के मुताबिक सोमवार रात करीब 8:30 बजे एक पुलिस अधिकारी ने गोलियों की आवाज सुनी और साउथ 56वीं स्ट्रीट और चेस्टर एवेन्यू में एक घायल को देखा। इसके बाद कई लोगों ने पुलिस को इलाके में राइफल से लैस एक व्यक्ति के होने की जानकारी दी। छानबीन के दौरान पुलिस को 4 लोगों के शव मिले। इसके अलावा वहां मौजूद घायलों को तुरंत प्रेसबिटेरियन मेडिकल सेंटर पहुंचाया गया।

फिलाडेल्फिया में शूटिंग के मामलों में 19% की कमी

फिलहाल प्रशासन ने शूटिंग एरिया के आसपास रह रहे लोगों को सतर्क रहने और स्थिति पूरी तरह कंट्रोल में आने तक अपने घरों के अंदर रहने की सलाह दी है। फिलाडेल्फिया में इस साल अब तक हत्या के 212 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, ये पिछले साल की तुलना में 19% कम हैं।

गन वॉयलेंस आर्काइव की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में इस साल अब तक 300 से ज्यागदा मास शूटिंग के मामले सामने आ चुके हैं। 2006 से लेकर अब तक अमेरिका में सामूहिक हत्या के 556 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं।

अमेरिका की आबादी 33 करोड़ और यहां 40 करोड़ गन

नागरिकों के बंदूक रखने के मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। स्विट्जरलैंड के स्मॉल आर्म्स सर्वे यानी एसएएस की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में मौजूद कुल 85.7 करोड़ सिविलियन गन में से अकेले अमेरिका में ही 39.3 करोड़ सिविलियन बंदूक मौजूद हैं। दुनिया की आबादी में अमेरिका का हिस्सा 5% है, लेकिन दुनिया की कुल सिविलियन गन में से 46% अकेले अमेरिका में हैं।

अक्टूबर 2020 के गैलप सर्वे के मुताबिक, 44% अमेरिकी वयस्क उस घर में रहते हैं, जहां बंदूकें हैं, इनमें से एक तिहाई वयस्कों के पास बंदूकें हैं। 2019 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 63 हजार लाइसेंस्ड गन डीलर थे, जिन्होंने उस साल अमेरिकी नागरिकों को 83 हजार करोड़ रुपए की बंदूकें बेची थीं।

अमेरिका 231 साल बाद भी अपने गन कल्चर को खत्म नहीं कर पाया है। इसकी दो वजहें हैं। पहली- कई अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर वहां के राज्यों के गवर्नर तक इस कल्चर को बनाए रखने की वकालत करते रहे हैं। दूसरी- गन बनाने वाली कंपनियां, यानी गन लॉबी भी इस कल्चर के बने रहने की प्रमुख वजह है।

सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का ब्रिटेन ने खुलकर किया समर्थन

कहा- दुनिया में बढ़ा है कद

न्यूयॉर्क, 4 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में विस्तार का समर्थन किया है और कहा है कि भारत, जापान, जर्मनी, ब्राजील और अफ्रीकी देशों को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट दी जाए। ब्रिटेन की प्रतिनिधि ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम 2020 में कदम रखें। बता दें कि अभी संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में पांच देश ही स्थायी सदस्य हैं, जिनमें अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और रूस शामिल हैं। हर दो वर्ष पर इसके 10 देश अस्थायी सदस्य बनते हैं लेकिन भारत द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट देने की मांग की जा रही है।

भारत समेत इन देशों को स्थायी सदस्यता देने की मांग

संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन की स्थायी प्रतिनिधि बारबरा वुडवर्ड ने कहा कि हम चाहते हैं कि सुरक्षा परिषद का विस्तार किया जाए और इसमें भारत, ब्राजील, जर्मनी, जापान और अफ्रीकी प्रतिनिधित्व को स्थायी जगह दी जाए। यह सही समय है, जब सुरक्षा परिषद 2020 में दाखिल हो। बता दें कि जुलाई महीने में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता ब्रिटेन के पास है।

भारत का दुनिया में बढ़ा है प्रभाव

बारबरा वुडवर्ड का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने भी बीते हफ्ते ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार करने की वकालत की थी।

वुडवर्ड ने कहा कि सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मिलना उस दिशा में पहला कदम है। बारबरा ने कहा कि भारत और ब्राजील सुरक्षा परिषद में विस्तृत प्रतिनिधत्व लेकर आएंगे। बता दें कि दोनों देशों में विशाल जनसंख्या है और दोनों देश तेजी से आर्थिक विकास कर रहे हैं। ब्रिटेन की स्थायी प्रतिनिधि ने सुरक्षा परिषद में विस्तार का समर्थन करते हुए ये भी कहा कि 1945 के मुकाबले इन देशों का दुनिया में प्रभाव बहुत बढ़ गया है। ऐसे में इन्हें सुरक्षा परिषद में शामिल करना स्वभाविक है।

आतंक का सरगना पाकिस्तान आतंकवाद से परेशान

इस्लामाबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। पूरी दुनिया इस बात से वाकिफ है पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री है। दुनियाभर में घोषित आतंकवादी खुले घूम रहे हैं। लेकिन आज आतंकवाद को अपनी जमीन पर पनाह देने वाला पाकिस्तान खुद इससे परेशान है। इसका उदाहरण है कि एससीओ समिट में पाक पीएम शहबाज शरीफ ने आतंकवाद से दृढ़ विश्वास से निपटने की वकालत की। उन्होंने मंगलवार को आतंकवाद और उग्रवाद को कई सिर वाला राक्षस कहा। शहबाज ने कहा कि आतंकवाद चाहे व्यक्तियों, समूहों या राज्य स्तर पर हो उससे पूरी ताकत और दृढ़ विश्वास के साथ लड़ा जाना चाहिए। शंघाई सहयोग संगठन के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की 23वीं बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने धार्मिक अल्पसंख्यकों के बारे में भी बात की। पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ ने कहा कि आतंकवाद को राजनीतिक लाभ के लिए इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के किसी भी प्रलोभन में बचा जाना चाहिए।

इंडियन डिप्लोमैट्स की हिफाजत करेंगे कनाडा-ऑस्ट्रेलिया

भारत की सख्ती के बाद दोनों देश बोले- उन्हें पूरी सिक्योरिटी मुहैया कराई जाएगी

टोरंटो/कैनबरा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा में इंडियन डिप्लोमैट्स पर हमले की धमकी देने वाले खालिस्तान समर्थकों पर लगाम कसी जाएगी। कनाडा की फॉरेन मिनिस्टर मेलेनी जोली ने मंगलवार को कहा- हम भी वियना कन्वेंशन का हिस्सा हैं। लिहाजा, भारत के डिप्लोमैट्स की सिक्योरिटी के मामले को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्रालय ने भी बिल्कुल यही बयान जारी किया।

सोमवार को हमारे विदेश मंत्री डॉक्टर एस. जयशंकर ने अपने डिप्लोमैट्स पर हमले की धमकी को लेकर सख्त रुख अपनाया था। उन्होंने कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन से साफ कहा था खालिस्तान समर्थकों को किसी तरह की नाजायज छूट नहीं दी जानी चाहिए।

भारत से बातचीत कर रहा है कनाडा

जयशंकर ने सोमवार को कनाडा में खालिस्तानियों की हरकतों पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए एक डिप्लोमैटिक नोट

(डिमार्शे) जारी किया था। इसमें कहा गया था कि खालिस्तान की मांग को प्रमोट करने वालों और इन हरकतों को भारत सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। इससे दोनों देशों के रिश्ते खराब हो सकते हैं। इस बयान के कुछ देर बाद कनाडाई विदेश मंत्री ने जयशंकर से फोन पर बातचीत की थी।

इस बातचीत के बाद मंगलवार को मेलेनी जोली का बयान आया। उन्होंने कहा- हम भी वियना कन्वेंशन का हिस्सा हैं। लिहाजा, भारत के डिप्लोमैट्स की सिक्योरिटी के मामले को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है। बाद में ऑस्ट्रेलिया ने भी यही बयान जारी किया। कहा- हम भारत को भरोसा दिलाते हैं कि उनके डिप्लोमैटिक स्टाफ को पूरी सुरक्षा दी जाएगी। जोली ने आगे कहा- हमारी सरकार भारत से लगातार बातचीत कर रही है। हमें जानकारी है कि भारत को खिलाफ कुछ ऑनलाइन एक्टिविटीज चल रही हैं और ये 8 जुलाई के इवेंट से जुड़ी हैं। कुछ लोगों की हरकतों को पूरी कम्युनिटी की आईडियोलॉजी नहीं समझा जाना चाहिए। कनाडा में जारी खालिस्तान समर्थकों की हरकतों पर भारतीय विदेश मंत्रालय और खुद फॉरेन मिनिस्टर करीबी नजर रख रहे हैं। सोमवार को उन्होंने कहा था- अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में इस तरह की विचारधारा मौजूद है। हमने इन सभी देशों को खालिस्तान समर्थकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी है और एक्शन लेने को कहा है। हमने इन देशों को बता दिया है कि अगर खालिस्तान समर्थकों की हरकतें इसी तरह जारी रहीं तो इससे हमारे आपसी संबंधों पर असर पड़ सकता है। कनाडा में खालिस्तानियों की हरकतें वहां की वोट बैंक पॉलिटिक्स से जुड़ी हैं।

पिछले महीने यानी जून में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में इंदिरा गांधी की हत्या से जुड़ी झांकी निकाली गई। इसमें दो सिख गनमैनों को भारत की पूर्व प्रधानमंत्री को गोली मारते दिखाया गया। झांकी में ऑपरेशन ब्लू स्टार और 1984 के सिख विरोधी दंगों के बैनर भी थे।

यूएस से जंग की तैयारी कर रहा चीन

प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट की रेस में शामिल निक्की हेली बोलीं- बाइडेन की नजर सिर्फ सियासत पर

वॉशिंगटन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट बनने की कोशिश में जुटीं भारतीय मूल की निक्की हेली ने प्रेसिडेंट जो बाइडेन पर तंज कसा है। निक्की ने चीन को अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा- कितनी हैरानी की बात है कि चीन इस वक्त जंग की तैयारियों में जुटा है और हमारे प्रेसिडेंट सियासत कर रहे हैं।

निक्की ने कहा- जेंडर इक्वालिटी के मुद्दे पर बातचीत या बहस पहले भी होती रही है और अब भी हो रही है, लेकिन हमारी नजर चीन पर होनी चाहिए जो अमेरिका से जंग की तैयारियों में जुटा है।

चीन की नेवी सबसे बड़ा खतरा

'फॉक्स न्यूज' को दिए इंटरव्यू में निक्की ने अमेरिका की सियासत और वर्ल्ड मैटर्स से जुड़े कई सवालों के खुलकर जवाब दिए। एक सवाल पर निक्की ने कहा- चीन ने हमारे देश के लिए

सिक्योरिटी से जुड़े बड़े खतरे पैदा कर दिए हैं। वो अमेरिका से जंग की तैयारियों में जुटा है। हमारी सरकार की क्या तैयारियां हैं? हमारे यहां तो जेंडर इक्वालिटी पर बहस और सियासत चल रही है। बाइडेन इन्हीं बातों में बिजी हैं। यूएन में ऐंबैस्डर रह चुकीं निक्की ने आगे कहा- इस वक्त नेवी की सबसे बड़ी फ्लीट चीन के पास है। उसके 340 शिप्स हैं, तो हमारे पास सिर्फ 293 हैं। दो साल बाद चीन के पास 400 शिप होंगे और हमारे पास 350 भी नहीं होंगे। आज चीन हर रोज हाइपरसोनिक मिसाइल डेवलप कर रहा है। हमने तो इन पर अभी काम ही शुरू किया है। चीन पर एक और सवाल के जवाब में निक्की ने कहा- चीन की कोशिश है कि वो हर लिहाज और हर मोर्चे पर अमेरिकी मिलिट्री से ज्यादा ताकतवर बन जाए और इस पर वो बहुत तेजी से काम कर रहा है। हमारी मिलिट्री में अभी जेंडर इक्वालिटी पर बहस चल रही है। यही बाइडेन एडमिनिस्ट्रेन के काम हैं। फरवरी में निक्की ने प्रेसिडेंट बाइडेन की मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर गंभीर सवालिया निशान लगाते हुए एक सुझाव भी दिया था और इस पर बाइडेन की पत्नी जिल भड़क गईं थीं। निक्की ने कहा था- सरकार में किसी भी बड़े पद पर काबिज 75 साल से ज्यादा उम्र के नेता का मेंटल एबिलिटी टेस्ट (तकनीकी भाषा में मेंटल कॉम्पिटेंसी टेस्ट) मेंडेटरी होना चाहिए। प्रेसिडेंट जो बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन निक्की के इस सुझाव पर बिफर गईं। उन्होंने कहा- निक्की बकवास कर रही हैं। दरअसल, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रिपब्लिकन पार्टी और अमेरिकी मीडिया का एक हिस्सा बाइडेन की फिजिटल और मेंटल फिटनेस पर अकसर सवाल खड़े करते रहे हैं। इसके कई सबूत भी मौजूद हैं।

रूस बोला-यूक्रेन ने मॉस्को पर 5 ड्रोन से हमला किया

हमने सभी को मार गिराया, अमेरिका-ब्रिटेन इस आतंकी देश की फंडिंग कर रहे

मॉस्को, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रूस की राजधानी मॉस्को में मंगलवार को एक बार फिर ड्रोन अटैक हुआ है। रूस ने यूक्रेन पर हमला करने का आरोप लगाया है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा- यूक्रेन ने मॉस्को में 5 ड्रोन से अटैक किया। हमने इन सभी को मार गिराया है। हालांकि, सुरक्षा के लिहाज से राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट से कुछ घंटों के लिए फ्लाइट्स डायवर्ट कर दी गईं। रूस के रक्षा मंत्री ने बताया कि हमले में कोई भी घायल नहीं हुआ है।

रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने कहा- ये रूस पर एक और आतंकी हमला है। यूक्रेन ने मॉस्को के ऐसे क्षेत्र में हमला किया जहां आम नागरिक रहते हैं। यहां राजधानी का मेन एयरपोर्ट है जहां अक्सर विदेशी फ्लाइट्स भी आती रहती हैं। उन्होंने कहा- दुनिया को ये एहसास कराने की जरूरत है कि यूएनएससी के परमानेंट मेंबर अमेरिका, ब्रिटेन

और फ्रांस आतंकी देश को मदद पहुंचा रहे हैं।

एयरपोर्ट के पास मिला 2 ड्रोन का मलबा

रूसी मीडिया आरटी के मुताबिक 2 ड्रोन का मलबा एयरपोर्ट से करीब 5 किलोमीटर की दूरी पर बरामद हुआ। कई चश्मदीदों ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे नोवाया क्षेत्र में धमाके की आवाज आई थी। मेयर सर्गेई ने इस क्षेत्र में 4 ड्रोन को मार गिराने की पुष्टि की है।

1 महीने पहले 2 बिल्डिंग पर 8 ड्रोन्स से हुआ था अटैक

करीब 1 महीने पहले भी रूस ने मॉस्को की 2 बिल्डिंग पर हुए ड्रोन अटैक के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया था। रूस के डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा था कि कीव ने करीब 8 ड्रोन से आतंकवादी हमला किया। सभी ड्रोन्स को मार गिराया गया है। दोनों बिल्डिंग में रह रहे नागरिकों सुरक्षित हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि रूस पर हमले में 30 ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था।

हमले पर यूक्रेन की प्रतिक्रिया भी सामने आई थी। राष्ट्रपति जेलेंस्की के एडवाइजर और नेता मिखाइल पोडलैक ने कहा था- इस हमले में यूक्रेन का कोई हाथ नहीं था। लेकिन हमें इसे देखने में बहुत खुशी मिली। हम उम्मीद करते हैं कि आगे इस तरह के ज्यादा से ज्यादा हमले होंगे। रूसी सांसद मैक्जिम इवानोव ने इसे रूस पर दूसरे विश्व युद्ध के बाद हुआ सबसे बड़ा हमला बताया था।

3 मई को क्रेमलिन पर भी हुआ था

ड्रोन अटैकइससे पहले 3 मई को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के घर क्रेमलिन पर 2 ड्रोन से अटैक किया गया था। दोनों ड्रोन क्रेमलिन के डोम पर क्रैश हुए थे। हालांकि, हमले के वक्त पुतिन वहां मौजूद नहीं थे। अटैक के बाद रूस ने कहा था- हम इसे आतंकी हमला मानते हैं। यह प्रेसिडेंट को जान से मारने की साजिश थी। रूस के पास इस हमले का जवाब देने का अधिकार है। इसके लिए जगह और वक्त का चुनाव भी रूस ही करेगा।

भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद का पीछा करने पर एक साल की सजा

वॉशिंगटन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल का पीछा करने के मामले में दोषी ठहराए गए एक शख्स को 364 दिन (करीब एक साल) की कैद सुनाई गई है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। पुलिस ने एक साल पहले आरोपी ब्रेट फोर्सेल को जयपाल के घर के बाहर से गिरफ्तार किया था और उसे हेट क्राइम करने के संदेह में जेल भेज दिया था। हालांकि, चार दिन बाद ही उसे रिहा कर दिया गया। दरअसल, सिएटल पुलिस इस बात की पुष्टि नहीं कर पाई थी कि आरोपी ने कांग्रेस (अमेरिकी संसद) सदस्य को भारत वापस जाने के लिए कहा और उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। 'द सिएटल टाइम्स' की शनिवार की रिपोर्ट के मुताबिक, किंग काउंटी के अभियोजकों ने बाद में फोर्सेल पर जयपाल को बार-बार परेशान करने और उन्हें धमकाने का आरोप लगाया। आरोप लगाया गया था कि फोर्सेल उन्हें चोट पहुंचाना चाहता है या मारना चाहता है। प्रमिला जयपाल (57 वर्षीय) वॉशिंगटन के सातवें कांग्रेस नल जिले का प्रतिनिधित्व करती हैं और 2016 में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) के लिए निर्वाचित होने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी महिला बनीं थीं। उनका जन्म भारत के चेन्नई शहर में हुआ था। 16 साल की उम्र में वह अमेरिका चली गई थीं।

टेक्सास में 10 हजार लोगों ने किया गीता पाठ

टेक्सास, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास में सोमवार 10 हजार लोगों ने एक साथ गीता का पाठ किया। गुरु पूर्णिमा के मौके पर एलन ईस्ट सेंटर में 4 साल से लेकर 84 साल तक के लोगों ने पाठ किया। ये कार्यक्रम योग संगीता और एसजीएस गीता फाउंडेशन ने किया था। मैसूर के अवधूत दत्त पीठम आश्रम ने बताया कि आध्यात्मिक संत गणपति सच्चिदानंद जी की मौजूदगी लोगों ने पाठ किया। ये सभी 10 हजार लोग सच्चिदानंद स्वामी से पिछले 8 सालों से जुड़े हुए हैं। स्वामी पिछले कई सालों से अमेरिका में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। अवधूत दत्त पीठम को 1966 में गणपति सच्चिदानंद जी स्वामी ने स्थापित किया था। ये एक इंटरनेशनल स्पिरिचुअल, कल्चरल और सोशल वेलफेयर संगठन है। सच्चिदानंद जी स्वामी भगवद गीता का प्रचार करने और सनातन हिंदू धर्म के मूल्यों को फैलाने के लिए जाने जाते हैं। 14 जून को अमेरिकी संसद कैपिटल हिल में पहला हिंदू-अमेरिकन सम्मेलन हुआ था। इस सम्मेलन को अमेरिकन्स फॉर हिंदूज का नाम दिया गया था। सम्मेलन की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और प्रार्थना के साथ हुई थी। इस सम्मेलन को 20 हिंदू संस्थाओं के समर्थन से कराया गया था। अमेरिकन-हिंदू सम्मेलन में फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क, बोस्टन, टेक्सास, शिकागो, कैलिफोर्निया जैसे शहरों से करीब 130 भारतीय अमेरिकी नेता शामिल हुए थे।

पायलट की मांगों को मानने के संकेत

पेपरलीक करने पर उम्र कैद की सजा होगी, गहलोत ने की बिल लाने की घोषणा

जयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पेपरलीक करने वालों के खिलाफ गहलोत सरकार मौजूदा कानून को और कड़ा करने की तैयारी में है। सीएम ने पेपरलीक करने वालों को उम्र कैद की सजा करने का प्रावधान करने की घोषणा की है। इसके लिए विधानसभा में अगले सत्र में बिल लाया जाएगा। इसमे एंटी चीटिंग बिल में संशोधन करके उम्र कैद का प्रावधान किया जाएगा। सीएम ने RPSC और कर्मचारी चयन बोर्ड की भर्ती प्रक्रिया को सुधारने के लिए मैकैनिज्म बनाने की भी घोषणा की है। सीएम अशोक गहलोत की इस घोषणा को पेपरलीक पर सचिन पायलट की मांगों को मानने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। इसे पायलट के साथ सुलह फार्मूले की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है।

सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट करके नकल करने वालों को उम्र कैद की सजा करने और भर्ती प्रक्रियाओं में सुधार की

सुलह फार्मूले की हुई शुरुआत

घोषणा की। सीएम ने लिखा- राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं में और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मुख्य सचिव को निर्देशित किया है कि आरपीएससी, डीओपी, आरएसएसबी और दूसरे हितधारकों के साथ चर्चा कर बेहतर प्रक्रिया तैयार करें। पेपरलीक के खिलाफ बनाए गए कानून में भी अधिकतम सजा का प्रावधान उम्रकैद करने के लिए आगामी विधानसभा सत्र में बिल लाने का फैसला किया है।

पायलट की मांगें मानकर सुलह के संकेत इसलिए

सीएम अशोक गहलोत की इस घोषणा को सचिन पायलट की मांगों को मानने की शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है। सचिन पायलट ने आरपीएएसी को भंग करके इसका पुनर्गठन करके आमूलचूल बदलाव करने की मांग की थी। अब तक पायलट की मांगों को गहलोत ने सिरे से खारिज कर दिया था। पायलट ने 11 से 15 मई तक पेपरलीक और बीजेपी राज के करप्शन के खिलाफ अजमेर से जयपुर तक पैदल यात्रा की थी।

15 मई को जयपुर में यात्रा खत्म करके सभा में पायलट ने सरकार के सामने तीन मांगें रखते हुए 15 दिन का अल्टीमेटम दिया था। अलटीमेटम खत्म होने से पहले 29 मई को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी की मौजूदगी में गहलोत पायलट की सुलह बैठक हुई थी। इस बैठक के बाद पायलट ने आंदोलन तो नहीं किया, लेकिन युवाओं से जुड़ी मांगों को छोड़ने से इनकार कर दिया था।

पायलट का युवाओं से जुड़ी मांगों पर जोर था, उन्हें पूरा करने के लिए बीच का रास्ता निकाला

सचिन पायलट ने पेपरलीक से प्रभावित युवाओं को मुआवजा देने , आरपीएससी को भंग करके पुनर्गठन करने और बीजेपी राज के करप्शन की जांच के लिए हाईपावर कमेटी बनाने की मांग की थी। सीएम ने प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने के लिए RPSC, कर्मचारी चयन बोर्ड की कामकाज की शैली और प्रोसेस को सुधारने की शुरुआत करने की घोषणा की है। आज की सीएम की घोषणा को पायलट की मांग को मानने के लिए बीच का रास्ता निकालने से जोड़कर देखा जा रहा है।

सीएम ने पहले बुद्धि का दिवालियापन बताया था, अब रुख बदला

सचिन पायलट की तीन मांगों को मानने से पहले सीएम अशोक गहलोत ने साफ इनकार कर दिया था। पेपरलीक से प्रभावित बेरोजगारों को मुआवजा देने की मांग को गहलोत ने बुद्धि का दिवालियापन बताया था। आरपीएससी को भंग करने की मांग पर गहलोत ने कहा था कि पायलट हमारे परिवार के मेंबर हैं, उन्होंने बात उठाई है तो हमने परीक्षण करवाया तो सामने आया कि कानून में इस तरह का प्रावधान ही नहीं है।

सांसद बोलीं- कांग्रेस मंत्री-विधायकों के घरवाले ही निकलते हैं रेपिस्ट

जसकौर ने कहा- कांग्रेस सरकार के खिलाफ थाली-चम्मच लेकर आज जयपुर पहुंचेंगी महिलाएं

दौसा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा सांसद जसकौर मीणा ने सोमवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। कहा- महिलाओं के प्रति कांग्रेस संवेदनशील नहीं है। कांग्रेस के विधायक हों या मंत्री, उनके परिजन ही दुष्कर्मी निकलते हैं।

सांसद जयपुर में 5 जुलाई को प्रस्तावित विधानसभा घेराव की तैयारी बैठक में दौसा भाजपा कार्यालय में बोल रही थीं। यह घेराव भाजपा महिला मोर्चा की ओर से किया जाएगा।

सांसद ने कहा कि कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार महिलाओं के खिलाफ शुरू से ही असंवेदनशील थी। महिलाओं के प्रति कांग्रेस सरकार का जो रवैया रहा है, उससे न तो महिलाओं को सम्मान मिला और न ही सुरक्षा।

5 जुलाई को थाली-चम्मच

लेकर पहुंचेंगी महिलाएं

राज्य की कांग्रेस सरकार को विदा करने के लिए अब महिलाओं को आगे आना होगा। इसके लिए 5 जुलाई को थाली-चम्मच लेकर और काली पट्टी बांधकर महिलाएं जयपुर पहुंचेंगी। वहां सरकार को जगाने का काम करेंगे।

सांसद ने कहा कि राजस्थान के हर जिले से महिला कार्यकर्ता जयपुर पहुंचकर सरकार की अंतिम सांस को तोड़ने का प्रयास करेंगी। प्रदेश में महिला उत्पीड़न चरम पर है। महिला उत्पीड़न के 10 हजार से भी ज्यादा के सामने आ चुके हैं।

रोजाना महिला उत्पीड़न के 17 केस सामने आ रहे हैं। इन मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

प्रदेश मंत्री गुर्जर ने कांग्रेस सरकार को घेरा

भाजपा की नवनियुक्त प्रदेश मंत्री नीलम गुर्जर ने भी महिला उत्पीड़न के मामलों को लेकर सरकार को घेरा। कहा- पिछले साढ़े चार साल में महिला अपराध चरम पर हैं। जिसे रोकने के लिए राज्य सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। ऐसी सरकार को प्रदेश की जनता जल्द ही विदा कर देगी।

राजस्थान यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ एबीवीपी ने खोला मोर्चा

12 सूत्री मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, बोले- छात्रों पर बेवजह किया लाठीचार्ज

जयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने यूनिवर्सिटी कैंपस में विरोध मार्च निकाल यूनिवर्सिटी प्रशासन को 12 सूत्री मांग पत्र सौंपा। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि अगर हमारी मांगों को जल्द से जल्द पूरा नहीं किया गया। तो एबीवीपी के कार्यकर्ता उग्र आंदोलन करेंगे। जिसके लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन जिम्मेदार होगा।

एबीवीपी के जयपुर प्रांत के संगठन मंत्री उपमन्यु राणा ने कहा कि सरकार चाहे कितना ही लाठीचार्ज क्यों न करले। एबीवीपी के कार्यकर्ता और डरने वाले नहीं हैं। हम आम छात्रों की मांगों को लेकर लगातार संघर्ष करते आए थे। छात्रों के लिए आगे भी संघर्ष करेंगे। लेकिन अगर यूनिवर्सिटी

प्रशासन द्वारा आम छात्रों की जायज मांगों को पूरा नहीं किया गया। तो हम प्रदेशभर में सड़कों पर उतर सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेंगे। ताकि छात्र विरोधी सरकार की हकीकत आम छात्रों तक पहुंच सके।

राजस्थान यूनिवर्सिटी एबीवीपी के इकाई अध्यक्ष भरत भूषण यादव ने कहा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा बेवजह छात्रों पर लाठीचार्ज करवाया गया। जिसमें कई छात्रों को गंभीर चोटें भी आई है। जबकि आम छात्र सिर्फ अपनी जायज मांगों को सिंडीकेट बैठक में पहुंचाना चाहते थे। लेकिन यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रों की समस्याओं को सुनने की जगह उन्हें लाठियों से पिटवा दिया।

यूनिवर्सिटी की इस बर्बरता को आम छात्र कभी नहीं भूलेगा। ऐसे में अगर यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा हमारी 12 सूत्री मांगों को पूरा करने के साथ ही सिंडिकेट की बैठक में हुए फैसलों को लागू नहीं किया गया। तो हम बड़ा आंदोलन करेंगे। जिसके लिए यूनिवर्सिटी प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस दौरान छात्रनेता मनु दाधीच, देव पलसानिया समेत बड़ी संख्या में एबीवीपी के कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

यूनिवर्सिटी परिसर में पुलिस का हस्तक्षेप रोका जाए। मानवीकी पीठ सभागार को तुरंत शुरू किया जाए। राजस्थान यूनिवर्सिटी की शोध प्रवेश परीक्षा पीएटी की दिनांक निश्चित की जाए। शैक्षणिक au अशैक्षणिक के रिक्त पदों पर तुरंत नियुक्ति की जाए। राजस्थान यूनिवर्सिटी में स्नातक व स्नातकोतर की सीटों में वृद्धि की जाए। छात्रावासों की सीट बढ़ाई जाए व नये हॉस्टल का निर्माण किया जाए। राजस्थान यूनिवर्सिटी में समय समय पर प्लेसमेंट की व्यवस्था की जाए।

छटे कपड़े पहनने पर सुने ताने, बच्चे से अलग रहीं

शादी के 10 साल बाद जीता ब्यूटी कॉन्टेस्ट, 7 किलो वजन भी घटाया

अजमेर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर की रहने वाली डॉक्टर भूमिका गोविन्दनी ने 30 जून को इंदौर में आयोजित विनस मिसेज इंडिया ग्रैंड फिनाले शो में मिसेज ग्लैमरस लुक और वीनस मिसेज इंडिया 2023 में पहला स्थान प्राप्त किया है। इससे पहले जून के पहले सप्ताह में ही उन्होंने ग्लोबल मिसेज इंडिया इंटरनेशनल का खिताब भी जीता। शादी के करीब 10 साल बाद उन्होंने मॉडलिंग में कदम रख ये खिताब हासिल किया।

डॉक्टर भूमिका ने बताया- ब्यूटी कॉन्टेस्ट के लिए 5 दिनों तक विभिन्न प्रोग्राम आयोजित हुए। जिसमें ग्रूमिंग, रैंप वॉक, स्विमिंग वॉक, इंट्रोडक्शन राउंड और डांस परफॉर्मेंस सहित कई प्रोग्राम आयोजित किए गए। जिसमें कई ट्रेनर्स शामिल थे। प्रोग्राम ग्लोबल इंडिया इंटरनेशनल प्रोडक्शन प्रोग्राम की

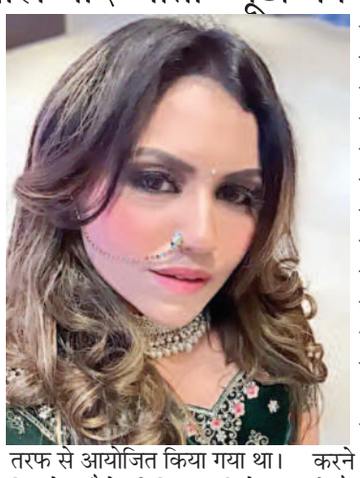

तरफ से आयोजित किया गया था। जिसमें 4 कैटेगरी मिस्टर, मिसेज, मिस और तीन कैटेगरी में आयोजित हुई।

डॉक्टर भूमिका ने बताया कि उनकी शादी हुए 10 साल हो चुके हैं। शादी से पहले उनका मॉडलिंग करने का सपना था। पढ़ाई के कारण वह अपने सपने को पूरा नहीं कर पाई। डॉ भूमिका ने बताया- लिटरेचर फेस्टिवल जयपुर में उनकी ग्लोबल इंडिया इंटरनेशनल प्रोडक्शन प्रोग्राम के डायरेक्टर सुशील गोयल से मुलाकात हुई थी। उनके द्वारा उन्हें इसे लेकर अप्रोच किया गया था। इसके बाद उन्होंने अपने सपने को पूरा किया। ग्लोबल मिसेज इंडिया इंटरनेशनल-2023 का खिताब हासिल किया।

डॉ भूमिका ने बताया कि इस खिताब को हासिल करने के लिए करीब वह 5 महीने से तैयारी कर रही थी। सुबह-शाम 3 घंटे जिम में जाकर उन्होंने वजन कम किया। 2 महीने के अंदर करीब 7 किलो उनके द्वारा वजन कम किया गया।

डॉक्टर भूमिका ने बताया कि उनकी इस कामयाबी के पीछे पति और परिवार का सहयोग है। उनका 6 साल का बच्चा भी है। 1 हफ्ते तक वह अपने बच्चे से अलग भी रही। ननंद के द्वारा ही बच्चे की देखभाल की गई। पति दिल्ली में साथ रहकर कॉन्फिडेंस बढ़ाने का काम करते थे।

डाक्टर भूमिका ने बताया कि उनके द्वारा बी.ईडी, नीट और पीएचडी की डिग्री हासिल की गई है। वर्तमान में वह महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

डॉक्टर भूमिका ने बताया- जब उन्होंने मॉडलिंग करने की तैयारी शुरू की तो उन्हें लोगों के ताने मिलना शुरू हो गए। लोगों के द्वारा कहा जाता था कि छोटे कपड़े पहनती है, शो ऑफ करती है इससे कुछ नहीं होगा। उन्होंने अपने कॉन्फिडेंस को कम नहीं होने दिया और अपने सपने को पूरा करने के लिए रात दिन मेहनत कर इस खिताब को हासिल किया।

जितने भी कुंवारे हैं उनकी लिस्ट दो, सभी की कराऊंगा शादी

मामचारी गांव में बोले बीजेपी सांसद किरोड़ी लाल मीणा

करौली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। करौली के मामचारी गांव में भाजपा से राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने गांव वालों से कहा कि यहां जितने भी कुंवारे हैं उनकी लिस्ट मुझे दे दो, मैं सभी की शादी करा दूंगा।

भाजपा से राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर एक बार फिर हमला बोला। करौली जिले के मामचारी गांव में उन्होंने सरकार और मंत्री रमेश मीणा का नाम लिए बिना गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ये राजनीतिक मंच नहीं है, लेकिन फिर भी मैं कहना चाहूंगा कि यहां लोग लूटने में लगे हुए हैं। जिसमें मंत्री के भाई, मंत्री के दामाद, मंत्री के बहनोई, मंत्री की बहन सब के सब लूटने में लगे हुए हैं। इन्होंने पूरे राजस्थान को लूट लिया। राजस्थान में जितनी भी खाने चल रही हैं उसमें गहलोत सरकार के राज में 66,000 करोड़ का घोटाला किया गया है। ये अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है।

मामचारी गांव के दौरे के दौरान सांसद मीणा ने एक दंगल कार्यक्रम में भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं मामचारी के लिए एक बड़ी घोषणा करना चाहता हूं. यहां जितने भी कुंवारे हैं, उन सब की लिस्ट मुझे दे दो, मेरे क्षेत्र महवा से मैं सभी की शादी करा दूंगा।

जयपुर, उदयपुर और अलवर में 2 इंच तक बारिश

रेगिस्तानी जिलों में पारा 40 के पार; उमस-गर्मी से लोग परेशान

जयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में आजकल अलग-अलग तरह के मौसम देखने को मिल रहे हैं। जहां पूर्वी राजस्थान के जिलों में बारिश का दौर जारी है, वहीं पश्चिमी राजस्थान में गर्मी और उमस तेज होती जा रही है। सोमवार को जयपुर, उदयपुर, अलवर समेत 10 से ज्यादा जिलों में एक से लेकर दो इंच तक बरसात हुई। बारिश के साथ ही इन शहरों में उमस भी तेज रही।

उधर, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़ समेत अन्य शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। मौसम विभाग ने बुधवार देर शाम से राजस्थान में एक नया सिस्टम एक्टिव होने और 6 जुलाई से कई हिस्सों में अच्छी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे की रिपोर्ट देखें तो अलवर, बारां, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, कोटा, राजसमंद, सीकर, टोंक और उदयपुर में 5 से लेकर 54मिमी तक बरसात हुई।

सबसे ज्यादा बरसात अलवर के तिजारा में 54मिमी रिकॉर्ड की गई। इन जिलों में बारिश के साथ उमस भी बनी हुई है।

जयपुर में कल दिनभर तेज गर्मी और उमस रही। रात में भी मौसम परेशान करने वाला ही रहा। हालांकि कल देर शाम जयपुर के ग्रामीण इलाके रामगढ़ बांध, जमवारामगढ़, पावटा, बस्सी, चाकसू, कोटखावदा समेत कई जगह अच्छी बारिश हुई। बस्सी में 42मिमी बरसात दर्ज हुई।

बांसवाड़ा में उप सरपंच ने ग्राम विकास अधिकारी को चप्पल से पीटा, जान से मारने की दी धमकी

बांसवाड़ा, 4 जुलाई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा की करणपुर ग्राम पंचायत मुख्यालय में उपसरपंच ने ग्राम विकास अधिकारी के साथ चप्पल से मारपीट की। इस दौरान उसने पीड़ित अधिकारी को गोली मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बांसवाड़ा जिले के लोहारिया थाना क्षेत्र की करणपुर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर उपसरपंच की दबंगई का मामला सामने आया है। उप सरपंच ने पंचायत भवन में गाली-गलौज कर ग्राम विकास अधिकारी को चप्पल से जमकर पीटा। पीड़ित अधिकारी की शिकायत के बाद पुलिस ने राजकीय कार्य में बाधा पहुंचाने सहित अन्य धाराओं में आरोपी उप सरपंच के खिलाफ

केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार घटना सोमवार दोपहर में 12 बजे की है। ग्राम विकास अधिकारी करणपुर हरीशचंद्र पुत्र दलजी पाटीदार निवासी सागवाडियाया ने थान में केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि वो रोज की तरह सोमवार सुबह 10 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने सरकारी काम शुरू कर दिया। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी निलेशकुमार शर्मा, रणछोड़ डोडियार और लोकेश डामोर भी मौजूद थे।

करीब 12 बजे उपसरपंच अरूण सिंह ने दफ्तर में आकर बिना कारण गाली-गलौज करने लगे और फिर मारपीट शुरू कर दी। उसने अपनी चप्पल निकालकर 10-15 बार मारी और कहने लगा कि हाल ही जेल से छूट कर आया हूं। एक मर्डर कर चुका हूं, तुझे भी गोली से उड़ा दूंगा। लोहारिया थाना अधिकारी अंसार अहमद ने कहा कि मामले को लेकर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि उपसरपंच अरूण सिंह पर 2015 से 2022 तक हत्या, बलवे और मारपीट के पांच केस दर्ज हो चुके हैं।

उदयपुर में अवैध शराब पकड़ी

अलग-अलग ब्रांड के 374 कार्टन मिले

उदयपुर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर आबकारी विभाग ने नाकेबंदी के दौरान शराब से भरा कंटेनर पकड़ा है। इसमें करीब 28.86 लाख रुपए की अवैध शराब थी। इस मामले में ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया। खेरवाड़ा के आबकारी वृत निरीक्षक जितेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि विभाग के विशेष अभियान के तहत अहमदाबाद हाइवे पर खेरवाड़ा-उदयपुर के बीच नाकाबंदी की गई। इसी दौरान एक कंटेनर को रुकवाया गया।

उदयपुर की ओर से महाराष्ट्र नंबर के कंटेनर की जांच की गई तो उसमें विभिन्न अंग्रेजी ब्रांड की अवैध शराब के कार्टन पड़े थे। टीम ने कंटेनर को जब्त कर आबकारी थाना परिसर ले गई ओर वहां पर गिनती की गई। इसमें पंजाब निर्मित अलग-अलग ब्रांडों के 374 कार्टन पाए गए जिसकी कुल कीमत करीब 28.86 लाख रुपए आंकी गई।

इस मामले में आरोपी कंटेनर चालक हरियाणा के जींद निवासी सतपाल पुत्र मेहर सिंह को गिरफ्तार किया है। टीम में खेरवाड़ा के प्रहराधिकारी धोलाराम विश्नोई, मांगीलाल, बंशीलाल, अमृतलाल, सोहनलाल, जगदीश आदि शामिल थे।

डिस्कॉम एसई की टेबल पर महिलाओं ने फेंकी चूड़ियां

जिले की समस्या को लेकर किया डिस्कॉम का घेराव, 15 दिन में सही करने का मिला आश्वासन

जैसलमेर, 4 जुलाई (एजेंसियां)। जैसलमेर में पिछले लंबे समय से बिजली की समस्या को लेकर शहर में भारी रोष को देखते हुए बीजेपी ने बिजली घर का घेराव किया। इस दौरान बीजेपी महिला मोर्चा ने जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के जैसलमेर एसई जीवना राम गर्ग की टेबल पर चूड़ियां फेंककर अपना विरोध दर्ज करवाया। बी जे पी पदाधिकारियों ने एससी ऑफिस में धरना लगाकर प्रदर्शन किया। इससे पहले हनुमान चौराहे पर एक आमसभा का आयोजन किया गया। सभा में सभी ने शहर में बिजली की आंख मिचौली को लेकर डिस्कॉम और जनप्रतिनिधियों को जमकर कोसा।

बीजेपी युवा मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य आईदान सिंह भाटी ने बताया कि शहर में ही नहीं बल्कि पूरे जिले में भीषण गर्मी के दौरान बिजली की लगातार अघोषित कटौती से परेशान है। शहर में रात को भी बिजली काट दी जाती है और बिजली घर के अधिकारी फोन बंद कर लेते हैं। लोग रात-रात भर बिजली नहीं होने से परेशान रहते हैं। ऐसा लगातार कई दिनों से जारी है और इसको लेकर लोगों में भी भारी रोष है। भाटी ने बताया कि ना तो अधिकारी और ना ही जनप्रतिनिधि जनता की परेशानी को लेकर गंभीर है।

मासूम बेटी के साथ ट्रेन के नीचे आया पिता

बेटी को लेकर चलती ट्रेन में चढ़ रहा था, बैलेंस बिगड़ा तो दोनों गिरे

आबूरोड, 4 जुलाई (एजेंसियां)। चलती ट्रेन में चढ़ते समय एक पिता अपनी 5 साल की बेटी के साथ गिर गया। हादसे में पिता और बेटी की मौत हो गई। अपनी आंखों के सामने पति और बेटी को ट्रेन की चपेट में आते देख पत्नी बेहोश हो गई। मामला सिरोही जिले के आबूरोड रेलवे स्टेशन का है। घटना 2 जुलाई की है, जिसका वीडियो मंगलवार को सामने आया है। भीमाराम (36) अपनी पत्नी जीवी (30) और 2 जुड़वा बेटियों रंजीता (5) और मोनिका (5) के साथ अपने गांव भैंसावाड़ा तहसील आहोर (जालोर) जाने के लिए निकला था। आबूरोड रेलवे स्टेशन पर रविवार दोपहर करीब 12.35 बजे साबरमती-जोधपुर पैसेंजर ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 1 पर आई। भीमाराम अपने परिवार के साथ ट्रेन रवाना होने से कुछ मिनट पहले ही स्टेशन पहुंचा था। स्टेशन पर पहुंचा तो ट्रेन चलने लग गई। आनन-फानन में भागते हुए बेटी रंजीता को ट्रेन में चढ़ा दिया। पत्नी जीवी दूसरी बेटी मोनिका के साथ पीछे रह गई। भीमाराम ने भागते हुए बेटी मोनिका को पत्नी की गोद से लिया और वापस ट्रेन की तरफ दौड़ा। भीमाराम अपनी दूसरी बेटी मोनिका को गोद में लेकर चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था कि बैलेंस बिगड़ने से ट्रेन-प्लेटफार्म की बीच वाली जगह पर गिर गया।

हादसे के बाद रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना के तुरंत बाद जीआरपी पुलिस और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को बाहर निकालकर आबूरोड के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शव को मॉर्च्युरी में रखवाया और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

अंतरराज्यीय गांजा तस्कर पहुंचे सलाखों के पीछे

200 किलो गांजे के साथ 6 तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी), एलबी नगर जोन टीम और चौटुप्पल थाने की पुलिस ने मिलकर अंतरराज्यीय 6 गांजा तस्करों को पकड़कर एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया। इनके पास से पुलिस को 200 किलो ग्राम गांजा, दो कार, 6 मोबाइल मिला है। इस मामले की जानकारी देते हुए राचकोंडा के पुलिस ऑयुक्त डीएस चौहान ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में विवेक मोहन राव हवले,निवासी जयहिंद रेजीडेंसी, चिखली, हवेली, पुणे जिला, महाराष्ट्र, गणेश मारुतिराव धूमल निवास, देशमुखी अस्पताल के पास, एकता गणपति चौक, बार्शी, सोलापुर, महाराष्ट्र, सचिन सुरेश निवासी, गुरुदेव शलेच्या पथिमगे, समर्थ नगर, भूम (वी), उस्मानाबाद जिला, महाराष्ट्र, संतोष बहारह बुराड़ी निवासी लक्ष्मी नगर, भूम पोस्ट महाराष्ट्र, सम्राट सुरेंद्र माने निवासी भूम तालुका, महाराष्ट्र, बिल अशोक भूम तालुका, उस्मानाबाद जिला, महाराष्ट्र शामिल है। इस मामले में केशव, निवासी सिलेरू, एपी, और दत्ता, निवासी. भूम (तालुका) धारशिव जिला, महाराष्ट्र फरार है।

सिकंदराबाद मंडल ने डीआरयूसीसी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल की मंडल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (डीआरयूसीसी) की बैठक 4 जुलाई, 2023 को संचालन भवन, सिकंदराबाद में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ए. के. गुप्ता ने की। 12 नामांकित सदस्यों में से 06 सदस्यों ने बैठक में भाग लिया।

ए. के. गुप्ता ने चालू वित्तीय वर्ष में जून-2023 तक सिकंदराबाद मंडल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सदस्यों को सिकंदराबाद मंडल द्वारा की गई विभिन्न विकास गतिविधियों के बारे में भी विस्तार से बताया। इसके अलावा, उन्होंने सदस्यों को यात्री सुविधा कार्यों और विभिन्न चल रही परियोजनाओं के विकास के बारे में जानकारी दी। सदस्यों ने प्रभाग द्वारा की गई विकासात्मक गतिविधियों पर संतोष व्यक्त किया और विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

बाद में सदस्यों द्वारा भेजे गए एजेंडे पर चर्चा की गई, जिनकी मुख्य मांगें विभिन्न ट्रेनों का ठहराव, लिफ्ट, एस्केलेटर जैसी यात्री सुविधाओं का प्रावधान, ट्रेनों की समयबद्धता, स्टेशनों और ट्रेनों में साफ-सफाई थी। अध्यक्ष ने सदस्यों को आश्वासन दिया कि उनके सुझावों/अभ्यावेदनों की लागू दिशानिर्देशों/मानदंडों के तहत जांच की जाएगी और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एम. बसवराज और अन्य शाखा अधिकारी उपस्थित थे।

स्पष्ट मतदाता सूची तैयार की जाए : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेवराव ने कहा कि स्पष्ट मतदाता सूची तैयार करने के लिए अधिकारियों और राजनीतिक दलों के एजेंटों के साथ समन्वय करके उपाय किए जाने चाहिए। जिला अपर कलेक्टर राजेशम, डीआरओ राजेश्वर के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची के प्रारूपण को लेकर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि त्रुटि रहित स्पष्ट मतदाता सूची सुनिश्चित की जाए तथा 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोग अपना वोट विवरण दर्ज कराएं, इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। उन्होंने कहा कि जो मतदाता मतदान केंद्र से दूर हैं, उन्हें नजदीकी मतदान केंद्र पर शिफ्ट होने का अवसर दिया जाए।बूथ स्तर के अधिकारी और राजनीतिक दलों के पूर्ण एजेंट उन लोगों के विवरण की पहचान करें जिनकी मृत्यु हो गई है और घर जाते समय उनके पास दो ईपीआईसी कार्ड हैं और भारत के चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार उन्हें हटाने के लिए कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि नए पंजीकृत मतदाताओं को पहचान पत्र वितरित करने के लिए कदम उठाए जाएं और जिस मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1300 से अधिक हो गई है, उस मतदान केंद्र के अतिरिक्त एक मतदान केंद्र स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के सुझावों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और मतदाता सूची में गलत नामों को सही करने के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए। इस कार्यक्रम में समाहरणालय अधीक्षक, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व अन्य लोग शामिल हुए।

वरिष्ठ कवि एमडी गोयल का काव्यसंग्रह 'बिखरे फूल' लोकार्पित

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कवि एवं शायर एमडी गोयल की पुस्तक 'बिखरे फूल' का लोकार्पण वरिष्ठ हास्य व्यंग्य कवि वेणुगोपाल भट्टड ने किया। श्री भट्टड ने कहा कि एमडी गोयल हैदराबाद में एक शिक्षक के रूप में काफी लोकप्रिय रहे हैं। एक कवि के रूप में उन्होंने बहुत कम मंचों को साझा किया है, लेकिन उनकी रचनाओं से एक बड़ा वर्ग प्रभावित रहा है। कवि एमडी गोयल ने कहा कि कविता लिखने के लिए नहीं लिखी है, बल्कि जब किसी घटना या प्रसंग ने प्रेरित किया तो विचारों को रचना के हवाले किया है। यह अब पुस्तक "बिखरे फूल" के रूप में आज प्रस्तुत किया है। अवसर पर नंदगोपाल भट्टड, डॉ. रऊफुद्दीन शाकिर, देवाशीष गोयल, डॉ. केशव प्रिया, हरि प्रिया, अजय अग्रवाल, निर्मला गोयल, अतियब एजाज, इफ्तिख़ार आबिद प्यारे, सपत दरक एवं मनोज गोयल ने पुस्तक में शामिल रचनाओं का पाठ किया। रामअवतार दायमा के संगीत संयोजन में दिवाकर मीणा द्वारा गायी गोयल जी की एक रचना भी समारोह में प्रस्तुत की गयी। व्यंग्यकार मनोज गोयल ने अपने पिता एवं कवि मनभर दयाल गोयल की साहित्यिक रुचि और पुस्तक प्रकाशन से जुड़े तथ्यों पर रोशनी डाली। उत्तिष्ठ भारतेय के अतिरिक्त डॉ. मोहन गुप्ता ने अपने संबोधन में कविता का महत्व तथा समाज में परिवर्तन लाने में कवि की भूमिका पर आलोकपात किया। समारोह में शहर की विभिन्न संस्थाओं के अलावा ओमप्रकाश अग्रवाल, एके वाजपेयी, अशोक बंसल, आनंद शर्मा, डॉ. अहिल्या मिश्रा, श्रुतिकांत भारती, रामकृष्ण पांडेय, अजीत गुप्ता, डॉ. महेश शर्मा, दिलीप पसारी, हनुमान मालू, सुरेश अग्रवाल, ओमप्रकाश अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल, गिरधर अट्टल, गोपाल सारड़ा, गिरधारीलाल गुप्त, प्रो. वी बी शास्त्री, प्रो. डी के मूर्ति एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने गोयल का सम्मान किया। इस अवसर पर आयोजित गीत ग़ज़ल गायकी के कार्यक्रम में, पंडित रतनलाल एवं पंडित गोविंद शर्मा के मार्गदर्शन में कु.ज्योति शर्मा और टी वी सीरियल की सा सा रे ग म प की प्रसिद्ध बाल गायिका कु. देविका शर्मा ने अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें ठाकुर हरजीत ने तबले पर संगत की। पुस्तक समीक्षा एफएम सलीम ने प्रस्तुत की।

अग्रवाल समाज बालनगर शाखा की सावन की सैर 16 को

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज बालनगर शाखा की सावन की सैर के तहत 16 जुलाई को साय 5:30 बजे सिकन्द्राबाद से औरंगाबाद के लिए यात्रा का आयोजन किया जाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक सिकन्द्राबाद से ट्रेन नंबर 17064 अजन्ता एक्सप्रेस साय 6 बजे रवाना होगी एवं सभी सैर के सदस्य को रात्रि के भोजन की व्यवस्था स्वयं की ही रहेगी। सभी सदस्यों से सायं 5:30 बजे तक प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंचने की अपील की गई है।

मछली पकड़ने के दौरान व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को रामायमपेट मंडल के अक्कन्नापेट गांव में कोत्ता चेरुवु में मछली पकड़ने के दौरान फिसलकर एक चट्टान पर गिरने से 56 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। बुची रामुलु अपना जाल फेंकने के लिए एक चट्टान पर खड़ा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह चट्टान पर गिर गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण तत्काल मृत्यु हो गई। रामायमपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

समय की पहचान का समय है चातुर्मास : डॉ. मंगल प्रज्ञा

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद तेरापंथ भवन में साध्वीश्री डॉ. मंगलप्रज्ञाजी की सन्निधि में त्रिदिवसीय 13 घंटे के अखंड जाप के पश्चात केंद्र निर्देशित जप अनुष्ठान करवाकर चातुर्मास की शुभ स्थापना की गई। साध्वीश्री ने श्रावण प्रतिपदा के अवसर पर प्रेरणा स्वर में कहा कि चातुर्मास आगम दर्शन एवं स्वयं की पहचान का समय है। नए लक्ष्य के साथ हमारी यात्रा आरंभ होनी चाहिए। यह सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। बाह्य परिचय ही सब कुछ नहीं है। ये सच्चाई है कि आपका परिचय मात्र नाम, आकृति और शरीर नहीं है। भगवान महावीर की वाणी को आत्मसात करें। मात्र शब्दों से नहीं शुद्ध चेतना की दृष्टि से विचार करें। देखें मेरे व्यवहार में संवेदन शीलता है या नहीं। मेरे किसी व्यवहार से किसी को पीड़ा तो नहीं हो रही है। अध्यात्मज्ञाता व्यक्ति को यह चिंतन जरूर करना चाहिए। स्वार्थ चेतना वाले व्यक्ति अध्यात्म के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सकते और व्यवहार के क्षेत्र में भी ऊंचा स्थान नहीं प्राप्त कर सकते हैं।

साध्वीश्री ने उपस्थित परिषद को यथेच्छा रात्रि भोजन एवं सचित का त्याग करवाया। साध्वीश्री के सानिध्य में तेरापंथ भवन में रोजप्रातः 6:20 बजे प्रार्थना,मंगलपाठ एवं ध्यान का नियमित प्रयोग चल रहा है। प्रातः साप्ताहिक प्रवचन का समय प्रातः 9:15 से 10:15 बजे तक रहेगा। प्रवचन के पश्च्यात तत्वज्ञान, भक्तांबर एवं प्रतिक्रमण की क्रमशः दो दिन कक्षाएं आयोजित होगी।सायंकालीन अर्हत वंदना व धर्मचर्चा का समय लगभग 8:15 से निर्धारित रहेगा। इस अवसर पर साध्वी राजुल प्रभा जी ने अपने विचार व्यक्त किए।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा ने पुस्तक वितरित की

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद की अध्यक्ष रक्षा जैन के नतृत्व में आंध्र प्रदेश तेलंगाना प्रांत का प्रतिष्ठित कार्यक्रम पुस्तक (नोटबुक) वितरण के अन्तर्गत शाखा द्वारा घास मंडी स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में पढ़ेगा ईंडिया तो बढ़ेगा ईंडिया की तर्ज पर सिकंदराबाद स्थित सरकारी स्कूल के जरूरतमंद बच्चों को नोटबुक, पेन, पेंसिल, कलर इत्यादि लेखन सामग्री वितरित की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा संरक्षण मंजू विनायकिया, सुमित्रा सांखला, रक्तदान संयोजिका पूनम बोहरा, मीना जैन, वंदना दुग्गड, सुमन घोड़ेला, डिंपल जैन, बबीता घोड़ेला, सराहनीय योगदान रहा। शाखा की कोषाध्यक्ष कला गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जनसमस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों के समन्वय से कार्रवाई : अपर कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर कलेक्टर राजेशम ने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रम में आवेदकों द्वारा अपने आवेदन के माध्यम से प्रस्तुत की गयी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कदम उठाये जायेंगे।सोमवार को उन्होंने डिस्ट्रिक्ट सेंटर स्थित समाहरणालय भवन में डीआरओ राजेश्वर के साथ आवेदकों से आवेदन प्राप्त किये। केरामेरी मंडल के लकमापुर गांव के धरावत शेवारीभाई ने पादु भूमि को रद्द करने के लिए कहा है जिसके लिए सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में राठौड़ गणपति को आरवीओएफआर शीर्षक दिया गया था। चिंतालामनापल्ली मंडल के रवींद्रनगर के प्रशांत मंडल ने कहा कि उनकी बेटी रितु मंडल ने कक्षा 6 तक चिंतालामनापल्ली में पढ़ाई की और अनुरोध किया कि उनकी बेटी को आदर्श स्कूलों में सीट दी जाए। बेजुर मंडल के गियररागुड़ा गांव के पेंदाम किश्तैया और नंदाराम ने न्याय की गुहार लगाई है कि उसी गांव का एक व्यक्ति पैसे का इस्तेमाल कर सर्वे नंबर 178 में उनकी तीन एकड़ जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

शिकायत पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी : सुरेश कुमार

कुमरम भीम आसिफाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को जिला पुलिस कार्यालय में एक सार्वजनिक संबोधन के दौरान जिले के एसपी को जिले के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न मुद्दों पर पीड़ितों के आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसपी ने जनदर्शन में पीड़ितों से मिल रही शिकायतों पर संबंधित थाने के पदाधिकारियों से बात की और पुलिस अधिकारियों को पुलिस के दायरे में हर मामले को सुलझाने में त्वरित कार्रवाई करने और पीड़ितों को न्याय देने का आदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने आश्वासन दिया कि पीड़ितों को न्याय मिलेगा।

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में मेहंदीपुर बालाजी सुभाष जी ग्वालियर वाला गुरु जी का गोशामहल केडिया भवन में आशीर्वाद प्राप्त किया गया। अवसर पर अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, रितु गोयल आदि उपस्थित थे।

समान नागरिक संहिता के समर्थन में आयोजित हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल, भाजपा गोलकुंडा जिला अध्यक्ष पांडु यादव, रघुनंदन यादव, अनिल अंबाडी, श्रीनिवास यादव, अमर सिंह, मयूर कालेकर, प्रवीण बाबू, रघु कांबले, रामकृष्ण, रेणुका व अन्य।

रक्षा पेंशनभोगियों के लिए स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार भारत भर के कई जिलों में त्रि-सेवाओं (सेना, नौसेना और वायु सेना) के स्पर्श कार्यक्रम के तहत पेंशनभोगियों की पहचान और शिकायत निवारण के लिए 3 से 22 जुलाई 2023 तक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। उसी के एक भाग के रूप में, रक्षा लेखा नियंत्रक (सीडीए) चेन्नई द्वारा शुबमस्तु पुलिस कल्याण मंडपम, गुंटूर में रक्षा पेंशनभोगियों के लिए 4 जुलाई को एक सामूहिक स्पर्श आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया था। टी. ढिलिप कुमार, सीडीए चेन्नई के सहायक नियंत्रक ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की और सैनिक कल्याण निदेशक ब्रिगेडियर वेंकट रेड्डी और जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, गुंटूर ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। आईडीएएस के दिलीप कुमार ने पेंशन वितरण में पेंशनभोगियों की समय पर पहचान के महत्व और पेंशन मंजूरी से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया को सरल बनाने में स्पर्श की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने ओआरओपी बकाया के वितरण में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी बताया। पीसीडीए पेंशन, प्रयागराज और सीडीए चेन्नई के कर्मचारियों ने पेंशनभोगियों के प्रश्नों को स्पष्ट किया और स्पर्श से संबंधित शिकायतों का समाधान किया। आउटरीच कार्यक्रम में गुंटूर, पलनाडु, कृष्णा और विजयवाड़ा जिलों के लगभग 300 पेंशनभोगियों ने भाग लिया। जीवन प्रमाण पत्र पहचान, आधार अपडेशन, स्पर्श सूचना, शिकायत निवारण, बैंकिंग सुविधाओं आदि के लिए स्टॉल लगाए गए थे।

बोनालू के मद्देनजर हरिबौली श्री अक्कन्ना मदन्ना महांकाली मंदिर समिति के आयोजन सचिव एस.पी.क्रांति कुमार के परिवार के सदस्यों द्वारा उप्पुगुडा श्री महांकाली मंदिरम में और बाद में अक्कन्ना मदन्ना महानकाली मंदिरम समिति द्वारा सुल्तान शाही श्री जगदंबा देवालयम में पोटु वस्त्र भेंट किया प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष रामदेव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ए.सतीश कुमार, प्रतिनिधि जगमोहन कपूर, जी.श्रीनिवास, पी.महेश, ए.राजथ, साईनाथ एवं अन्य उपस्थित थे।

दिन-प्रतिदिन रोजमर्रा वस्तुओं चावल, दाल आदि के बढते दाम पर विचार-विमर्श के लिए सीआरओ श्रीमती बी. मायादेवी ने नगर के व्यापारियों की बैठक बुलाई, जिसमें भाग लेते हुए डीएसओ रमेश, ए. गौतम जैन, हरिकिशन बंग, आनंद बंग, मधु बाबू व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चार राज्यों में ...

2012-2017 तक पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे हैं।

फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना के निधन के बाद गुरदासपुर लोकसभा सीट से सुनील जाखड़ ने जीत दर्ज की थी। सुनील जाखड़ के पिता डॉ. बलराम जाखड़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। वह 10 साल तक लोकसभा अध्यक्ष और मध्य प्रदेश के राज्यपाल भी रहे।

झारखंड के बाबूलाल मरांडी :

बाबूलाल मरांडी झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बने थे। 1991 और 1996 में वे लोकसभा चुनाव हारे थे, लेकिन 1998 के चुनाव में उन्होंने शिबू शोरेन को संथाल से हराया था। 2006 में उन्होंने भाजपा की सदस्यता से भी इस्तीफा देकर झारखंड विकास मोर्चा नाम से नई राजनीतिक पार्टी बना ली थी। भाजपा के पांच विधायक भी इसमें शामिल हुए थे।

उनके बेटे अनूप मरांडी की 27 अक्टूबर 2007 को झारखंड के गिरिडीह क्षेत्र में हुए नक्सली हमले में मौत हो गई थी। वे दीपक प्रकाश की जगह प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं।

तेलंगाना के जी किशन रेड्डी :

गंगापुरम किशन रेड्डी तेलंगाना के सिकंदराबाद से 2019 में भाजपा के टिकट पर सांसद बने। फिलहाल वे केंद्रीय कैबिनेट में पर्यटन एवं संस्कृति के अलावा पूर्वोत्तर विकास मामलों के मंत्रालय देख रहे हैं। तेलंगाना में रेड्डी की नियुक्ति इसी साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव को देखते हुए की गई है। जी किशन रेड्डी बंडी संजय कुमार की जगह तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं।

आंध्र प्रदेश के डी पुरंदेश्वरी :

डी पुरंदेश्वरी आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक एन टी रामाराव की बेटी हैं। फिलहाल वे जेपी नड्डा की टीम में राष्ट्रीय महासचिव भी हैं। वो छत्तीसगढ़ की प्रभारी भी रह चुकी हैं।

पुरंदेश्वरी विशाखापट्टनम और बापतला लोक सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती थीं। 7 मार्च 2014 को वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं। डी पुरंदेश्वरी सोमू वीरराजू की जगह आंध्र प्रदेश भाजपा की अध्यक्ष होंगी।

सुप्रीम कोर्ट में...

इस तरह की जनहित याचिकाएं बंद होनी चाहिए। हम इसे खारिज करते हैं और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को 25 हजार रुपये का जुर्माना भरने का निर्देश देते हैं। याचिकाकर्ता को दो हफ्ते के अंदर भुगतान की रसीद पेश करनी होगी।

एडवोकेट सचिन गुप्ता ने एक और याचिका दायर की थी जिसमें आरक्षण को धीरे-धीरे खत्म करने और वैकल्पिक आरक्षण की नीति लागू करने की मांग गई थी। हालांकि कोर्ट ने इसे भी खारिज कर दिया और इसके लिए भी सचिन पर 25 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

आतंकवाद सबसे बड़ा ...

एससीओ के लिए अफगानिस्तान एक चिंता का विषय है। वहां हालात बेहतर नहीं हो रहे हैं। एससीओ का लक्ष्य आतंकवाद, कट्टरवाद, उग्रवाद और नशीली दवाओं की तस्करी पर लगाम लगाना है।

एससीओ भी हमारा परिवार :

पीएम मोदी ने कहा, हम एससीओ को अपना परिवार मानते हैं। पहली बार एससीओ मिलेट फूड फेस्टिवल, फिल्म फेस्टिवल, क्राफ्ट मेला, थिंक टैंक कॉन्फ्रेंस जैसी चीजें हुई हैं। एससीओ की पहली पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी में कार्यक्रम हुआ। एससीओ देशों के युवाओं की प्रतिभा को उजागर करने के लिए हमने कई कार्यक्रम किए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ देश क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म को नीतियों में जगह देते हैं। आतंकवादियों को पनाह देते हैं। उन्होंने आतंकवाद को अपनी पॉलिसी का हिस्सा बना लिया है। आतंकवाद क्षेत्र की शांति के लिए खतरा है। ऐसे मामलों में दोहरे मापदंड नहीं रखने चाहते।

क्या डब्ल्यूटीसी फाइनल की हैट्रिक बना सकता है भारत

साउथ अफ्रीका से पार पाना मुश्किल; शेष टीमों के खिलाफ 100 % जीत का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। द ऐशेज के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप-2023-25 की शुरुआत हो चुकी है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 12 जुलाई को वेस्टइंडीज दौरे पर रोसो टेस्ट के साथ करेगा। चैंपियनशिप के पिछले दो एडीशन में भारतीय टीम ने फाइनल तक का सफर तय किया है। ऐसे में हर भारतीय फैंस के मन में सवाल है कि क्या भारतीय टीम इस सीजन के फाइनल में पहुंच पाएगी या नहीं। यदि भारतीय टीम मौजूदा सीजन के फाइनल में पहुंच जाती है, तो डब्ल्यूटीसी के फाइनल की हैट्रिक बना लेगी।

इस स्टोरी में हम इसी सवाल का जवाब तलाशने की कोशिश कर रहे हैं। हमने भारतीय टीम के वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अवे और न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ 2-2 होम सीरीज के परिणाम निकाले, क्योंकि चैंपियनशिप में अब तक दो सीजन ही खेले गए हैं।

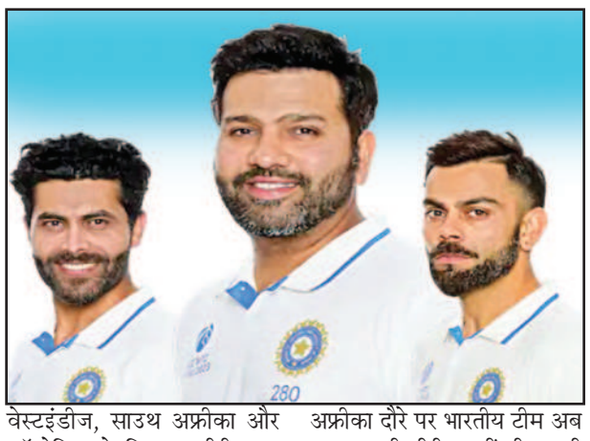

भारत का होम शेड्यूल आसान, अवे में कठिनाई

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा सीजन में भारत का होम शेड्यूल आसान है, जबकि अवे शेड्यूल कठिन है। टीम इंडिया की वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज घर से बाहर होंगी, जबकि न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और बांग्लादेश के साथ मुकाबले घर में खेलने होंगे।

चैंपियनशिप में भारत को कुल 6 सीरीज खेलनी है। इनमें 3 सीरीज बाहर (अवे) और तीन सीरीज घर (होम) में होंगी। देखिए डब्ल्यूटीसी 2023-25 का शेड्यूल...

वेस्टइंडीज-ऑस्ट्रेलिया से पिछली दोनों सीरीज जीतीं, अफ्रीका से कभी नहीं जीते

वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के मैदानों पर भारतीय टीम के प्रदर्शन पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि टीम इंडिया की सीरीज जीत का 100 फीसदी रहा है, लेकिन साउथ अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम अब तक एक भी सीरीज नहीं जीत सकी है। ऐसे में अफ्रीका का दौरा भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत पिछली दो सीरीज में एक भी मैच नहीं हारा है, टीम ने 6 मुकाबलों में 4 जीते हैं, जबकि 2 ड्रॉ रहे हैं। साथ ऑस्ट्रेलियाई सरजमी पर टीम इंडिया ने पिछली दो अवे सीरीज में 8 टेस्ट खेले हैं। इनमें से टीम को 2 में पराजय मिली है, जबकि चार जीते हैं। शेष 2 टेस्ट बराबरी पर समाप्त हुए। साथ ही साउथ अफ्रीका दौरे पर भारत ने पिछले दो दौरों पर 6 मैच खेले हैं। इनमें से चार हारे और दो जीते हैं। नीचे ग्राफिक्स में देखिए कैरेबिया, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका में भारत का पिछली दो सीरीज में प्रदर्शन...

होम सीरीज में जीत का रिकॉर्ड 100 फीसदी

न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया की होम सीरीज में जीत का रिकॉर्ड 100 फीसदी रहा है। इन देशों के खिलाफ भारतीय टीम पिछली दो सीरीज में नहीं हारी है। पिछले दो दौरे में भारत ने कीवियों को 1-0 और 3-0 से हराया था, जबकि अंग्रेजों के खिलाफ यह स्कोर 3-1 और 4-0 रहा है। बांग्लादेश की मेजबानी करते हुए टीम इंडिया ने 2-0 और 1-0 से सीरीज अपने नाम की हैं। ग्राफिक में भारत का होम सीरीज में प्रदर्शन...

अब आखिरी में जानिए वे 3 कीर्तिमान, जो टीम इंडिया रच सकती है

डब्ल्यूटीसी के मौजूदा सीरीज में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम के पास वे कीर्तिमान स्थापित करने का मौका होगा, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में भारतीय टीम कभी नहीं कर सकी है। आगे तीन पॉइंट्स में समझिए...

ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीतने की हैट्रिक भारतीय टीम के पास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के घरेलू मैदान पर सीरीज जीतने की हैट्रिक बनाने का मौका होगा, क्योंकि टीम इंडिया ने 2018 और 2021 में कंगारू सरजमीं पर 2-1, 2-1 के अंतर से सीरीज जीती हैं। ऐसे में अगली टेस्ट सीरीज को जीतते हुए भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के घर में लगातार तीन सीरीज जीतने का इतिहास बना सकती है।

साउथ अफ्रीका में पहली बार कोई सीरीज जीतने का मौका भारतीय टीम अपने टेस्ट क्रिकेट के 91 साल के इतिहास में साउथ अफ्रीका से अफ्रीकी मैदानों पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत सकी है। ऐसे में इस साल टीम इंडिया के पास यह इतिहास रचाने का मौका है, क्योंकि पिछली दो सीरीज में टीम इंडिया के हार का अंतर मामूली रहा है।

टेस्ट क्रिकेट में पहली बार हार से ज्यादा जीत इस साइकल में भारत के बाद कुल टेस्ट मुकाबलों में हार से ज्यादा जीत दर्ज करने का मौका है। अब तक के टेस्ट इतिहास में भारत ने कुल 570 टेस्ट खेले हैं। इनमें से 172 जीते और 176 गंवाए हैं। इस सीजन में टीम इंडिया इस आंकड़े को उलट सकती है। यानी कि जीत का आंकड़ा हार से ज्यादा हो सकता है। अब तक ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान ही ऐसा कर सके हैं। ऐसा करने की स्थिति में भारत इस सूची में जुड़ जाएगा।

विम्बलडन में स्वियातेक की आसान जीत

जोकोविच-रूड संघर्ष से जीतेःपहले दिन बारिश ने डाला खलल, छत बंद कर कराए गए मुकाबले

लंदन, 4 जुलाई (एजेंसियां)। टॉप सीड इगा स्वियातेक, नोवाक जोकोविच और कैस्पर रूड ने दुनिया के सबसे पुराने टूर्नामेंट विम्बलडन में आसान जीत से शुरुआत की, हालांकि पहले दिन सोमवार को लंदन में बारिश ने फैंस के रोमांच में खलल डाला। बारिश की बाधा के कारण कई मैचों में विलंब हुआ, तो कुछ छत बंद करके सेंटर कोर्ट पर खेले गए।

इससे पहले, मनमोहक प्रस्तुतियों के साथ साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम की शुरुआत हुई। यहां टूर्नामेंट की आयोजक संस्था ऑल इंग्लैंड क्लब ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में केरल की स्नैक बोट रेस को प्रमोट किया। क्लब ने एक फोटो पोस्ट की, जिसमें दुनिया के टॉप टेनिस स्टार स्नेक रेस में हिस्सा लेते दिखाई दे रहे हैं। इस फोटो को खूब पसंद किया गया। आगे देखिए वह फोटो...

टॉप सीड स्वियातेक की आसान जीत, लिन को सीधे सेटों में हराया

पहले दौर के मुकाबले में टॉप सीड इगा स्वियातेक ने आसान जीत दर्ज की। उन्होंने चीन की एल झू को 6-1, 6-3 से हराया। लेडीज सिंगल्स में 5वीं सीड सी. गार्सिया और चौथी सीड

रूड और जोकोविच की संघर्षपूर्ण जीत

जेंटलमैन सिंगल्स में कैस्पर रूड को पहली जीत के लिए खूब पसीना बहाना पड़ा। उन्होंने एल. लोकोली को 6-1, 5-7, 6-4 और 6-3 से हराया, जबकि दूसरी सीड नोवाक जोकोविच ने पी कैचिन को 6-3, 6-3 और 7-6 से हराया। सर्बियन स्टार जोकोविच बतौर डिफेंडिंग चैंपियन खेल रहे हैं।

साल का तीसरा ग्रैंड स्लैम है विम्बलडन

टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में US ओपन होता है। यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

ओलंपिक के लिए फिर से कुश्ती मैट पर उतरेंगी 'दंगल' गर्ल गीता फोगाट

अखिल भारतीय पुलिस गेम्स टूर्नामेंट से करेंगी वापसी

नई दिल्ली, 4 जुलाई (एजेंसियां)। गीता राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने वाली पहली महिला पहलवान हैं। उन्होंने 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीता था। अब वह 2024 पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुट गई हैं।

दंगल गर्ल गीता फोगाट एक बार फिर कुश्ती की मैट पर वापसी करने जा रही हैं। साढ़े तीन साल के बेटे की मां, 34 वर्षीय गीता पेरिस ओलंपिक में दावेदारी के लिए अपने को तैयार कर रही हैं। गीता इस माह होने वाली अखिल भारतीय पुलिस गेम्स से कुश्ती मैट पर वापसी करेंगी। उनकी कोशिश कनाडा में होने वाले विश्व पुलिस खेलों में शिरकत करने की होगी। इसके बाद वह ट्रायल के जरिए पेरिस ओलंपिक की टीम में जगह बनाने की कोशिश करेंगी। गीता राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने वाली पहली महिला पहलवान हैं। उन्होंने 2010 के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीता था।

ओलंपिक के लिए ली लंबी छुट्टी

राष्ट्रमंडल खेलों में देश के लिए पहला स्वर्ण जीतने वाली महिला पहलवान गीता ने दो वर्ष पूर्व भी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए वापसी की कोशिश की थी, लेकिन चोट के कारण उनकी यह वापसी सफल नहीं रही। 2012 के लंदन ओलंपिक में खेलने वाली गीता अमर उजाला से कहती हैं कि पुलिस की ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने अपने को पूरी तरह फिट रखा है। उनका वजन अभी 62 किलो के आसपास है और वह पिछले कुछ समय से सोनीपत के साई सेंटर में तैयारियां भी कर रही हैं। उनका एक बार फिर ओलंपिक में खेलने का सपना है। इसकी तैयारियों के लिए उन्होंने हरियाणा पुलिस से लंबी छुट्टी भी ले ली है।

मारिया से प्रेरणा ले रही हैं गीता

गीता के पिता महावीर फोगाट ने कभी उनके लिए ओलंपिक पदक का सपना देखा था। गीता के मन में यह जज्बात लगातार गोते लगाते रहते हैं। गीता के सामने यूक्रेन की 35 वर्षीय मारिया स्टैडनिक का उदाहरण है। वह इस उम्र में भी खेल रही हैं। उनके 13 और 10 साल के बेटे, बेटियां भी हैं। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। स्टैडनिक ओलंपिक में चार और विश्व चैंपियनशिप में दो स्वर्ण समेत छह पदक जीत चुकी हैं। गीता कहती हैं कि उम्र तो एक संख्या है उनके अंदर खेलने का पूरा जज्बा है।

पति ने दिया वापसी का हौसला

गीता के मुताबिक वह 62 या फिर 57 भार वर्ग में उतर सकती हैं। इन दोनों ही भार वर्ग में उन्हें खेलने में कोई परेशानी नहीं है। उन्हें मालूम है कि ट्रायल में मुकाबला काफी कठिन होगा, लेकिन उनके पति पहलवान पवन सरोहा उन्हें इसके लिए तैयार कर रहे हैं। पवन ने उन्हें वापसी के लिए काफी हौसला दिया है।

वेस्टइंडीज में टीम इंडिया ने खेला बीच वॉलीबॉल

रोहित-विराट बारबाडोस पहुंचे, 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले एक हफ्ते का प्रैक्टिस कैंप

बारबाडोस, 4 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के बाद विराट कोहली भी बारबाडोस पहुंच चुके हैं। भारतीय टीम आज से प्रैक्टिस शुरू करेगी।

एक दिन पहले सोमवार को रोहित, विराट सहित टीम के खिलाड़ियों ने बारबाडोस में बीच वॉलीबॉल खेला। बीसीसीआई ने एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली सहित अन्य भारतीय खिलाड़ी नजर आ रहे हैं।

2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले कैंप

भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ 12 जुलाई से 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। उससे पहले टीम का बारबाडोस में एक हफ्ते का कैंप लगाया जाएगा।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सभी खिलाड़ियों को 3 जुलाई तक बारबाडोस पहुंचने के निर्देश दिया है। रोहित शर्मा शनिवार को बारबाडोस पहुंचे थे। विराट सोमवार को टीम के साथ जुड़ गए।

टीम इंडिया को पहले टेस्ट से पहले दो अभ्यास मैच भी खेलने हैं।

तीन वनडे और पांच टी-20 मैचों की सीरीज भी

वेस्टइंडीज दौरे पर टीम इंडिया तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलेगी। टीम इंडिया पहले दो टेस्ट मैच खेलेगी। पहला मैच 12 जुलाई और दूसरा 20 जुलाई से होगा। वनडे सीरीज 27 जुलाई से शुरू होगी, वहीं पांच मैचों की टी-20 सीरीज 3 अगस्त से 13 अगस्त तक चलेगी।

ब्रायन लारा वेस्टइंडीज के परफॉर्मेंस मेंटर नियुक्त

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व क्रिकेटर ब्रायन लारा को भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज से पहले परफॉर्मेंस मेंटर नियुक्त किया है। वेस्टइंडीज टीम इस साल 5 अक्टूबर से भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई है।

लारा वेस्टइंडीज के लिए 131 टेस्ट और 299 वनडे मैच खेल चुके हैं। टेस्ट क्रिकेट में लारा ने 52.88 की औसत से 11953 रन बनाए हैं। वहीं वनडे में उन्होंने 10405 रन बनाए हैं।

कनाडा ओपन में फिर से लय हासिल करने उतरेंगे सिंधू और लक्ष्य सेन

ओलंपिक क्वालिफिकेशन पर रहेंगी नजरें

कैलगरी, 4 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू चोट के बाद वापसी करते हुए फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही हैं। दुनिया की दूसरे नंबर की पूर्व खिलाड़ी सिंधू की मौजूदा बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग 12 है।

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू हो रहे कनाडा ओपन विश्व टूर सुपर-500 टूर्नामेंट में लय हासिल करने और मौजूदा ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र में बहुमूल्य रैंकिंग अंक हासिल करने के इरादे से उतरेंगे।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू चोट के बाद वापसी करते हुए फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रही हैं। दुनिया की दूसरे नंबर की पूर्व खिलाड़ी सिंधू की मौजूदा बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग 12 है और उन्हें पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र (एक मई 2023 से 28 अप्रैल 2024) में उनके टूर्नामेंटों की भरपाई भी करनी है जिनमें वह चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाईं।

इस 27 वर्षीय खिलाड़ी को पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान स्ट्रेस फ्रेक्चर हुआ था और वह अब भी पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए जूझ रही हैं। वह फरवरी में दोहा में बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थी लेकिन इस साल कुछ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पाईं।

इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अप्रैल में मैड्रिड मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट में रजत पदक जीतना रहा। इसके बाद वे दो टूर्नामेंट के पहले दौर में बाहर हो गईं जबकि एक में उन्हें दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। सिंधू के लिए यहां ड्रॉ तुलनात्मक रूप से आसान है। उन्हें पहले दौर में स्थानीय दावेदार तालिया एनजी से भिड़ना है।

सिंधू को क्वार्टर फाइनल में जापान की आठवीं वरीय नोजोमी ओकाहारा का सामना करना पड़ सकता है जिनके खिलाफ उन्होंने नौ जीत दर्ज की जबकि आठ में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सिंधू को शीर्ष वरीय अकाने यामागुची के ड्रॉ में जगह मिली है। जापान की यामागुची ने पिछले महीने सिंगापुर ओपन में सिंधू को हराया था लेकिन इसके बावजूद उनके खिलाफ भारतीय खिलाड़ी की जीत हार का रिकॉर्ड 14-10 है। राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन भी इस साल कुछ टूर्नामेंट के पहले दौर में हार के बाद शीर्ष 10 से बाहर हो गए हैं।

दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य चार टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर हो गए और इस साल उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाना रहा। लक्ष्य की पिछले साल अगस्त में विश्व चैंपियनशिप के बाद नाक की सर्जरी हुई थी और इसके बाद से वह फॉर्म हासिल करने के लिए जूझ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सर्जरी के बाद आठ महीने के दौरान उन्हें कई बार बीमारी और एलर्जी का सामना करना पड़ा।

'वो बिल्कुल जडेजा जैसा थ्री डी प्लेयर है'

मैथ्यू हेडन ने पाक के शादाब खान की तारीफ में कही बड़ी बात

इस्लामाबाद, 4 जुलाई (एजेंसियां)। 5 अक्टूबर से शुरू होने वाला वनडे विश्वकप 2023 धीरे-धीरे करीब आ रहा है। इस विश्वकप को लेकर दिग्गज अपनी राय दे रहे हैं। इस बीच अब ऑस्ट्रेलिया टीम के स्टार बल्लेबाज रहे मैथ्यू हेडन ने पाकिस्तान के एक खिलाड़ी की तुलना टीम इंडिया के स्टार आलराउंडर रवींद्र जडेजा की है। ये प्लेयर और कोई नहीं बल्कि शादाब खान हैं।

मैथ्यू हेडन मानते हैं कि पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान की तुलना भारत के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा से करना उचित है, क्योंकि वह भी ठीक CSK के आईपीएल 2023 विजेता स्टार की तरह ही खेल के तीनो पहलुओं (बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग) में दमदार क्रिकेटर हैं।

हेडन ने शादाब को बताया थ्री डी प्लेयर

स्टार स्पोर्ट्स के हवाले से मैथ्यू हेडन ने कहा कि 'शादाब खान एक शानदार खिलाड़ी हैं। एक क्रिकेट में जो विशेषताएं होनी चाहिए, वो सब उसमें हैं। जड्डू (रवींद्र जड़ेजा) की तरह, शादाब खान एक 3-डी क्रिकेटर है। वह बल्ले के साथ एक खतरनाक हिटर हैं, तो वहीं उनके पास गेंद के साथ विविधताएं हैं और साथ ही वह एक अद्भुत फील्डर भी हैं। मैं एक चीज कहना चाहूंगा आप शानदार फील्डिंग के दम पर वर्ल्ड कप जीतते हैं।'

पाकिस्तान के कोच रह चुके हैं मैथ्यू हेडन

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने आगे कहा कि शादाब बल्ले के साथ खतरनाक खिलाड़ी हैं और उनके पास गेंद में विविधता है। आपको बता दें कि पिछले दो आईसीसी टी20 वर्ल्डकप के लिए हेडन, बैटिंग कोच की हैसियत से पाकिस्तान टीम को सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान टीम के साथ लंबा वक्त गुजारा है।

फीफा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना के गोलकीपर मार्टिनेज कोलकाता पहुंचे

बोले- भारत आना मेरा सपना था, गांगुली और ममता बैनर्जी से मिलेंगे

कोलकाता, 4 जुलाई (एजेंसियां)। फुटबॉल की वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना के स्टार गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज कोलकाता पहुंचे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस एयरपोर्ट पर फैंस ने मार्टिनेज का गर्मजोशी से स्वागत किया । मार्टिनेज ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा- 'मैं उत्साहित हूं और बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने भारत आने का वादा किया था और मैं आया। भारत एक खूबसूरत देश है। भारत आना मेरा सपना था।'

मार्टिनेज अगले 3 दिनों तक भारत में रहेंगे। इस दौरान वे संतोष मित्रा स्क्वायर पर स्कूली बच्चों से भी मिलेंगे। वे मोहन बागान क्लब में पेले, डिएगो गेट का उद्घाटन करेंगे। प्रीमियर लीग क्लब एस्टन विला के लिए खेलने वाले मार्टिनेज वेस्ट बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से मुलाकात करेंगे।

त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स ने जीता पहली ग्लोबल शतरंज लीग का खिताब

दुबई, 4 जुलाई (एजेंसियां)। रेपिड बाजी के दो दौर ड्रॉ रहे जबकि इसके बाद ब्लिट्ज बाजी के दो दौर भी बराबरी पर छूटे। चैंपियन का फैसला अंततः सडल डेथ ब्लिट्ज बाजियों की श्रृंखला के साथ हुआ जहां चौथी बाजी में फैसला आया।

डेनमार्क के ग्रैंडमास्टर योनास जेयर ने 'सडन डेथ' मुकाबले में अपग्रेड मुंबा मास्टर्स के जोवाखीर सिंदारोव को हराकर त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को पहली ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) का खिताब दिलाया। तीन चरण के टाईब्रेक के जरिए विजेता का फैसला किया।

रेपिड बाजी के दो दौर ड्रॉ रहे जबकि इसके बाद ब्लिट्ज बाजी के दो दौर भी बराबरी पर छूटे। चैंपियन का फैसला अंततः सडल डेथ ब्लिट्ज बाजियों की श्रृंखला के साथ हुआ जहां चौथी बाजी में फैसला आया। टूर्नामेंट के सबसे अनुभवहीन खिलाड़ियों में शामिल रहने के अलावा अपने अधिकांश मुकाबले गंवाने वाले जेयर ने हालांकि सबसे महत्वपूर्ण लम्हे पर टीम के लिए जीत दर्ज की। जेयर ने कहा, अंतिम बाजी बेहद तनावपूर्ण थी। यह बेहद रोमांचक थी। मैं अब भी कांप रहा हूं। लेवोन अरोनियम (टीम कप्तान) ने मुझे कहा कि आप संघर्ष करो, अगर आप इस बाजी को जीतते हैं तो आप प्रतियोगिता जीत जाओगे।

अन्याय और शोषण के खिलाफ अल्लूरी सीताराम राजू का संघर्ष अविस्मरणीय : राष्ट्रपति

स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू का बलिदान सराहनीय : केसीआर

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नगर में अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती के समापन समारोह में भाग लिया और संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि अन्याय और शोषण के खिलाफ अल्लूरी सीताराम राजू का संघर्ष भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक गौरवशाली अध्याय है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को उनकी देशभक्ति और साहस से अवगत होना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू का जीवन चरित्र जाति और वर्ग के आधार पर बिना किसी भेदभाव के समाज को एकजुट करने का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू को आदिवासी समाज ने पूरी तरह से अपना लिया था और उन्होंने आदिवासी समाज के सुख-दुख को भी अपना सुख-दुख बनाया। उन्हें एक आदिवासी योद्धा के रूप में याद किया जा रहा है और यही उनकी असली पहचान है। वे अपनी शहादत तक आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए लड़ते रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी की विरासत को याद रखना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने बुद्धिजीवियों, विशेषकर समाजशास्त्रियों और इतिहासकारों से सभी नागरिकों, विशेषकर युवा

पीढ़ी के बीच अल्लूरी सीताराम राजू जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के बारे में जागरूकता पैदा करने के प्रयास करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों की भलाई के लिए निस्वार्थ और निडर होकर काम करना अल्लूरी सीताराम राजू के जीवन का संदेश है। उन्होंने कहा कि हम उनके आदर्शों को अपने आचरण में अपनाकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं। उन्होंने सभी से समाज और देश के हित में अल्लूरी सीताराम राजू के मूल्यों और आदर्शों को अपनाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में दौरान मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू को याद करते हुए कहा कि देश की आजादी के लिए ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने वाले इस स्वतंत्रता सेनानी का बलिदान सराहनीय है। स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती पर मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने कहा कि ब्रिटिश शासन और आदिवासी अधिकारों के लिए लड़ने वाले सीताराम राजू ने देश के लिए कई बलिदान दिए हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग इस स्वतंत्रता सेनानी से प्रेरित होकर स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती समारोह के समापन समारोह का ऐतिहासिक कार्यक्रम आयोजित करना बड़ी बात है, जिसमें राष्ट्रपति भी भाग ले रही हैं। सीएम केसीआर ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी अल्लूरी सीताराम राजू को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अल्लूरी को भारत की संस्कृति, जनजातीय पहचान, वीरता, आदर्शों और मूल्यों का प्रतीक बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन आदिवासी समाज के अधिकारों और उनके उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। मंत्री ने कहा, उनका बलिदान और जीवन यात्रा हम सभी के लिए प्रेरणा है।

पीएम ने साईं हीरा ग्लोबल कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन किया

मोदी वर्चुअली जुड़े, कहा- यहां अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े पूरी दुनिया के विद्वान इकट्ठा होंगे

अमरावती, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में साईं हीरा ग्लोबल कन्वेंशन सेंटर का उद्घाटन किया। इसे सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट ने बनवाया है। प्रशांति निलयम सत्य साईं बाबा का मुख्य आश्रम है। यह बिल्डिंग लगभग 56 हजार 500 वर्ग फुट में बनाई गई है। इसमें दो सभागार हैं, दोनों में ही एक-एक हजार लोगों के बैठने की क्षमता है। कन्वेंशन सेंटर के इनॉगरेशन के बाद प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम देश-विदेश से शामिल लोगों को संबोधित किया। पीएम ने कहा, इस पूरे आयोजन में श्री सत्य साईं की प्रेरणा और उनका आशीर्वाद हमारे साथ है। मैंने इस कन्वेंशन सेंटर की तस्वीरें देखी हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस सेंटर में आध्यात्मिकता की अनुभूति भी है और आधुनिकता की आभा भी है। इसमें सांस्कृतिक दिव्यता भी है और वैचारिक भव्यता भी है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े पूरी दुनिया के विद्वान इकट्ठा होंगे। मोदी ने कहा, श्री हीरा ग्लोबल कन्वेंशन सेंटर के रूप में देश को एक प्रमुख विचार केंद्र मिल रहा

है। इस सेंटर में आध्यात्मिकता की अनुभूति भी है और आधुनिकता की आभा भी है। इसमें सांस्कृतिक दिव्यता भी है और वैचारिक भव्यता भी है।

कर्तव्यों को प्राथमिकता बनाकर आगे बढ़ रहा है भारत :

पीएम बोले, आज भारत भी कर्तव्यों को पहली प्राथमिकता बनाकर आगे बढ़ रहा है। आजादी के 100 साल के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए, हमने हमारे 'अमृतकाल' को 'कर्तव्य काल' का नाम दिया है। हमारे कर्तव्यों में आध्यात्मिक मूल्यों का मार्गदर्शन भी है और भविष्य के संकल्प भी हैं। इसमें विकास भी है और विरासत भी है।

हम डिजिटल टेक्नोलॉजी में बड़े देशों का मुकाबला कर रहे :

प्रधानमंत्री ने कहा, डिजिटल टेक्नोलॉजी और 5जी जैसे क्षेत्रों में हम बड़े-बड़े देशों का मुकाबला कर रहे हैं। दुनिया में आज जितने भी रीयल टाइम ऑनलाइन ट्रांजैक्शन हो रहे हैं, उसमें 40 प्रतिशत अकेले भारत में हो रहे हैं।

श्री अन्न में स्वास्थ्य भी है और संभावनाएं भी :

सत्य साईं सेंट्रल ट्रस्ट आंध्र के करीब 40 लाख विद्यार्थियों को श्री अन्न से बना भोजन दे रहा है, ये भी एक बहुत सराहनीय पहल है। इस तरह के काम से दूसरे राज्यों को भी जोड़ा जाए तो देश को इसका बड़ा लाभ मिलेगा। श्री अन्न में स्वास्थ्य भी है और संभावनाएं भी हैं। हमारे ऐसे सभी प्रयास वैश्विक स्तर पर भारत के सामर्थ्य को बढ़ाएंगे और भारत की पहचान को मजबूती देंगे।

सत्य साईं बाबा ने देश में तीन मंदिर स्थापित किए थे :

सत्य साईं बाबा एक आध्यात्मिक गुरु थे। उनके बचपन का नाम सत्यनारायण राजू था। उनका जन्म आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी गांव में 23 नवंबर 1926 को हुआ था। बाबा को प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु शिरडी के साईं बाबा का अवतार माना जाता है।

वे अपने माता-पिता की 8वीं संतान थे। 8 साल की उम्र में बाबा ने भजनों की रचना करनी शुरू कर दी थी। 24 अप्रैल 2011 को उन्होंने महासमाधि ले ली थी। उन्होंने भारत में तीन मंदिर स्थापित किये थे। इसमें मुंबई में धर्मक्षेत्र, हैदराबाद में शिवम और चेन्नई में सुंदरम शामिल है। इनके अलावा दुनियाभर के 114 देशों में सत्य साईं केंद्र बने हुए हैं।

महिला ने चुरा ली ग्राहक की 30 लाख की अंगूठी

पोल खुलने के डर से टॉयलेट में फेंक दी, पुलिस ने पकड़ा

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पॉश जुबली हिल्स में स्थित क्लिनिक गई महिला ग्राहक की हीरे की अंगूठे वहां काम करने वाली कर्मचारी ने चुरा ली, लेकिन पकड़े जाने के डर से महिला कर्मचारी ने 30.69 लाख की हीरे की अंगूठी को टायलेट में बहा दिया। पुलिस बताया कि महिला कर्मचारी ने डर की वजह से ऐसा कदम उठाया था।

मामला हैदराबाद के पॉश जुबली हिल्स का है। यहां पिछले हफ्ते एक त्वचा और बाल क्लिनिक पर एक महिला ग्राहक बाल हटाने को लेकर अपने काम से क्लिनिक गई थी, जब प्रक्रिया शुरू होने वाली थी तो महिला कर्मचारी ने उसे अंगूठी को एक बॉक्स में रखने के लिए कहा। लेकिन जब क्लिनिक से सभी काम करने के बाद महिला ग्राहक घर लौटी उसे पता चला कि वह क्लिनिक में अपनी अंगूठी भूल गई है। जब वह पूछताछ के लिए क्लीनिक लौटी तो उसे वहां कोई जानकारी नहीं दी गई। जब उसे वहां कुछ शक हुआ तो उसने मामले की शिकायत पुलिस में कर दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी और कर्मचारियों से पूछताछ की, जिसके बाद महिला कर्मचारी जिसने अंगूठी उठाई थी ने कथित तौर पर पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने अंगूठी चुराई थी और इसे अपने पर्स में रखा था।

अधिकारी ने कहा, लेकिन उसने कहा कि बाद में पुलिस के हाथों पकड़े जाने के डर से उसने इसे क्लिनिक के वॉशरूम में फ्लश कर दिया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान, पुलिस ने प्लंबर की मदद से कमोड को जोड़ने वाली पाइपलाइन से अंगूठी बरामद कर ली और बाद में महिला कर्मचारी को चोरीके आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

कलेक्टर ने आदिलाबाद में आदिवासी व्यक्ति को सहायता का आश्वासन दिया

आदिलाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर पीएस राहुल राज ने एक आदिवासी व्यक्ति को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया, जिसकी पत्नी के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने मंगलवार को नेराडीगोंडा मंडल के चिंचोली गांव में पीड़िता को सांत्वना दी। राज ने पीड़ित के बेटे को शिक्षा और छात्रावास की सुविधा प्रदान करने और आदिवासी व्यक्ति को एक घर स्वीकृत करने का वादा किया। जेडपीटीसी सदस्य अनिल जाधव और अधिकारी उपस्थित थे।

आदिवासी अधिकार संगठनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया. 20 जून को 35 वर्षीय महिला से बलात्कार और हत्या के आरोप में तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया गया था। वे सुमुखराव संतोष, पसारे संतोष और शेख खादीर थे, जो इंद्रवेल्ली मंडल के धनोरा-बी गांव से थे।

विकास कार्यों के पूरे होने के साथ धर्मपुरी मंदिर शहर का बदल गया चेहरा

जगतियाल, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न विकास कार्यों के पूरा होने के साथ धर्मपुरी मंदिर शहर का चेहरा बदल गया है। मंदिरों के साथ-साथ मंदिर शहरों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, राज्य सरकार ने धर्मपुरी के पुनरुद्धार और इसे मंदिर शहर के रूप में विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया था।

लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर और उसके संबद्ध मंदिरों के विकास के अलावा, आंतरिक सड़कों का निर्माण, शहर का सौंदर्यीकरण और अन्य कार्य 141 करोड़ रुपये से किए गए। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने परिवार के सदस्यों के साथ जुलाई 2015 में धर्मपुरी में आयोजित गोदावरी पुष्करलु में भाग लिया था। मुख्यमंत्री ने अगस्त 2019 में फिर से मंदिर का दौरा किया था। अपनी यात्राओं के दौरान, उन्होंने मंदिर और शहर को सभी मोर्चों पर विकसित करने का वादा किया। जबकि मुख्यमंत्री ने 10 करोड़ रुपये मंजूर किए, 2018 में धर्मपुरी को नगरपालिका के रूप में अपग्रेड करने के बाद 25 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। स्थानीय विधायक और कल्याण मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने मंदिर के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये मंजूर किए। डीएमएफटी फंड से अन्य 6 करोड़ रुपये भी जारी किए गए।

आंतरिक सड़कों के विस्तार और बिछाने के अलावा, 11.10 करोड़ रुपये खर्च करके गोदावरी नदी की शुद्धता की रक्षा के लिए जल निकासी का भी निर्माण किया गया। धर्मपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 6.30 करोड़ रुपये खर्च कर विकसित किया गया है। 30 बिस्तरों वाले अस्पताल को 50 बिस्तरों वाले अस्पताल में अपग्रेड करने के अलावा, एक डायलिसिस सेंटर, ऑक्सीजन प्लांट और आईसीयू बेड की भी व्यवस्था की गई। 50 करोड़ रुपये से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र का काम शुरू किया गया। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने भी केंद्र के लिए 4.50 करोड़ रुपये मंजूर करने का आश्वासन दिया है।

पंचायत राज एईई रिश्वत लेते पकड़ा गया

महबूबाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला पंचायत राज कार्यकारी इंजीनियरिंग, डोड्डा ललिता के कार्यालय में एक सहायक कार्यकारी अभियंता को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को रंगे हाथों पकड़ा, जब वह कथित तौर पर पेद्दा वंगारा मंडल के कनवाईगुडेम गांव के एक ठेकेदार, कर्रा अशोक रेड्डी से दूसरी किस्त के रूप में 2,000 रुपये की रिश्वत ले रही थी।

एसीबी प्रेस नोट के अनुसार, ललिता ने कण्वईगुडेम गांव में वैकुंठ धाम (श्मशान घाट) के निर्माण से संबंधित अंतिम बिल और एम-बुक की जांच करने के लिए रिश्वत की मांग की थी, जिसे रेड्डी ने निष्पादित किया था। रिश्वत का अनुरोध पहले से संसाधित बिलों के इनाम के रूप में भी किया गया था, जिसे ललिता ने कार्यकारी अभियंता, पंचायत राज, महबूबाबाद को अग्रेषित करना चाहा था।

ललिता ने कथित तौर पर रिश्वत की पहली किस्त के तौर पर सोमवार को 3,000 रुपये स्वीकार किये थे। उसे हैदराबाद में एसपीई और एसीबी मामलों के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

ESTD: 1994
ANNIE BESANT WOMEN'S COLLEGE
(JUNIOR & DEGREE)
MPC, BPC
MEC, CEC
NEET/EAMCET
CA-CPT
B.C.A., B.B.A., B.Com (Comp.App)
B.A. (Psychology, Mass Comm. & Jour., Pd.Sci.)
B.Sc. (Nutrition, Bio-Tech, Micro-Bio, Botany, Zool., Chem)
B.Sc. (Data Sci, Comp. Sci., Maths, Stats, Physics)
@Chaitanyapuri Metro Station
KOTHAPET
Ph: 9515008563
7702215469
POST CODE 12100
Gaddiannaram Road
DILSUKHNAGAR
Ph: 9618854875
040-24061172, 24062846
POST CODE 11060

करोड़ों रुपये की ठगी कर तेलंगाना से लड़ा विधानसभा चुनाव, पुलिस ने किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस शख्स ने करोड़ों रुपये की ठगी कर तेलंगाना में विधानसभा चुनाव भी लड़ा। हालांकि, विधानसभा चुनाव में इसे जीत हासिल नहीं हो पाई।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, एक निजी कंपनी के निदेशक ने शिकायत देकर कहा कि उन्हें चीन से 50 हजार मीट्रिक टन लौह अयस्क भेजने का ऑर्डर मिला था। इस ऑर्डर को पूरा करने के लिए उन्हे कुछ ऐसे व्यापारियों की तलाश थी, जो इतनी बड़ी मात्रा में लौह अयस्क सप्लाई कर पाएं।

आरोपी सिद्धार्थ रेड्डी दिल्ली आया और उसने कहा कि उसकी कंपनी पूरा लौह अयस्क सप्लाई कर देगी. ऐसे में दोनों कंपनियों के बीच एग्रीमेंट हो गया. आरोपी ने 6 करोड़ रुपये से ज्यादा ले भी लिये, लेकिन न तो लौह अयस्क सप्लाई किया और न ही पैसे वापस लौटाए. पुलिस के मुताबिक, आरोपी सिद्धार्थ रेड्डी ने उसी पैसे से तेलंगाना ने 2014 में विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार गया। अब वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया है।

गुत्ता ने कांग्रेस नेताओं से पूछा सवाल

कांग्रेस शासित राज्य 4,000 रुपये की आसरा पेंशन क्यों नहीं दे रहे हैं?

नलगोंडा, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने मंगलवार को कांग्रेस नेताओं से पूछा कि कांग्रेस शासित राज्यों में प्रति माह 4,000 रुपये की आसरा पेंशन क्यों लागू नहीं की जा रही है, जैसा कि राहुल गांधी ने खम्मम सार्वजनिक बैठक में तेलंगाना के लोगों से वादा किया था।

यहां मीडिया से बात करते हुए गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस नेता बीआरएस सरकार के खिलाफ कीचड़ उछालने में लगे हुए हैं, जो लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस की विफलता के कारण भाजपा केंद्र में सत्ता में आई थी। राष्ट्रीय राजनीति में वैकल्पिक राजनीतिक ताकत के लिए प्रयास कर रहे मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की आलोचना करने का कांग्रेस नेताओं को कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

आसरा पेंशन पर खम्मम की सार्वजनिक बैठक में कांग्रेस द्वारा किए गए वादे का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि कांग्रेस उन राज्यों में इसे लागू क्यों नहीं कर रही है जहां वह सत्ता में है। खम्मम की जनसभा के मंच पर राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस नेताओं के बीच मतभेद भी उजागर हो गए. उन्होंने कहा कि लोग अच्छी तरह से जानते हैं कि कौन सी पार्टी भाजपा की बी-टीम है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस को केंद्र में भाजपा सरकार को गिराने के लिए चन्द्रशेखर राव के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए, क्योंकि चन्द्रशेखर राव ही एकमात्र नेता हैं जो देश में भाजपा के खिलाफ खड़े हो सकते हैं।

शिवाजी मूर्ति के पास कथित तौर पर पेशाब : झड़प के बाद तनाव

हैदराबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शिवाजी की मूर्ति के पास कथित तौर पर पेशाब करने पर एक व्यक्ति पर हमला किए जाने के बाद तेलंगाना में सिद्दीपेट जिले के गजवेल शहर में दो समूहों के बीच झड़प हो गई जिसके बाद इलाके में तनाव पैदा हो गया। नशे की हालत में उस व्यक्ति को शिवाजी की मूर्ति के पास पेशाब करने के लिए सजा देते हुए उसे नग्न घुमाया गया। इस घटना के कारण विभिन्न समुदायों के समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसमें एक व्यक्ति घायल भी हुआ। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को यह आश्वासन देकर शांत किया कि वे इसमें शामिल पाए गए लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करेंगे। घटना के विरोध और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कुछ संगठनों ने मंगलवार को गजवेल में बंद का भी आह्वान किया। गजवेल विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव करते हैं। इस बीच मजलिस बचाओ तहरीक (एमबीटी) के नेता अमजदुल्ला खान खालिद ने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस घटना पर मूकदर्शक बनी रही। उन्होंने पुलिस महानिदेशक और सिद्दीपेट आयुक्त से जांच का आदेश देने का आग्रह किया, साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय के लिए सुरक्षा की मांग की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सरकार ने कुमराम भीम से प्रेरणा लेकर योग्य आदिवासियों को पट्टा दिया : इंद्रकरण

आदिलाबाद, 4 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी ने मंगलवार को उटनूर मंडल केंद्र में उटनूर, सिरिकोंडा और इंदरवेल्ली मंडल के पात्र आदिवासियों को पोडु भूमि पट्टे सौंपे। विधायक रेखा नाइक और राठौड़ बापू राव भी उपस्थित थे।

लाभार्थियों को संबोधित करते हुए, रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने आदिवासी किंवदंती कुमराम भीम से प्रेरणा लेकर योग्य आदिवासियों को पट्टे देने के लिए कदम उठाए हैं, जिन्होंने जल, जंगल और जमीन पर अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी थी। पट्टा धारकों को रायथु बंधु योजना के तहत भी वित्तीय सहायता मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि आदिलाबाद में 31,688 एकड़ वन भूमि पर खेती करने वाले 12,222 आदिवासी परिवार, कुमराम भीम आसिफाबाद में 44,750 एकड़ में फसल उगाने वाले 15,254 आदिवासी परिवार, निर्मल के 7,253 परिवार और मंचेरियल जिले के 2,403 परिवारों को भूमि का मालिकाना हक दिया जाएगा।

गिरि विकासम योजना के तहत रियायती कीमतों पर बिजली की मोटरें और खेत के कुएं उपलब्ध कराने के अलावा, आदिवासी किसानों को तीन चरण के बिजली कनेक्शन भी दिए जाएंगे। आदिलाबाद कलेक्टर पीएस राहुल राज और आईटीडीए-उटनूर परियोजना अधिकारी चाहत बाजपेयी उपस्थित थे।

क्या आप कब्ज़ियत से परेशान है?
कब्ज़ का मुख्य कारण है अस्वस्थ जीवनशैली और गलत खान - पान, जो आगे जाकर बवासीर का कारण बन सकते है।
कब्ज़
बवासीर
बैद्यनाथ नागपुर असली आयुर्वेद
अभयामृत
स्वस्थ पाचन रहेगा, तभी तो स्वस्थ जीवन रहेगा।
कब्ज़ से लंबी राहत प्रदान करें।
बवासीर से सम्बंधित तकलीफें दूर करने में मदद करें।
पाचनतंत्र को सुचारु रखें।
३-६ चम्मच + समभाग पानी =
दिन में दो बार भोजन के बाद
१ माह तक सेवन करें।
450 ML
Baidyanath NAGPUR
ABHAYAMRITA
अभयामृत
अभयारिष्ट से अधिक प्रभावशाली।
www.baidyanath.co
वैद्यकीय सलाह : 8448444935

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.